अब हर रोज दर्पण 3

जबलपुर सोमवार 03 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण कृष्ण पक्ष पंचमी

वर्ष 32 अंक 38 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.2°C

न्यूनतम तापमान 25.6°C

सूर्योदय - 5.42 | सूर्यास्त - 6.51

कथित प्रताड़ना से आहत होकर 40 वर्षीय... 4

सिद्धिविनायक मंदिर से हर साल 18 करोड़... 7

9,000 नाईट्राबेट टैबलेट के साथ 02 आरोपी... 9

दतिया का फैसला आज : गांवों की बढ़त और शहर की चुप्पी बढ़ा रही धड़कन

भोपाल/दतिया।

दतिया विधानसभा उपचुनाव का परिणाम सोमवार को सामने आएगा। मतगणना सुबह 8 बजे से 20 टेबलों पर 15 राउंड में होगी। यह चुनाव केवल एक सीट का नहीं, बल्कि भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए राजनीतिक संदेश देने वाला माना जा रहा है। कम मतदान, शहर में वोटिंग की सुस्ती, महिलाओं की घटती भागीदारी, भाजपा में भीतरघात की चर्चा और कांग्रेस की गुटबाजी ने मुकाबले को पूरी तरह खुला बना दिया है। 30 जुलाई को हुए मतदान में 71.42 प्रतिशत वोट पड़े, जो 2023 विधानसभा चुनाव के मुकाबले 8.86 प्रतिशत अंक कम है। कुल 19,528 वोट कम पड़े। इनमें सबसे ज्यादा कमी महिला मतदान में रही। महिला मतदाताओं के 9,495 और पुरुषों के 7,754 वोट कम पड़े। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कम मतदान का फायदा किसे मिलेगा, इसका जवाब अब ईवीएम से ही मिलेगा। बूथवार आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण इलाकों में कई मतदान केंद्रों पर 80 से 90 प्रतिशत तक मतदान हुआ। बूथ 62 पर सबसे अधिक 92.19 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। इसके विपरीत दतिया शहर के कई बूथों पर मतदान 55 प्रतिशत से भी नीचे रहा। बूथ 110 पर केवल 43.20 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पूरे विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम है। यानी ग्रामीण मतदाता मतदान के लिए बड़ी संख्या में निकले, जबकि शहरी मतदाताओं ने अपेक्षाकृत कम रुचि दिखाई।

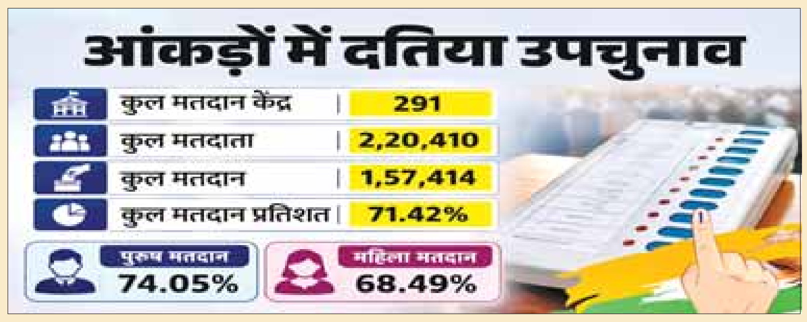

महिलाओं की चुप्पी भी बनी बड़ा फैक्टर

पूरे विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं का मतदान प्रतिशत 68.49 रहा, जबकि पुरुषों का 74.05 प्रतिशत रहा। हालांकि 59 बूथ ऐसे रहे जहां महिलाओं ने पुरुषों से अधिक मतदान किया, लेकिन कई शहरी बूथों पर महिला मतदान काफी कमजोर रहा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2023 में भाजपा को महिलाओं का बड़ा समर्थन मिला था। इस बार महिला मतदान में आई कमी से हार जीत का अंतर बहुत कम रह सकता है।

मुकाबला त्रिकोणीय पर चर्चा दो नेताओं की

चुनाव मैदान में भाजपा के आशुतोष तिवारी, कांग्रेस के घनश्याम सिंह और आजाद समाज पार्टी के दामोदर यादव हैं। हालांकि चर्चा दो नेताओं आशुतोष तिवारी तथा घनश्याम सिंह की ही हो रही है। चुनाव प्रचार के दौरान मुकाबला उम्मीदवारों से ज्यादा पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के इर्द-गिर्द घूमता रहा। भाजपा में टिकट बदलने के बाद कार्यकर्ताओं की नाराजगी और भीतरघात की चर्चा लगातार बनी रही।

नरोत्तम मिश्रा की साख पर भी नजर

दतिया लंबे समय तक पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का मजबूत राजनीतिक गढ़ रहा है। टिकट बदलने के बाद उनके समर्थकों ने जमकर विरोध जताया, फिर भी उन्होंने भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में पूरी सक्रियता दिखाई। ऐसे में परिणाम को उनके प्रभाव और संगठन पर पकड़ के नजरिये से भी देखा जाएगा। इस चुनाव के परिणाम नरोत्तम मिश्रा की आगे की राजनीतिक भविष्य तय करने वाला माना जा रहा हैं।

नशे का व्यापार दुश्मन देशों के आतंकी एजेंडे का हिस्सा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 28 हजार से ज्यादा जगहों से जुड़े मेरे एक करोड़ से ज्यादा युवा साथियों का अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि आज हम सभी जिस अभियान के साक्षी बन रहे हैं, वह अभियान व्यक्ति के लिए है, परिवार के लिए है, समाज के लिए भी है और सबसे बड़ी बात है ये राष्ट्र के लिए है। विकसित भारत संकल्प अभियान के लिए नशामुक्त युवा, इस मूवमेंट का नाम ही इसके संकल्प को स्पष्ट करता है। पीएम मोदी ने कहा कि दुश्मन देश भारत में ड्रग्स भेजकर और युवाओं को निशाना बनाकर देश को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अवैध ड्रग्स के कारोबार को दुश्मन के 'आतंकवादी एजेंडे' का हिस्सा बताया। पीएम मोदी ने कहा, आज जब देश ने विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, तो इसके लिए जरूरी है देश का युवा तन-मन से स्वस्थ हो और आत्मविश्वास से भरपूर हो। इसके साथ ही ड्रग्स जैसी घातक आदत से हमेशा दूर ही रहे। यही इस अभियान का उद्देश्य है। हम सबको ये संकल्प लेना है कि हमारे युवा नशे और ड्रग्स के खतरों को समझें और हर तरह से जागरूक रहें। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, कुछ काम ऐसे होते हैं, जो व्यक्तिगत रूप से कोई प्रयास करे तो कभी-कभी निराश हो जाता है, थकान महसूस करता है, लंबी दूरी चलने में मन तैयार नहीं होता है, लेकिन जब सामूहिक अभियान बन जाता है और कंधे से कंधा मिलाकर करोड़ों लोग चल पड़ते हैं तो ऐसे सभी जो व्यक्तिगत रूप से अपने आप नहीं कर पाते हैं, उनको भी एक ऊर्जा मिल जाती है। आज उस ताकत को लेकर ये अभियान हर युवा मन को छूने वाला है। उन्होंने कहा, आने वाले 100 रविवार 'नशा मुक्त भारत' की दिशा में 100 मजबूत कदम होंगे। आज हजारों स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लाखों विद्यार्थी इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े हैं। समाज का सहयोग, योग और ध्यान की ताकत, ये नशे के खिलाफ हमारे अन्तर्मन को ताकत देते हैं। और आज तो हमारे पास नशा छोड़ने के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर जैसी सुविधाएं भी हैं।

प्रधानमंत्री ने किया नशा मुक्त युवा अभियान का आगाज

युवाओं के साथ खड़ी है सरकार

पीएम ने कहा, ड्रग्स के खिलाफ अभियान में आज सरकार भी मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। देश में नशे के कारोबारियों और नशे पर सख्ती से कार्रवाई हो रही है, पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा गिरफ्तारियां हुई हैं, हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई हैं। ये दिखाता है कि ड्रग्स के खिलाफ हमारी सरकार कितनी सख्त है। पीएम मोदी ने कहा, आप भारत की अमृतपीढ़ी हैं। आप अगले 20-25 वर्षों में अपने जीवन को दिशा देंगे और आप ही 2047 में देश को विकसित भारत की मंजिल तक लेकर जाएंगे और उसके शिखर पर आप ही बैठे होंगे।

युवाओं ने विश्वास को बढ़ाया

उन्होंने कहा, मेरा आप सभी से आग्रह है, आप सब इस बड़े मूवमेंट के लीडर हैं। आपने मेरे इस विश्वास को और मजबूत किया है कि भारत का युवा कितना जागरूक है, कितना समझदार है और अपने कर्तव्यों के प्रति कितना गंभीर है। मैं आप सभी को इस अभियान के लिए अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। अगर कोई युवा गलती से नशे में फंस भी गया है तो इसका ये मतलब बिल्कुल नहीं है कि उसके सारे रास्ते बंद हो गए हैं! हमें हमेशा इस बात का ध्यान रखना है, घर का कोई बच्चा अगर नशे का शिकार बन गया है, तो इसे सामाजिक प्रतिष्ठा की आड़ में छिपाएं नहीं।

एक करोड़ युवाओं ने लिया संकल्प

कार्यक्रम के दौरान एक करोड़ से अधिक युवाओं ने नशे के खिलाफ राष्ट्रीय संकल्प लिया। इस अभियान के तहत देशभर में प्रत्येक रविवार को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन गतिविधियों में खेल प्रतियोगिताएं, वॉकाथॉन, ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, जागरूकता अभियान, नुक्कड़ नाटक, परिचर्चा, कला प्रतियोगिताएं और सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम शामिल होंगे। अभियान से जुड़े स्वयंसेवकों और संगठनों के उत्कृष्ट योगदान को 50वें, 75वें और 100वें सप्ताह पर सम्मानित किया जाएगा।

नाश की जड़ है नशा : मुख्यमंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रव्यापी 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान के शुभारंभ से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मैनिट में हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक और युवा देश है। स्वामी विवेकानंद ने सौ साल पहले कहा था कि युवाओं के सामर्थ्य से 21वीं सदी भारत की होगी। ऐसे में शक्तिशाली और सर्वगुण संपन्न भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नशामुक्ति का अभियान चल रहा है। आज हम सब मैनिट परिसर से प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' संकल्प अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार हर गली, मोहल्ले, गांव-चौराहे तक नशा मुक्ति के लिए अभियान चलाकर लोगों को समझाइश दे रही है और नशे के अवैध कारोबार में लिप्त अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों पर निकाय और पंचायत की सीमा में हमने शराबबंदी लागू कर दी है। शराब की दुकानें हटा दी गईं हैं। उन्होंने कहा कि अब सड़कों के किनारे लगी धूम्रपान की दुकानें धीरे-धीरे कम होती जा रही हैं। लेकिन वर्तमान समय में दूसरे प्रकार का नशा बढ़ रहा है। युवाओं को बिगाड़ने के तरह-तरह के सामान आ गए है। हमारी सरकार ने प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार और नशे के सामानों की तस्करी पर सख्ती से नकेल कसने के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर बेहतर समन्वय स्थापित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान चलाने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति का संकल्प केवल एक विभाग का काम नहीं है। नशामुक्ति के लिए सभ्य और शिक्षित वर्ग सहित पूरे समाज की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश के कुछ संभ्रांत राज्य नशे की समस्या के कारण कष्ट में आ गए थे। मध्यप्रदेश को नशामुक्त करने के लिए मन में ठोस संकल्प के साथ कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2029 तक नशामुक्त भारत का संकल्प लिया है। हम सभी प्रकार के नशों से मुक्ति के इस कुरीति पर विजय युद्ध में फतह हासिल करके रहेंगे।

सांसद पप्पू यादव पर दिल्ली में शख्स ने फेंकी चप्पल

नई दिल्ली। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर उनके दिल्ली में स्थित आवास पर रविवार शाम एक शख्स ने हमला कर दिया। पप्पू यादव प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, इसी बीच एक आदमी ने उनके ऊपर चप्पल फेंक दी। इसके बाद पप्पू के समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की। पप्पू ने आरोप लगाया कि एक युवक ने चाकू लेकर उनकी हत्या की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कुछ बाबा रोज कहते हैं- मुझे मार दो, जला दो, हम 51 लाख रुपए देंगे। हमने एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अभी आरोपी को पकड़कर ले गई है। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

दरअसल, पप्पू यादव ने शुक्रवार को संसद में चंदा चोरी का नाटक किया था, जिसके बाद लखनऊ के एक हिंदूवादी नेता ने उनका सिर लाने वाले को 51 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। हमले के बाद पप्पू यादव ने मीडिया से कहा- आपके सामने ही हमला हुआ है? मेरा का क्या गुनाह है? गुनाह बृजभूषण तिवारी का है, चंपत राय का है।

कर्नाटक में जल्द कैबिनेट विस्तार के आसार

20 नए मंत्री हो सकते हैं शामिल

बेंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ लेने के करीब दो महीने बाद भी मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। शिवकुमार और राज्य के कई कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आलाकमान से मुलाकात की। यहां कैबिनेट विस्तार पर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 नए मंत्रियों के नाम आज तय हो सकते हैं। वहीं, अगले सप्ताह शपथ ग्रहण हो सकता है। अभी कैबिनेट में सीएम समेत 14 मंत्री हैं। डीके शिवकुमार ने 3 जून को उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर और 12 अन्य मंत्रियों के साथ शपथ ली थी। कर्नाटक में संवैधानिक रूप से मुख्यमंत्री सहित कुल 34 मंत्री हो सकते हैं, जिसके चलते अभी भी लगभग 20 पद खाली हैं। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी हाईकमांड जातीय, सामुदायिक और नए-पुराने नेताओं में बैलेंस बनाने की कोशिश कर रहा है जिसकी वजह से कैबिनेट विस्तार में देरी हो रही है। इसके अलावा, डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के गुटों की ओर से अलग-अलग नाम सुझाए जा रहे हैं। कर्नाटक में लिंगायत सबसे बड़ा समुदाय है, जबकि दक्षिण कर्नाटक में वोक्कालिगा का दबदबा है, जिसका नेतृत्व उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार करते हैं। वहीं, कुरबा समाज एक प्रमुख पिछड़ा वर्ग है, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया आते हैं और वे अपनी अहिंदा राजनीति के जरिए मजबूत पकड़ रखते हैं। सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया को भी कैबिनेट में शामिल किया गया है।

नीट-यूजी की काउंसलिंग कल से

नई दिल्ली। *एमबीबीएस और अन्य अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्सेज में दाखिले के लिए ऑल इंडिया कोटा की काउंसलिंग 4 अगस्त से शुरू होगी। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत 8 सितंबर से होगी। काउंसलिंग का पहला राउंड 4 अगस्त से 17 अगस्त तक चलेगा। इसमें शामिल होने की आखिरी तारीख 22 अगस्त है। दूसरा राउंड 24 अगस्त से 2 सितंबर तक होगा, जबकि तीसरा राउंड 10 सितंबर से 18 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसके बाद स्ट्रे वैकेंसी राउंड 28 सितंबर से 3 अक्टूबर तक होगा और इसमें शामिल होने की अंतिम तारीख 10 अक्टूबर तय की गई है।*

भाजपा नेता ने गर्लफ्रेंड के दोस्त को मार डाला

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में जनपद अध्यक्ष के पति बीजेपी नेता ने अपने साथियों संग मिलकर गर्लफ्रेंड और उसके दोस्त को निर्वस्त्र कर पीटा। आरोपियों ने दोनों को लकड़ी के डंडे और बेसबॉल के बैट से सिर पर कई वार किए। हमले में शख्स का सिर फूट गया। इलाज के दौरान शख्स की मौत हो गई। आरोपियों ने पीटने का वीडियो भी बनाया। मृतक की पहचान हरिराम गोमाजी के रूप में हुई है। राजगढ़ पुलिस ने घायल महिला के बयान के आधार पर मुख्य आरोपी देवा पिता थावरिया सिंगाड़ और उसके साथियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 115(2), 351(2) और 3(5) के तहत हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं।

गोवा में कांग्रेस-जीएफपी में गठबंधन पर हुई चर्चा

आम आदमी पार्टी ने भी साथ आने के दिए संकेत

पणजी। गोवा में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) ने गठबंधन को लेकर शुरुआती बातचीत शुरू कर दी है। वहीं, आम आदमी पार्टी ने भी गठबंधन के संकेत दिए हैं। गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडंकर ने बताया कि उन्होंने जीएफपी प्रमुख विजय सरदेसाई के साथ गठबंधन को लेकर चर्चा की है। दोनों नेताओं की शनिवार को दक्षिण गोवा के फतोरदा शहर में मुलाकात हुई थी। कांग्रेस और जीएफपी ने 2022 का विधानसभा चुनाव भी साथ मिलकर लड़ा था। चोडंकर ने कहा कि यह बातचीत शुरुआती दौर की थी। गठबंधन को आगे बढ़ाने पर अभी फैसला लिया जाना बाकी है।

उन्होंने बताया कि सीट शेयरिंग समेत अन्य मुद्दों को अंतिम रूप देने के लिए वे जल्द ही फिर से मुलाकात करेंगे। वहीं आम आदमी पार्टी गोवा के अध्यक्ष वाल्मीकि नाइक ने शनिवार को अपनी पार्टी की उस कमेटी के साथ बैठक की, जिसे समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन पर फैसला

लेने की जिम्मेदारी दी गई है। नाइक ने पत्रकारों से कहा कि आप समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन के लिए तैयार है।

पार्टी का मुख्य लक्ष्य बीजेपी सरकार को हराना है। आप ने 2022 में 40 सीटों में 39 पर अपने उम्मीदवार उतारे और अलग चुनाव लड़ा। आप ने 2 सीटें (बेनेउलिम और वेलिम) जीतीं और पहली बार गोवा विधानसभा में पहुंची। चुनाव के बाद आप के दोनों विधायक पार्टी में बने रहे।

भारत के नक्शे से नॉर्थ ईस्ट का हिस्सा गायब!

बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने ग्लासगो में जताई नाराजगी

ग्लास्गो। यूनाइटेड किंगडम में क्लाइड नदी के तट पर बसे स्कॉटलैंड के सबसे बड़े शहर ग्लास्गो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत ने शनिवार को राष्ट्रमंडल खेलों में 2018 गोल्ड कोस्ट का रिकॉर्ड बराबर किया। इसी दौरान एक विवाद भी आयोजन में जुड़ गया है। यहां के एक भारतीय रेस्टोरेंट में शनिवार को डिनर के दौरान रजत पदक विजेता बॉक्सर लवलीना ने बड़ी गलती पकड़ी। 2020 में टोक्यो ओलिपिंक में मुक्केबाजी में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन ने एक भारतीय रेस्टोरेंट में डिनर के दौरान मिले नैपकिन पर बने भारत के

नक्शे से नॉर्थ-ईस्ट को गायब करने पर गहरी आपत्ति दर्ज कराई। ग्लास्गो में भारतीय एथलीट्स के लिए एक भारतीय रेस्टोरेंट में डिनर आयोजित हुआ था, भारतीय मुक्केबाजों का दल यहां डिनर के लिए पहुंचा था, लेकिन वहां टेबल पर रखी नैपकिन पर नजर पड़ते ही खुशियों का माहौल अचानक गर्मा गया। स्टार बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने ध्यान दिया कि रेस्टोरेंट के नैपकिन पर भारत का जो नक्शा छपा था, उसमें से नॉर्थ ईस्ट इंडिया का पूरा हिस्सा गायब था। इस गंभीर लापरवाही पर लवलीना ने तुरंत अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि रेस्टोरेंट के नैपकिन पर छपे नक्शे से हमारा नॉर्थ ईस्ट इंडिया गायब है। भारत का हर एक हिस्सा बेहद अहम है और हर जगह देश का सही और पूरा नक्शा ही दिखाया जाना चाहिए। असम की रहने वाली ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने ग्लासगो में रेस्टोरेंट में भौगोलिक स्थिति की सटीकता की मांग की। उन्होंने यहां एक रेस्टोरेंट के नैपकिन पेपर पर बने भारत के गलत नक्शे पर अपनी नाराजगी जताई।

यह घटना दो अगस्त को ग्लासगो के मशहूर रेस्टोरेंट मिस्टर सिंह्स इंडिया: द होम ऑफ करी में हुई, जहां कॉमनवेल्थ गेम्स में सफल प्रदर्शन के बाद भारतीय दल के सदस्यों की मेजबानी की गई थी। बोरगोहेन ने उन पेपर नैपकिन की ओर ध्यान दिलाया जिन पर भारत का नक्शा बना था, लेकिन उसमें देश का पूरा उत्तर-पूर्वी हिस्सा गायब था। लवलीना बोरगोहेन ने कहा कि नैपकिन पर बने नक्शे में हमारा उत्तर-पूर्व हिस्सा नहीं है। भारत का हर हिस्सा महत्वपूर्ण है और उसे नक्शे में दिखाया जाना चाहिए। उन्होंने इसमें सभी क्षेत्रों के सही प्रतिनिधित्व के महत्व पर जोर दिया।

अजय सिंह ने भी तत्काल समर्थन किया

उनकी आपत्ति का बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने भी तत्काल समर्थन किया। अजय सिंह ने न केवल उत्तर-पूर्व के बारे में बोरगोहेन की बात का समर्थन किया, बल्कि उसी नक्शे में जम्मू-कश्मीर को गलत तरीके से दिखाए जाने की ओर भी इशारा किया। उन्होंने बताया कि इस नक्शे में सिर्फ नार्थ ईस्ट इंडिया ही नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर को भी सही तरीके से नहीं दिखाया गया था। अजय सिंह ने रेस्टोरेंट प्रबंधन से इन सभी नैपकिन को तुरंत हटाने और सही नक्शे का इस्तेमाल करने की मांग की है।

जबलपुर में मानसून की बेरुखी झमाझम को तरसे लोग

धूप-छांव के बीच हल्की फुहारों ने बढ़ाई उमस

पिछले साल से आधी भी नहीं हुई बारिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में मानसून की बेरुखी का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। शहरवासी दिनभर झमाझम बारिश की उम्मीद लगाए बैठे रहे, लेकिन उन्हें राहत नसीब नहीं हो सकी। दिनभर आसमान में सूरज और बादलों के बीच आंख-मिचौली चलती रही, जिससे तीखी उमस और गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। शाम के समय शहर के कुछ हिस्सों में हल्की फुहारें जरूर पड़ीं, लेकिन इस नाममात्र की बारिश ने राहत देने के बजाय हवा में नमी बढ़ाकर उमस को और अधिक बढ़ा दिया। रविवार का अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

मौसम विभाग के अनुसार, इस मानसून सीजन में जबलपुर में अब तक महज 324 मिमी (लगभग 12 इंच) ही बारिश दर्ज की गई है। जोरदार बारिश न होने के कारण शहर के जल स्रोतों का जलस्तर चिंताजनक बना हुआ है। दिन और रात दोनों समय लोग भीषण गर्मी और उमस से तड़पने को मजबूर हैं।

पिछले साल से स्थिति काफी चिंताजनक

अगर पिछले साल के आंकड़ों से तुलना करें तो स्थिति बेहद निराशाजनक है।

पिछले वर्ष आज की तिथि तक जबलपुर में लगभग 25 इंच बारिश हो चुकी थी। यानी इस बार पिछले साल की तुलना में आधी बारिश भी नहीं हुई है। मानसून के इस सुस्त रवैये से किसान और आम जनता दोनों ही अब एक जोरदार मूसलाधार बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को जिले के कुछ इलाकों में हल्की फुहारों के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की है।

महादेव की भक्ति में लीन हुई संस्कारधानी

सावन का पहला सोमवार आज, शिवालयों-मंदिरों में उमड़ेगी भक्तों की भीड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आज पवित्र सावन मास का पहला सोमवार है। सावन के पहले सोमवार के अवसर पर संस्कारधानी भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आएगी। शिवालयों से लेकर घरों पर भगवान भोलेनाथ का विशेष पूजन-अर्चन के साथ ही अभिषेक आदि किया जाएगा। इसके बाद 10 अगस्त को दूसरे सोमवार पर गौरीघाट से 35 किलोमीटर की भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। 17 अगस्त को तीसरे सोमवार पर पूरे 23 साल यानी वर्ष 2003 के बाद नागपंचमी का अत्यंत दुर्लभ संयोग बन रहा है। साथ ही 24 अगस्त को चौथे सोमवार पर विभिन्न मंदिरों में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण और पूजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 12 अगस्त को पूर्ण सूर्य ग्रहण तथा 27 और 28 अगस्त की रात को आंशिक चंद्र ग्रहण का खगोलीय योग रहेगा जिसका देश में कोई सूतक नहीं लगेगा। अंत में 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व के साथ इस पवित्र मास का समापन संपन्न होगा। सावन मास में नगर में अनेक स्थानों पर परंपरानुसार श्रावणी मेले भरते हैं। श्री गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी बड़े शिवालय, श्री पाटबाबा मंदिर, श्री शारदा मंदिर मदन महल, श्री मंगलचण्डी माता मंदिर बधैया मोहल्ला, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, नर्मदेश्वर महादेव मंदिर, में सावन मास के मेले आयोजित होते हैं। मदन महल के शारदा मंदिर में सबसे पुराना श्रावणी मेला लगता है। मदन महल की सुरम्य वादियों के बीच ऊंचाई पर स्थित मंदिर में पहुंचने पर प्रकृति की अनुपम छटा का भी दर्शन होता है।

निकलेगी ऐतिहासिक भव्य कांवड़ यात्रा

सावन मास के पहले सोमवार से शहर के तमाम शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो जाएगी। भगवान शिव की आराधना और जलाभिषेक का यह सिलसिला पूरे महीने उत्साह के साथ चलेगा। इसी क्रम में 10 अगस्त को पड़ने वाले दूसरे सोमवार को बड़ी और भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो गौरीघाट से शुरू होकर 35 किलोमीटर का सफर तय करते हुए मटामर पहुंचेगी। वहां नर्मदा जल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा। गत वर्ष की भांति इस वर्ष गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से भोलेनाथ की शाही सवारी 10 अगस्त को द्वितीय सावन सोमवार को नगर भ्रमण करेगी। उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर शहर में गुप्तेश्वर महादेव भगवान भी प्रजा का हाल जानने निकलेंगे।

ग्रहण काल का नहीं होगा असर

इस बार सावन मास में दो बड़े खगोलीय ग्रहण का योग बन रहा है जिसके बारे में ज्योतिषीय स्पष्टता दी गई है। पंचांग के अनुसार 12 अगस्त को पूर्ण सूर्य ग्रहण तथा 27 और 28 अगस्त की रात को आंशिक चंद्र ग्रहण का योग बन रहा है। हालांकि राहत भरी बात यह है कि ये दोनों ग्रहण भारत की भौगोलिक सीमा में दिखाई नहीं देंगे। खगोलीय नियमों के अनुसार देश में दृश्यमान न होने के कारण इन ग्रहणों का कोई भी सूतक काल मान्य नहीं होगा। परिणामस्वरूप सावन के सभी धार्मिक अनुष्ठान, रुद्राभिषेक और पूजा-पाठ पूरी तरह सामान्य रूप से संपन्न किए जाएंगे। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की धार्मिक शंका या बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा और वे निर्बाध रूप से अपनी साधना पूरी कर सकेंगे।

पुलिस लाइन में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और परिजनों को मिला नि:शुल्क परामर्श

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में सेवा निवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण संघ के तत्वावधान एवं जबलपुर हॉस्पिटल के सौजन्य से एक दिवसीय विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 200 लोग उपस्थित हुए, जिनमें से 173 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें डॉक्टरी सलाह दी गई।शिविर में जबलपुर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरावानी के मार्गदर्शन में विशेषज्ञों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। इनमें मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. नितिन चौधरी, डॉ. शब्द सिंह, डॉ. विपिन यादव तथा गाइनिक (स्त्री रोग) विशेषज्ञ डॉ. आरुषी जैन शामिल रहीं। वरिष्ठ अधिकारियों और डॉक्टरों का हुआ सम्मानशिविर के शुभारंभ पर संघ के अध्यक्ष श्री राजेश तिवारी और पूर्व उप पुलिस महानिरीक्षक श्री मनोहर वर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य चिकित्सक डॉ. राजेश धीरावानी का अभिनंदन किया। इसके पश्चात संघ के वरिष्ठ सदस्यों ए. पी. तिवारी, मिथिलेश तिवारी, आर. एस. कालरा, डी. एल. तिवारी, विनोद श्रीवास्तव, ओमप्रकाश परवार, अखिल वर्मा तथा सचिव अशोक तिवारी ने मेडिकल टीम के अन्य डॉक्टरों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत व सम्मान किया।

पूर्व पुलिस अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थितिइस स्वास्थ्य शिविर में सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक हेमंत तिवारी ने सपरिवार पहुंचकर अपना परीक्षण कराया। इसके अलावा सेवानिवृत्त डीएसपी रवींद्र गौतम, प्रफुल्ल श्रीवास्तव, सुशील चौहान, कौशल सिंह, डी. एल. तिवारी, विनोद श्रीवास्तव और हाल ही में मुंबई से लौटे श्री मिथिलेश तिवारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिविर में वरिष्ठ सदस्य हाकम सिंह, रामाश्रय मिश्रा, राजकुमार, नियाजुल, रियाज अहमद, राकेश तिवारी, राजेंद्र सोनी, इकबाल बहादुर, आलम सिंह, गोविंद सुरैया सहित सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में संघ के अध्यक्ष राजेश तिवारी ने डॉ. राजेश धीरावानी और उनकी पूरी मेडिकल टीम का इस सराहनीय जनसेवा कार्य के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

मशहूर कव्वाल अज़ीम नाजा की कव्वाली आज

जबलपुर

मुस्लिम बहुल क्षेत्र मंडी मदार टेकरी स्थित हज़रत सैय्यदना शहाबुद्दीन उर्फ़ मौलाना मख़्दूम अनीसुर्रहमान रहमतुल्लाह अलैह के उर्स मुबारक के अवसर पर आज सोमवार रात्रि 10 बजे जमीअतुल कुरैश के तत्वावधान में मंडी मदार टेकरी जामा मस्जिद के सामने भव्य कव्वाली महफ़िल का आयोजन किया जा रहा है। रात्रि 10 बजे से आयोजित होने वाली इस रूहानी महफ़िल में मुख्य अतिथि विधायक लखन घनघोरिया, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक विनय सक्सेना तथा विशेष अतिथि हाजी कदीर सोनी एवं मतीन अंसारी उपस्थित रहेंगे। महफ़िल की खास आकर्षण हिंदुस्तान के मशहूर कव्वाल अज़ीम नाज़ा होंगे, जो अपने साथियों के साथ सूफ़ियाना कलाम पेश करेंगे।

प्वाइंट्समैन को प्रदान किया गया प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण

आपातकाल में देंगे प्राथमिक उपचार की सेवाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल द्वारा यात्रियों एवं रेलकर्मियों की सुरक्षा तथा आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, जबलपुर डॉ. शैलेन्द्र दीक्षित के निर्देशन तथा मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप कुमार चौहान के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, जबलपुर में जुलाई माह में परिवार कल्याण चिकित्सा विभाग द्वारा 64 काँटावाला (प्वाइंट्समैन) को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य केंद्र सतना में भी जुलाई माह में नव नियुक्त 10 काँटावाला (प्वाइंट्समैन) को भी प्राथमिक उपचार संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दुर्घटना, आकस्मिक बीमारी अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में घायल एवं अस्वस्थ व्यक्तियों को प्रारंभिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने, चिकित्सकीय सहायता पहुँचने तक आवश्यक प्राथमिक उपचार प्रदान करने तथा संकट की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया देने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। यह प्रशिक्षण वरिष्ठ नर्सिंग अधीक्षक एवं मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, सतना द्वारा प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य रेलवे परिचालन से जुड़े काँटावाला (प्वाइंट्समैन) की आपदा एवं आपातकालीन स्थितियों से निपटने की क्षमता को सुदृढ़ करना तथा यात्रियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाना है।

जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है: जगतगुरु स्वामी नृसिंहदेवाचार्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

धर्मो रक्षति रक्षित: अर्थात जो धर्म की रक्षा करता है धर्म उसकी रक्षा करता है और हर सनातनी का यह शाश्वत धर्म है कि वह अपने सनातन धर्म के बताएं मार्ग पर चले और सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करें और आने वाली जनरेशन को भी धर्म से जोड़े उक्त आशय के उदगार श्री सनातन महासभा के संरक्षक जगतगुरु स्वामी नृसिंहदेवाचार्य जी महाराज नें श्री कृष्ण जन्माष्टमी शोभायात्रा की तैयारी को लेकर सिद्ध मंच गढ़ा रामलीला समिति द्वारा आयोजित बैठक में व्यक्त किये । बैठक में शोभायात्रा को भव्य बनाने महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, अशोक मनोध्याय, गुलशन मखीजा, राकेश मिश्रा, प्रवेश खेड़ा, लोकराम कोरी, रमेश दुबे, असीम त्रिवेदी, सत्येंद्र ज्योतिषी, राजेंद्र प्यासी एवं अन्य ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए । बैठक में महासभा की ओर से मनोज शर्मा, विद्येश भापकर, विष्णु पटेल, संदीप मिश्रा, शरद काबरा, के के बस्सी एवं अन्य उपस्थित रहे ।

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी का विखंडन स्वीकार नहीं

जनप्रतिनिधि जबलपुर के हितों की रक्षा करें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिला कांग्रेस ने मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के प्रस्तावित विखंडन एवं उसके महत्वपूर्ण कार्यों और अधिकारों को उज्जैन स्थानांतरित किए जाने की आशंकाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पूर्व प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस बादल पंजवानी के साथ कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बादल पंजवानी ने कहा है कि मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी जबलपुर ही नहीं, बल्कि संपूर्ण महाकौशल अंचल की महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं संस्थागत उपलब्धि है। यदि विश्वविद्यालय का किसी भी प्रकार का विखंडन किया जाता है अथवा उसके अधिकार और कार्य अन्यत्र स्थानांतरित किए जाते हैं, तो इससे चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में जबलपुर की वर्षों की उपलब्धियों को गंभीर क्षति पहुंचेगी और क्षेत्र के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

कांग्रेस ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में पहले डेयरी साइंस कॉलेज को जबलपुर से उज्जैन स्थानांतरित किया गया था। अब मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के संबंध में सामने आ रही चर्चाओं ने शहरवासियों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। लगातार महत्वपूर्ण संस्थानों के कमजोर होने की आशंकाओं से जबलपुर की जनता स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रही है। नगर कांग्रेस ने विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी से आग्रह किया कि वे जबलपुर की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी के किसी भी प्रकार के विखंडन अथवा उसके अधिकारों एवं कार्यों को अन्यत्र स्थानांतरित किए जाने का स्पष्ट एवं प्रभावी विरोध करें। साथ ही विश्वविद्यालय की वर्तमान संरचना, अधिकार एवं मुख्यालय को पूर्ण रूप से जबलपुर में यथावत बनाए रखने तथा महाकौशल क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए शासन स्तर पर प्रभावी हस्तक्षेप करें। इस अवसर पर ज्ञापन के दौरान रिवान अली कोटी, कपिल भोजक, अमित सोनकर, सागर शुक्ला, पलाश यादव, एजाज अंसारी, जफर खान, शाहनवाज अंसारी, शफी खान आदि उपस्थित थे।

सिहोरा को जिला बनाने की मांग तेज

सिहोरा। सिहोरा को जिला बनाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने रविवार को एक बैठक में निर्णय लिया कि सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही भोपाल में मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग से मुलाकात करेगा। इस दौरान आयोग को सिहोरा को जिला बनाने के समर्थन में जनप्रतिनिधियों के पत्र भी सौंपे जाएंगे। बैठक में बताया गया कि दिसंबर 2025 में विधायक संतोष बरकड़े के साथ सिहोरा के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री से मिले थे। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सिहोरा जिला संबंधी ज्ञापन राजस्व विभाग को भेजा था। अब यह मामला पुनर्गठन आयोग के पास परीक्षण के लिए पहुंच चुका है, जिसके बाद आंदोलन समिति ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।बैठक में सिहोरा, बड़वारा, बहोरीबंद और मझौली के विधायकों तथा जिला पंचायत सदस्यों से समर्थन पत्र जुटाने के लिए एक समिति का गठन किया गया। इस समिति में शिशिर पांडे, रमेश पटेल, राकेश पाठक, बिहारी पटेल, अनिल जैन, कृष्ण कुमार कुररिया, विकास दुबे और संतोष वर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आखिर क्यों अटके हैं रेत के टेंडर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में बालू रेत खदानों के टेंडर लंबे समय से लंबित रहने को लेकर सवाल तेज हो गए हैं। प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में यह चर्चा है कि आखिर वैध खनन प्रक्रिया शुरू क्यों नहीं हो पा रही। आरोप लग रहे हैं कि टेंडर प्रक्रिया में देरी का फायदा अवैध रेत कारोबार को मिल रहा है, जिससे सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जिले में रेत खदानों के टेंडर नहीं होने से वैध खनन व्यवस्था अब तक शुरू नहीं हो सकी है। इस स्थिति ने खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। विभिन्न स्तरों पर यह चर्चा है कि टेंडर प्रक्रिया में लगातार हो रही देरी कहीं न कहीं अवैध खनन करने वालों के लिए मुफीद साबित हो रही है। जानकारों का मानना है कि यदि खदानों का विधिवत आवंटन हो जाए तो खनन रॉयल्टी, पर्यावरणीय नियमों और प्रशासनिक निगरानी के दायरे में आ जाएगा। इसके विपरीत टेंडर लंबित रहने से अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक प्रभावी सियासी दल के नेता का नाम भी चर्चाओं में सामने आया है। हालांकि इस संबंध में किसी प्रकार की आधिकारिक टिप्पणी या जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। वहीं, विपक्ष और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि आरोपों में सच्चाई है तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

रेत कारोबार से जुड़े जानकारों का कहना है कि अवैध खनन पर प्रभावी रोक तभी संभव है, जब खदानों के टेंडर समयबद्ध तरीके से पूरे कर वैध संचालन शुरू कराया जाए। अब निगाहें राज्य सरकार पर हैं कि वह टेंडर प्रक्रिया में आ रही बाधाओं को दूर कर पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करती है या नहीं।

संस्था अपराजिता ने लिया 2000 पौधा रोपण का संकल्प

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रकृति को सहेजने और सवारने का प्रण लेकर आज संस्था अपराजिता के यस बिज ग्रुप ने एक छोटी सी संगोष्ठी भवरताल गार्डन में दोपहर 3 बजे रखी गई। जिसमें सभी सदस्यों ने हरियाली का प्रतीक हरेरंग की साड़ी में इस कार्यक्रम को चार चाँद लगा दिया। इसके बाद सभी सदस्यों ने मिलकर बेल का पेड़ रोपा और इसके साथ ही सदस्यों को एक एक आम, नीम, आंवला,बिही, और अन्य प्रकार के पेड़ लगाने को दिया गया। इस इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष श्रीमती सीमा शर्मा ने कहा कि पेड़ लगाना आसान है परंतु उसे जीवित रखना कठिन है। इसलिए हमें आज ये प्रण करना होगा कि हम इसे लगाने के साथ इसकी सेवा भी करेंगे।

मानव अधिकार आयोग ने जनहित के तीन मामलों में संज्ञान लेकर मांगा प्रतिवेदन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल ने जबलपुर के जनहित के तीन मामलो में स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया की मीडिया रिपोर्ट के आधार पर अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह द्वारा प्रकरण पर सुनवाई करते हुये संबधितो से मामलो पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तलब किया है।

स्कूल परिसर में रखवा दिया ट्रांसफॉर्मर

जिले की तहसील पाटन के ग्राम कंतोरा के स्कूल परिसर में विद्युत मंडल द्वारा ट्रांसफार्मर रखवाने का मामला सामने आया है। ट्रांसफॉर्मर से निकले तार स्कूल परिसर में फैले हुये है। इस कारण स्कूली छात्र-छात्राओं के करंट की चपेट में आने का खतरा बना हुआ है। आयोग ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर के एम. डी. से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

ननि में शामिल होने के बाद भी कई गाँवों में मूलभूत सुविधा नहीं

शहर से लगे कई गावं में मूलभूत सुविधाओं नहीं होने का मामला सामने आया है। कई गांव वर्षों पहले नगर निगम सीमा में शामिल हो गये है, लेकिन इसके बावजूद भी ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं जैसे पक्की सड़क, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा व अन्य विकास कार्य नहीं हो पाये है। इस कारण ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है और उन्हें कई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आयोग ने जबलपुर के नगर निगम आयुक्त से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक सप्ताह में तलब है।

डॉक्टरों के समय पर नहीं आने से इंतजार में खड़े रहते हैं मरीज

शासकीय जिला अस्पताल विक्टोरिया में पदस्थ अधिकांश डॉक्टरों के तय समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने का मामला सामने आया है। इस कारण मरीजों को डॉक्टरों के चेंबरों के बाहर लंबी कतार लगाकर उनका घंटो इंतजार करना पड़ता है। इस बीच उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही कई डॉक्टरों के नहीं आने के कारण कई मरीज बिना इलाज के ही वापस लौट जाते है। आयोग ने जबलपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मामले की जांच कराकर, की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में तलब किया है।

राष्ट्र को एकीकृत करने की भूमिका निभाती है संस्कृत

देवभाषा संस्कृत, संस्कार की भाषा होने के साथ साथ भारत जैसे विविधताओं से भरे राष्ट्र को एकीकृत करने की भूमिका भी निभाती है। आपको बता दें कि संस्कृत भाषा विश्व की सबसे प्राचीन, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक मानी जाती है। इसे भारतीय संस्कृति, ज्ञान, दर्शन, धर्म और साहित्य की आधारभूत भाषा कहा जाता है। संस्कृत भारत की एक प्राचीन और शास्त्रीय भाषा है, जिसमें विश्व का पहला ग्रंथ ऋग्वेद संकलित किया गया था। विभिन्न विद्वानों के अनुसार वेदों का काल 6500 ईसा पूर्व से 1500 ईसा पूर्व के बीच है।

संस्कृत शब्द का अर्थ है शुद्ध भाषा

भारतीय परंपरा के अनुसार संस्कृत को देववाणी कहा जाता है, अर्थात् यह देवताओं की भाषा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ब्रह्मा ने इस भाषा का ज्ञान ऋषियों को प्रदान किया, जिन्होंने इसे आगे मानव समाज तक पहुँचाया। दूसरी ओर, आधुनिक भाषाविज्ञान के अनुसार संस्कृत भारोपीय (इंडो-यूरोपीय) भाषा परिवार की इंडो-आर्य शाखा की प्रमुख भाषा है। विद्वानों का मानना है कि इसका विकास वैदिक काल में हुआ और समय के साथ यह अधिक परिष्कृत रूप में विकसित हुई।

चारों वेदों की रचनाओं में उपयोग हुई संस्कृत भाषा

संस्कृत का सबसे प्राचीन रूप वैदिक संस्कृत है, जिसका प्रयोग चारों वेद, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की रचना में हुआ। इनमें ऋग्वेद को विश्व के सबसे प्राचीन ग्रंथों में गिना जाता है। वैदिक संस्कृत में उच्चारण, शब्दावली और व्याकरण की कुछ विशेषताएँ थीं, जो बाद की संस्कृत से भिन्न थीं। समय के साथ भाषा में परिवर्तन हुआ और लौकिक (शास्त्रीय) संस्कृत का विकास हुआ।

अनेक देशों की भाषाओं में संस्कृत का प्रभाव

संस्कृत केवल धार्मिक भाषा ही नहीं रही, बल्कि यह ज्ञान-विज्ञान, गणित, आयुर्वेद, खगोलशास्त्र, राजनीति, नाटक, काव्य और दर्शन की भी प्रमुख भाषा थी। कालिदास, भास, भवभूति, बाणभट्ट और दंडी जैसे महान साहित्यकारों ने संस्कृत में उत्कृष्ट रचनाएँ कीं। कालिदास के अभिज्ञानशाकुंतल, मेघदूत और रघुवंश जैसे ग्रंथ विश्व साहित्य की अमूल्य धरोहर हैं। संस्कृत का प्रभाव भारत की लगभग सभी प्रमुख भाषाओं, जैसे हिंदी, मराठी, बंगाली, गुजराती, ओड़िया, नेपाली, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

संयोगिता पांडे, शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी देवताल, जबलपुर

आने वाली पीढ़ियां तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक

वर्तमान समय में संस्कृत का दैनिक बोलचाल में प्रयोग सीमित है, लेकिन इसका महत्व आज भी बना हुआ है। भारत के अनेक विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में संस्कृत का अध्ययन और अनुसंधान किया जाता है। अनेक लोग इसे बोलचाल की भाषा के रूप में पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। संस्कृत में उपलब्ध प्राचीन ग्रंथ आज भी ज्ञान और प्रेरणा के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। अंततः कहा जा सकता है कि संस्कृत भाषा केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत का आधार है। इसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा, वैज्ञानिक व्याकरण और व्यापक ज्ञान-संपदा इसे विश्व की महानतम भाषाओं में स्थान दिलाती है। संस्कृत का संरक्षण और संवर्धन हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

संस्कृत साहित्यः भारतीय सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान-विज्ञान की अमूल्य धरोहर

संस्कृत साहित्य विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध साहित्यिक परंपराओं में से एक है। यह केवल धार्मिक ग्रंथों का संग्रह नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति, दर्शन, विज्ञान, कला और जीवन मूल्यों का विशाल ज्ञानकोष है। हजारों वर्षों से संस्कृत साहित्य ने मानव जीवन

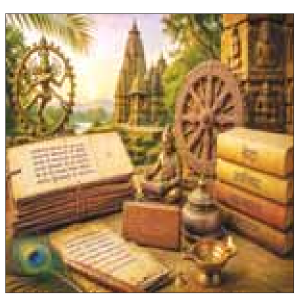

को सत्य, ज्ञान, नैतिकता और आध्यात्मिक चेतना का मार्ग दिखाया है। आज भी इसकी उपयोगिता और प्रासंगिकता पहले की तरह बनी हुई है। भारतीय संस्कृति की जड़ें संस्कृत साहित्य में निहित हैं। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, भगवद्गीता, पुराण और अनेक स्मृति ग्रंथ भारतीय समाज की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान को सुदृढ़ करते हैं। इन ग्रंथों में मानव जीवन के आदर्श, कर्तव्य, परिवार, समाज, प्रकृति और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का विस्तृत वर्णन मिलता है। यही कारण है कि संस्कृत साहित्य को भारतीय संस्कृति की आत्मा कहा जाता है। संस्कृत साहित्य की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता है। महाकाव्य, नाटक, खंडकाव्य, नीति साहित्य, गीतिकाव्य, कथा, गद्य और काव्यशास्त्र जैसी अनेक विधाओं का विकास संस्कृत में हुआ। इसकी भाषा अत्यंत परिष्कृत, व्याकरणसम्मत और सौंदर्यपूर्ण है।

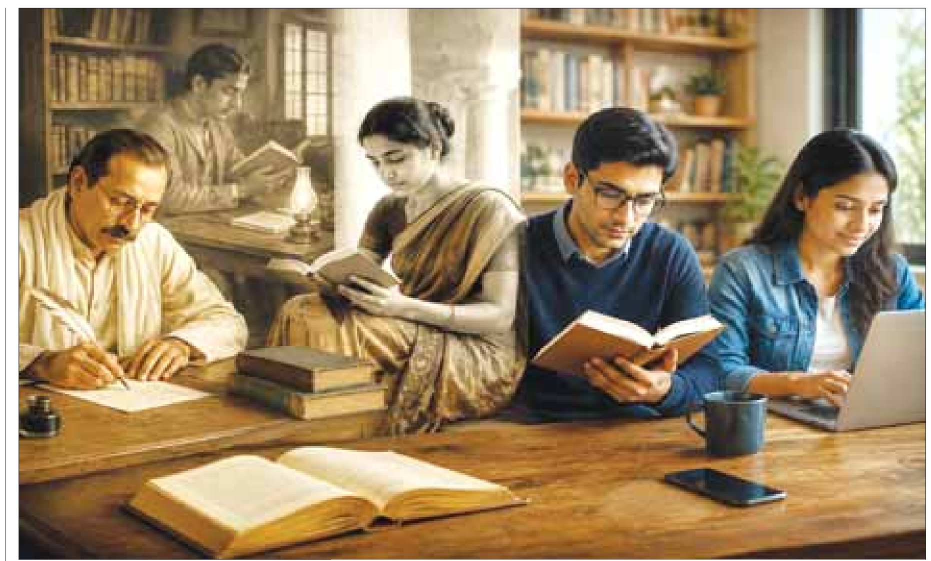

समय के साथ बदला हिंदी उपन्यास

समाज, तकनीक और नए विचारों का जीवंत दस्तावेज

"हिंदी उपन्यास केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति, इतिहास और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त दर्पण है। समय के साथ समाज, जीवनशैली और विचारों में आए बदलावों का प्रभाव हिंदी उपन्यासों पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। प्रारंभिक उपन्यास जहाँ सामाजिक कुरीतियों, ग्रामीण जीवन और स्वतंत्रता चेतना पर केंद्रित थे, वहीं आज के उपन्यास वैश्वीकरण, तकनीक, शहरी जीवन, स्त्री विमर्श, पर्यावरण, युवा मनोविज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे समकालीन विषयों को भी प्रमुखता से प्रस्तुत कर रहे हैं।"

प्रारंभिक हिंदी उपन्यासों की विशेषताएँ

हिंदी उपन्यास की शुरुआत सामाजिक जागरण और जनचेतना के उद्देश्य से हुई। आरंभिक रचनाओं में समाज सुधार, शिक्षा, जातिगत भेदभाव, गरीबी, किसानों की समस्याएँ और राष्ट्रीय चेतना जैसे विषय प्रमुख थे। इन उपन्यासों ने पाठकों को केवल कहानी नहीं, बल्कि समाज को समझने की नई दृष्टि भी प्रदान की।

आधुनिक दौर में बदलते विषय

आज का हिंदी उपन्यास पहले की तुलना में अधिक व्यापक और बहुआयामी हो गया है। आधुनिक लेखक बदलती सामाजिक परिस्थितियों के साथ नए विषयों को अपनी रचनाओं में स्थान दे रहे हैं। महानगरीय जीवन, पारिवारिक संबंधों में बदलाव, मानसिक तनाव, प्रवासी जीवन, डिजिटल संस्कृति, सोशल मीडिया, लैंगिक समानता, पर्यावरण संकट और युवाओं की आकांक्षाएँ समकालीन उपन्यासों के महत्वपूर्ण विषय बन चुके हैं।

भाषा और शैली में परिवर्तन

समय के साथ हिंदी उपन्यास की भाषा भी अधिक सहज, सरल और संवादात्मक हुई है। आज के लेखक बोलचाल की भाषा, स्थानीय शब्दों और आधुनिक अभिव्यक्तियों का प्रभावी उपयोग करते हैं। इससे उपन्यास युवा पाठकों के लिए अधिक रोचक और सहज बन गए हैं।

तकनीक और डिजिटल युग का प्रभाव

डिजिटल क्रांति ने हिंदी उपन्यास की दुनिया को भी प्रभावित किया है। ई-बुक, ऑडियोबुक और ऑनलाइन प्रकाशन के माध्यम से लेखक सीधे पाठकों तक पहुँच रहे हैं। सोशल मीडिया के कारण नए लेखकों को अपनी रचनाएँ साझा करने का मंच मिला है और पाठकों की रुचि के अनुसार विषयों में विविधता आई है।

Every Drop Counts

A silver bead upon the grass,
More precious than a pane of glass.
It holds the sky within its frame,
And gives each tiny flower a name.
From high above the mountain peak,
It finds the valleys, low and meek.
Gathering strength with every friend,
Until the broken rivers mend.
But careless hands can throw away
The blessing of a rainy day.
A leaking pipe, an open stream,
Can wash away tomorrow's dream.
The desert whispers to the wind
Of all the wealth we left behind.
For gold can never quench the throat,
Nor keep a sinking world afloat.
The concrete cities spread their floor
And close the soil's inviting door.
The clouds pass by with heavy sighs
To see the muddy wetlands dry.
Yet hope remains within our hands
To heal the fever of the land.
Catch the rain and guard the well,
Let every saving action tell.
A bucket saved, a valve turned tight,
Can turn the darkness into light.
For in the balance of accounts,
One truth remains—Every Drop Counts.

Vansh Kanojiya
Class 5th
Adarsh Hitkarini Children Academy,
Govindganj, Jabalpur

धर्मवीर भारतीः आधुनिक हिंदी साहित्य और पत्रकारिता के युगप्रवर्तक साहित्यकार

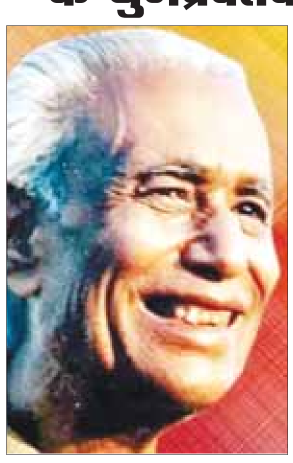

हिंदी साहित्य के आधुनिक दौर में जिन साहित्यकारों ने अपनी लेखनी से पाठकों के मन पर अमिट छाप छोड़ी, उनमें धर्मवीर भारती का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। वे केवल एक श्रेष्ठ उपन्यासकार, कवि, नाटककार, निबंधकार और पत्रकार ही नहीं थे, बल्कि आधुनिक हिंदी साहित्य को नई दिशा देने वाले सृजनशील व्यक्तित्व भी थे। उनकी रचनाओं में प्रेम, मानवीय संवेदना, नैतिक द्वंद्व, सामाजिक यथार्थ और राष्ट्रीय चेतना का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है।

प्रारंभिक जीवन

जन्म 25 दिसंबर 1926 को प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश में हुआ। बचपन से ही वे अध्ययनशील, संवेदनशील और साहित्य के प्रति रुचि रखने वाले विद्यार्थी थे। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा इलाहाबाद में प्राप्त की तथा आगे चलकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में स्नातकोत्तर (एम.ए.) किया। बाद में उन्होंने शोधकार्य (पीएच.डी.) भी पूरा किया।

पत्रकारिता में योगदान

धर्मवीर भारती ने साहित्य के साथ-साथ पत्रकारिता में भी अमूल्य योगदान दिया। वे लंबे समय तक प्रसिद्ध साप्ताहिक पत्रिका धर्मयुग के प्रधान संपादक रहे। उनके संपादन में धर्मयुग हिंदी की सबसे लोकप्रिय साहित्यिक और सांस्कृतिक पत्रिकाओं में शामिल हो गई।उन्होंने अनेक नए लेखकों, कवियों और पत्रकारों को मंच प्रदान किया तथा हिंदी पत्रकारिता को साहित्यिक गरिमा और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ा।

शब्द पहेली - 8938

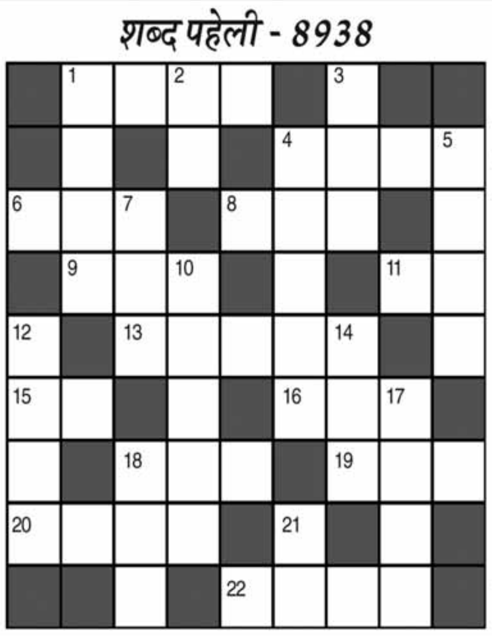

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8937 का हल

त	फ	री	ह	■	क	ल	र	व
क	■	छ	ल	क	प	ट	■	र
ग	ख	■	■	म	■	■	बं	दा
र	त	■	प	ल	क	■	दा	न
■	र	स	ना	■	मा	ख	न	■
त	ना	■	ह	म	ल	■	वा	स
ल	क	■	■	ग	■	■	ज	ल
घ	■	म	न	र	ख	ना	■	वा
र	म	जा	न	■	त	क	दी	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

घर में सो रही महिला को बाघ उठा ले गया, दर्दनाक मौत

बालाघाट के पर्रापुर बैगाटोला में दहशत, ग्रामीणों ने बाघ को पकड़ने की उठाई मांग

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन से लगे बैहर क्षेत्र के ग्राम पर्रापुर बैगाटोला में रविवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। घर में परिवार के साथ सो रही 45 वर्षीय महिला को बाघ ने घर के भीतर घुसकर अपना शिकार बना लिया। गंभीर रूप से घायल महिला को परिजन रात में ही अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघ को तत्काल पकड़ने की मांग की है।जानकारी के अनुसार, ग्राम पर्रापुर बैगाटोला निवासी सुगनी बाई धुर्वे (45 वर्ष), पति बुधराम धुर्वे शनिवार रात भोजन करने के बाद अपने परिवार के साथ घर में सो रही थीं। रात करीब डेढ़ बजे जंगल से भटककर एक बाघ उनके घर में घुस आया। बताया जा रहा है कि घर में दरवाजा नहीं लगा था, जिसका फायदा उठाकर बाघ अंदर पहुंच गया। सोते समय ही उसने सुगनी बाई पर हमला कर दिया और उन्हें मुंह में दबाकर घर से बाहर ले जाने लगा।

रात में आया था और ले गया...

परिजन महिला दसौंधी ने बताया कि मेरे जेठ जेठानी सोये हुए थे, तभी रात 1 बजे क़रीब शेर घर में आया और जेठानी को उठा ले गया, घर पर सभी सोए हुए थे। अचानक हुए हमले से परिवार के लोग घबरा कर जाग गए। उन्होंने शोर मचाया, टॉर्च जलाकर बाघ का पीछा किया और आसपास के ग्रामीणों को भी आवाज लगाई। बताया जाता है कि घर से कुछ दूरी पर दलदली क्षेत्र में बाघ फंस गया। लोगों की चीख-पुकार और बढ़ती हलचल से घबराकर उसने महिला को वहीं छोड़ दिया और जंगल की ओर भाग गया।

रास्ते में महिला ने तोड़ा दम...

परिजन गंभीर रूप से घायल सुगनी बाई को तत्काल बैहर के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बीएमओ डॉ. अनंत लिल्हारे ने बताया कि बाघ ने महिला के सिर पर बेहद गंभीर हमला किया था। सिर पूरी तरह क्षत-विक्षत हो जाने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

फारेंस्ट ने दी तत्काल सहायता राशि...

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान गांव में भारी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने तत्काल आर्थिक सहायता की मांग करते हुए शव को एंबुलेंस से उतारने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि परिवार को तुरंत 50 हजार रुपये की राहत राशि दी जाए। वन विभाग ने तत्काल 5 हजार रुपये की सहायता प्रदान की और मृतका के एक पुत्र को नौकरी दिलाने के लिए प्रयास करने तथा शासन के नियमानुसार 8 लाख रुपये मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण शांत हुए और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया आगे बढ़ सकी।

बाघ को पकड़ने की ग्रामीणों की मांग...

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले लगभग एक महीने से बाघ गांव के आसपास लगातार दिखाई दे रहा है। इस दौरान वह कई मवेशियों को अपना शिकार बना चुका है, लेकिन वन विभाग द्वारा उसे पकड़ने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। अब इंसानी जान जाने के बाद गांव में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने मांग की है कि गांव के आसपास तत्काल पिंजरा लगाया जाए और बाघ को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए। वन विभाग ने ग्रामीणों से रात के समय विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि रात में घरों के दरवाजे बंद रखें, बच्चों और बुजुर्गों को अकेला न छोड़ें तथा जंगल की ओर जाने से बचें। साथ ही प्रभावित क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है।

क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी हैं...

बफर जोन के एसडीओ सुनील पंद्रे ने बताया कि बाघ ने मकान में घुसकर महिला पर हमला किया था और उसे बाहर ले जाने का प्रयास किया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ महिला को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने कहा कि मृतका के परिजनों को शासन के नियमानुसार मुआवजा दिलाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

खिड़कीघाट में दो ट्रक पलटे

बाल-बाल बचे चालक और परिचालक, आवागमन हुआ प्रभावित

कटंगी(स्वतंत्र मत)। कटंगी-सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित खिड़कीघाट' रविवार को दो बड़े हादसों का गवाह बना। यहां अलग-अलग कारणों से दो ट्रक पलट गए। गनीमत रही कि दोनों हादसों में चालक और परिचालक को गंभीर चोटें नहीं आई और वह बाल-बाल बच गए। हालांकि सड़क पर ट्रक पलटने से करीब 4 घंटे तक आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोपहर से पहले खिड़कीघाट की घुमावदार ढलान पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई की तरफ पलट गया। ट्रक में धान भरा हुआ था। तेज ढलान और मोड़ के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हादसे के बाद आसपास के लोग और अन्य वाहन चालक मौके पर पहुंचे। ट्रक चालक-परिचालक को मामूली चोटें आई और उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। पहले हादसे के कुछ देर बाद ही दोपहर करीब 01 बजे दूसरा हादसा हो गया। ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीडी 9926 छिंदवाड़ा से टाइल्स लेकर बालाघाट की ओर जा रहा था। जैसे ही ट्रक खिड़कीघाट पहुंचा, अचानक उसका टायर फट गया। संतुलन बिगड़ने से ट्रक बीच सड़क पर ही पलट गया।

ट्रक में सवार चालक इमरान पिता जाबिद खान, उम्र 35 वर्ष और परिचालक राजकुमार पिता कांताप्रसाद चंद्रवंशी उम्र 27 वर्ष, दोनों निवासी छिंदवाड़ा, केबिन में फंस गए। हादसा देखकर राहगीरों ने तुरंत मदद की और दोनों को बाहर निकाला। इसके बाद डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कटंगी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। आरक्षक नितेश बघेल, पायलेट अजय गिरी और रूचिन राहंगडाले ने घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी में भर्ती करवाया।

अस्पताल के अनुसार दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। सड़क के बीच ट्रक पलट जाने और खाई में गिरे ट्रक के कारण कटंगी-सिवनी मार्ग पर बड़े वाहनों को आवागमन में कठिनाईयों को सामना करना पड़ा। शाम करीब 05 बजे यातायात सामान्य हो सका। बता दें कि खिड़कीघाट में आए दिन इस तरह के हादसे होते रहते हैं। घुमावदार मोड़, तेज ढलान, सड़क के किनारे सुरक्षा दीवार के क्षतिग्रस्त होने और ओवरलोड वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बड़ रही है। बारिश के मौसम में सड़क फिसलन भरी हो जाती है, जिससे हादसों का खतरा और बड़ जाता है। खिड़कीघाट में फ्लाई ओवर बनाने की मांग काफी लंबे समय से की जा रही हैं कुछ साल पहले इसकी स्वीकृति होने की चर्चा भी खूब चली किंतु अब मामला फिर ठंडे बस्ते में चले गया है। फिलहाल दोनों घायल चालकों का इलाज जारी है और यातायात सामान्य रूप से चल रहा है। लेकिन खिड़कीघाट की खतरनाक स्थिति को लेकर लोगों में नाराजगी बनी हुई है।

एसडीएम बांधवगढ़ ने किया चंदिया बेसहनी मूंग खरीदी केंद्र का निरीक्षण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह ने चंदिया स्थित बेसहनी केंद्र में संचालित मूंग खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर चल रही खरीदी प्रक्रिया, किसानों से संबंधित व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध अभिलेखों का जायजा लिया। एसडीएम ने खरीदी से संबंधित रिपोर्ट एवं अभिलेखों का सत्यापन करते हुए दर्ज आंकड़ों की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों एवं केंद्र प्रभारियों से खरीदी प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की गई। इस दौरान बताया गया कि अब तक कुल 1372 क्विंटल मूंग की खरीदी दर्ज की गई है। एसडीएम ने खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं एवं रिकॉर्ड संधारण का भी अवलोकन किया गया।

ससुराल आए दामाद की कुएं में कूदने से मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र से एक दर्दनाक मामला सामने आया है। ससुराल आए एक दामाद की कुएं में कूदने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, 40 वर्षीय अमित हटिले निवासी ग्राम सिवनीकला पिछले करीब 10 वर्षों से रायपुर में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहकर जूता-चप्पल बनाने का काम करता था। उसकी पत्नी आशा हटिले पिछले एक सप्ताह से अपने मायके ग्राम दत्ता में रह रही थी। शनिवार को अमित पत्नी और बच्चों को लेने ससुराल पहुंचा था। दिनभर परिवार के साथ रहने के बाद रात करीब 8 बजे अमित ने गुटखा लेने जाने की बात कही और घर से निकल गया। कुछ देर बाद गांव के एक व्यक्ति ने परिजनों को सूचना दी कि अमित गांव के एक कुएं की मुंडेर पर बैठा था और अचानक कुएं में गिर गया। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। डायल-112 और किरनापुर पुलिस भी घटनास्थल पहुंची। ग्रामीणों की सहायता से अमित को कुएं से बाहर निकालकर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मृतक की पत्नी ने पुलिस को दिए बयान में किसी पर भी संदेह व्यक्त नहीं किया है। थाना किरनापुर में धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस घटना के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि अमित ने आत्महत्या की या यह हादसा था। पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच में जुटी है, ताकि मौत की वास्तविक वजह सामने आ सके।

कथित प्रताड़ना से आहत होकर 40 वर्षीय युवक ने लगाई फांसी

पत्नी ने पड़ोसी दुकानकार और पुलिस पर लगाया गंभीर आरोप

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

कथित प्रताड़ना से परेशान होकर एक 40 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना कटंगी थाना मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 03 की है। मृतक की पहचान केशव निर्मलकर के रूप में हुई है। मिली जानकारी अनुसार यह घटना 1 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे से साड़े 4 बजे के बीच हुई। केशव की पत्नी वंदना निर्मलकर ने शाम करीब साड़े 4 बजे घर पहुंचने पर पति को फांसी के फंदे पर लटका देखा। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई। केशव निर्मलकर मूलत नागपुर के निवासी थे। करीब 9 वर्षों से वे कटंगी में स्वतंत्र राहंगडाले के घर में किराए पर अपनी पत्नी वंदना और एक पुत्री के साथ जीवन यापन कर रहे थे। वंदना ने बताया कि कटंगी आने के बाद केशव ने सबसे पहले कपड़े-स्त्री का काम शुरू किया था। लेकिन बड़ती महंगाई और स्वास्थ्य संबंधी खर्चों के कारण आमदनी कम पड़ने लगी। इसके बाद उन्होंने सांदीपनि स्कूल के पास गुपचुप का ठेला लगाना शुरू किया। कुछ दिन पहले स्कूल प्रबंधन ने ठेला हटाने के लिए कहा। इसके बाद केशव ने अपनी स्त्री की दुकान के पास ही गुपचुप का ठेला लगा लिया। इसी बात को लेकर भगत भैया उर्फ महेश भगत से उनका विवाद शुरू हो गया। वंदना का आरोप है कि बीते 20 दिनों से महेश भगत आए दिन केशव से विवाद करते थे और ठेला न लगाने का दबाव बनाते थे।

वंदना के अनुसार शनिवार 1 अगस्त की सुबह 9 बजे भी इसी बात को लेकर विवाद हुआ। परेशान होकर वंदना ने कानून का सहारा लेते हुए डायल 112' पर कॉल किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। वंदना का गंभीर आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारी ने विवाद सुलझाने के बजाय उनके पति केशव को ही डांट-फटकार लगाई। साथ ही महेश भगत से कहा कि वे केशव को वहां ठेला न लगाने दें। वंदना का कहना है कि पुलिस और भगत की फटकार से केशव मानसिक रूप से टूट गए थे। इसी आघात के चलते उन्होंने दोपहर में घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वंदना ने प्रशासन से न्याय की मांग की है। उनका कहना है कि उनके पति को बेवजह प्रताड़ित किया गया। यदि समय रहते पुलिस उचित कार्रवाई करती तो यह घटना नहीं होती। उन्होंने दोषियों पर कार्रवाई और परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है। रविवार सुबह 11 बजे शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस कर्मचारी पर लग रहे आरोप को लेकर थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

भटेरा में अवैध रेत परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने रविवार सुबह संयुक्त छापामार कार्रवाई की। जिला खनिज शाखा, तहसील बालाघाट, लामता एवं लालबर्रा के खनिज अमले ने पुलिस बल के साथ मिलकर यह कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान तहसील बालाघाट के ग्राम भटेरा से अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं। सभी वाहनों को जब्त कर सुरक्षा की दृष्टि से कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा), बालाघाट परिसर में रखा गया है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि वाहन चालकों ने पूछताछ में बताया कि रेत ग्राम भटेरा से भरकर विक्रय के उद्देश्य से लाई जा रही थी। मामले में संबंधित वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध आगे भी लगातार संयुक्त अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे क्रॉसिंग पर टैंकर से टकराई तेज रफ्तार कार

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-43 स्थित अमहा रेलवे क्रॉसिंग पर शनिवार को एक सड़क हादसा घटित होने का समाचार प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि रेलवे फाटक पर खड़े एक पेट्रोल टैंकर में पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार टकरा गई। घटना में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन गुजरने के कारण अमहा रेलवे क्रॉसिंग पर फाटक बंद था, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। पाली की ओर जा रहा पेट्रोल से भरा एक टैंकर भी फाटक खुलने का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही कार (पंजीयन क्रमांक एमपी 21 जेडबी 1229) के चालक का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे टैंकर के पिछले हिस्से में जा घुसी।बोनट और बंपर क्षतिग्रस्त: टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का बोनट, बंपर और अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत कार के पास पहुंचकर उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

कलेक्टर के कड़े निर्देशों पर भी पीएमजीएसवाई सड़कों का नहीं हो रहा सुधार..!

मानपुर (स्वतंत्रमत) - यातायात सुविधा को सशक्त बनाने के लिये सड़क एवं पुलों को सुदृढ़ बनाने के लिये हाल ही के बैठक में उमरिया कलेक्टर द्वारा शक्त निर्देश दिये गये हैं जिसके बाद भी पिछले वर्ष से गड्ढों में तब्दील एवं नष्ट हुये सड़कों की मरम्त अथवा पुनर निर्माण न करवाना कलेक्टर के निर्देश में अनसुनी और क्षेत्रीय विकास कार्य से दूरियां बना रहा है रीएमजीएसवाई विभाग।

पटेहरा से सिगुड़ी, कुठुलिया से सिगुड़ी, सिगुड़ी से सिगुड़ी मोड़, बल्हौंड़ टिकुरीटोला, ताला से रंछा जैसे मानपुर ब्लॉक में प्रधानमंत्री सड़क योजना के कई सड़क उखड़ गये हैं तो कई दब कर फट गये हैं अथवा गड्ढों में बदल गये हैं जिस से यातायात आवागवन में बड़े समस्या के कारण बन रहे हैं। जिन सड़कें के सुधार करवाने अथवा पुनह निर्माण कार्य करवाने के लिये ग्रामीणों द्वारा पिछले वर्षों से मांग जारी है, जिस की जानकारी विभाग को पहले से है, जिसके बाद भी विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का सुधार नहीं करवाया जा रहा है।

सूत्रों की माने तो कईवार जन सुनवाई अथवा जन समस्या निवारण सिविर में ग्रामीणो द्वारा मांग पत्र देने पर सड़कों में यदा कदा कभी कभार वह भी घटिया तौर पर परमल्टी के लिये पैच का काम करवा कर मोटे बिल भुक्तान करवा लिया जाता है, जो पैच के कार्य हप्ते के अंदर उखड़ जाता हैं और सड़कों की स्थिति पहले जैसे बत्तर हे जाती है।

जहां ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों के सांठ गांठ से घटिया निर्माण कार्यों के मनमानी बिल भुक्तान करवाकर सरकार के खजाने का बंदरबाट कर लिया जाता है, वहीं ग्रामीणों की सुने तो पैसा किसी को काटता नहीं बल्की भृष्टाचारी और मिलीभगत वाले ताकत के हौसले को बुलंद करता है तभी तो वर्तमान में सरकार के मोटे बजट से निर्मित होने वाले सड़क, पुल, भवन, बांधों का उम्र पांच वर्ष तो दूर दो तीन साल में ही नष्ट होने लगता है, जो प्रदेश स्तरीय टीम द्वारा निस्पक्ष जांच का विषय बना हुआ है।

स्टेडियम ने नशा मुक्ति अभियान के तहत दिलाई गई शपथ

उमरिया (स्वतंत्रमत) - मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग एवं म.प्र. पुलिस के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान के तहत ष्नशे से दूरी है जरूरी 2.0ष् का आयोजन कलेक्टर जिला उमरिया श्रीमती राखी सहाय के कुशल मार्गदर्शन व पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी आलोक कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में, पुलिस अधीक्षक पी.टी.एस श्रीमती स्वाति मुराद वाडेकर के मुख्य आतिथ्य में सोमवार 1 अगस्त को स्थानीय नगर पालिका स्टेडियम उमरिया में नगर के सभी खेलों के 150 खिलाडियों एवं पी.टी.एस के 360 नव आरक्षकों की उपस्थिति में कुल 500 लोगों की उपस्थिति मानव श्रृंखला बना कर शपथ दिलाई गई की हम स्वयं एवं अपने आसपास किसी को भी नशा न करने नशे के दुष्परिणाम के बारे में बताया एवं उन्हें नशे से दूर रहने प्रोत्साहित किया गया। इस नशा मुक्ति अभियान में मुकेश झारिया, मदन लाल मरावी थाना प्रभारी उमरिया, आकाश बर्मन, शिवप्रताप पाल, हिमांशु यादव, चरण सिंह वरकड़े उपस्थित रहे।

झपटमारी-चोरी के आरोपी 'बंटी और बबली' गिरफ्तार

1.44 लाख के जेवर, बाइक, मोबाइल बरामद; उमरिया में अन्य वारदात भी कबूली

उमरिया (स्वतंत्रमत)। उमरिया पुलिस ने झपटमारी और चोरी के एक मामले में महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से सोने-चांदी के आभूषण, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन सहित लगभग 1 लाख 44 हजार रुपये का चोरी का सामान बरामद किया है। पूछताछ में आरोपियों ने थाना इंदवार क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं को भी कबूल किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 16 जुलाई 2026 को फरियादी रावेन्द्र सिंह निवासी बिजौरा की

शिकायत पर थाना कोतवाली उमरिया में दर्ज प्रकरण के बाद शुरू हुई। पुलिस ने मामले की विवेचना प्रारंभ की थी। जांच के दौरान, पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया, आसपास से साक्ष्य एकत्र किए और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर की सूचना और संदेह के आधार पर पुलिस ने एक महिला और एक पुरुष को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों ने झपटमारी स्वीकार कर ली। उन्होंने थाना इंदवार क्षेत्र में हुई अन्य चोरी की घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता कबूल की। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी के सोने-चांदी के जेवरात, एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत करीब 1.44 लाख रुपए है। गिरफ्तार आरोपियों में 30 वर्षीय ललन सिंह गौंड, निवासी बड़वाही, थाना मानपुर, जिला उमरिया, और 22 वर्षीय निशा रजक, निवासी ग्राम बालोद, थाना पुरू, जिला बालोद (छत्तीसगढ़) शामिल हैं। निशा वर्तमान में ग्राम बड़वाही थाना मानपुर मे रह रही थी।

डॉ. मुकुल तिवारी को मिली पदोन्नति

उमरिया (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने चिकित्सा अधिकारियों की पदोन्नति संबंधी आदेश जारी किए हैं। 31 जुलाई 2026 को जारी इस आदेश में जिला अस्पताल उमरिया में पदस्थ डॉ. मुकुल तिवारी का चयन पैथोलॉजी विशेषज्ञ (प्रथम श्रेणी) के पद के लिए किया गया है। चयन समिति की 16 जुलाई 2026 को आयोजित बैठक में उन्हें पदोन्नति के लिए उपयुक्त पाया गया। जारी आदेश के अनुसार डॉ. मुकुल तिवारी का नाम वरिष्ठता सूची में क्रमांक 1565 पर दर्ज है। वर्तमान में वे जिला अस्पताल उमरिया में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पदोन्नति के साथ उन्हें प्रथम श्रेणी विशेषज्ञ के रूप में नई जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पदस्थापना संबंधी पृथक आदेश अलग से जारी किए जाएंगे। डॉ. मुकुल तिवारी की पदोन्नति को उनके पेशेवर अनुभव, सेवाभाव और कार्यकुशलता का सम्मान माना जा रहा है। इससे न केवल उनके करियर को नई दिशा मिलेगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

भ्रष्टाचार की बेला में पलने वाले ठेकेदारों ने साहब से कहा- आप चिंता मत करो हम बैठे हैं...बड़ी से बड़ी जांचों को मिनटों में गायब कराया है

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले के स्कूल छात्रावासो में बाउंड्री बॉल निर्माण को लेकर लगाए गए टेंडर में भारी घपलेबाजी अनियमिताएं और सरकारी धन की होली खेलने की पूरी तैयारी चल रही है। जैसे भी जुगाड़ कर इन टेंडरों को हथियाने की तैयारी की जा चुकी है घटिया कामों के लिए जगजाहिर सहायक आयुक्त कार्यालय के छात्रावास और स्कूलों में अब करोड़ रूपए की बाउंड्री बॉल बनाई जाएगी। जितनी लागत में दूसरे विभाग एक नया आधुनिक भवन बना देते हैं उतनी लागत से बाउंड्रीबॉल का निर्माण किया जाएगा। स्वतंत्र मत को मिले साक्ष्यों के बाद अब कागजी खानापूर्ति करने में सहायक आयुक्त और उनका अमला व चहेते ठेकेदार जी-जान से जुट गए हैं अब बेक डेट में टीएस कराने को लेकर अधिकारियों के हाथ पैर जोड़े जा रहे हैं। सभी बाउंड्री बॉल का निर्माण एक करोड़ से अधिक लागत के होने के कारण इनका टीएस आरईएस विभाग के कार्यपालन यंत्री द्वारा किया जाता है सूत्रों के अनुसार अधिकारी और एक ठेकेदार दो दिनों से आरईएस विभाग के कार्यपालन यंत्री से सम्पर्क जुटा रहे थे। लेकिन यहां पदस्थ एक महिला कार्यपालन यंत्री ने सीधे तौर पर मना कर दिया। अब क्रमांक-02 में पदस्थ कार्यपालन यंत्री से सैटिंग जमाने की चर्चा चल रही है।

मामला काफी गंभीर है बिना एएस कराए टीएम कैसे कराया जा रहा है यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है। बता दें कि सहायक आयुक्त कार्यालय में भले ही कुर्सी में बैठे अधिकारी बदले गए हों लेकिन व्यवस्था नही बदल पाई है। यहां आने वाले अधिकारी पद स्थापना से ही सरकारी धन की होली खेलना चालू कर देते हैं। जिसके लिए नए-नए पैतरे अपनाए जाते हैं। ऐसा ही एक मामला निर्माण शाखा का सामने आया है। हाल ही में जिले स्कूल छात्रावासों में बांउड्री बॉल का निर्माण किए जाने को लेकर टेंडर द्वारा लगाए गए थे अप्रैल माह में लगे टेंडरो के एग्रीमेंट भी किए जा रहे है लगभग 14 करोड़ की लागत से जिले भर के अनेक स्कूल और छात्रावासों में बाउंड्रीबॉल का निर्माण किया जाना है। इस टेंडर में चिन्हित ठेकेदारों से मिलकर सहायक आयुक्त अरूण कुमार शुक्ला और इंजीनियर आशीष तिवारी की मिलीभगत से कमाल कर दिया गया। पहले टेक्नीकल विट खोली गई फिर फायनेंस विट खोली गई और कलेक्टर को गुमराह करते हुए अनुमोदन स्वीकृति ले ली गई जबकि नियम के अनुसार भोपाल में कार्यपालन यंत्री से नोटसीट अनुशंसा लेने के बाद कलेक्टर से अनुमोदन स्वीकृति करानी थी लेकिन जबावदार अधिकारियों ने न तो भोपाल फाईल भेजी और न ही अनुशंसा कराई। वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह कर खेल कर दिया गया और चहेते ठेकेदारों को बाउंड्री बॉल का काम दे दिया गय और फर्जी एग्रीमेंट भी कर लिया गया। अब ठेकेदार भ्रष्टाचार की गंगा मे नहाने के लिए आतूर दिखाई दे रहे हैं। जबकि निर्माण समिति के अध्यक्ष जिला पंचायत सीईओ को भी अनुशंसा अनुमोदन में गुमराह करके खेल किया जा रहा है बता दें कि इस कार्यालय में चिन्हित ठेकेदारों का दिनभर डेरा जमा रहता है जो शासकीय दस्तावेजों की गोपनीयता को भंग भी कर रहे हैं। निर्माण शाखा में भ्रष्टाचार की बेला इंजीनियर की मिलीभगत से जमकर चल रही है। स्कूल और छात्रावासों के छतों में लगाए जा रहे रूपशेड में भी भारी गड़बड़ी भ्रष्टाचार किए जाने की शिकायत सामने आ रही है। लेकिन अब तक कोई टीम गठित नही हो पाई है कार्यालय में खुलेआम नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है छात्रावास में सरेआम दारू मुर्गापार्टी हो रही है और कार्यवाही के नाम पर मंडल संयोजक अभयदान दे रहे हैं। किसके संरक्षण में यहां के ठेकेदारों का आतंक है इसकी जांच क्यों नही हो रही है। इन दिनों सहायक आयुक्त कार्यालय जमकर चर्चाओं में बना हुआ है। यहां चल रहे निर्माण कार्यों में किये जा रहे घपलेबाजी की जमकर चर्चा है तो वहीं नवीन टेंडरों में भी घोटाले की बू दिखाई दे रही है तो दूसरी तरफ हाल ही में हुए शिक्षकों के स्थानांतरण में भी जमकर लेन-देन किये जाने की चर्चा है। जिले के 111 छात्रावासों में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत एवं उन्नयन कार्य कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही करोड़ो के निर्माण भी हो रहे हैं जिनके टेंडर वर्कऑडर एग्रीमेंट और काम को लेकर सवाल खड़े हैं यहां ऐसे भी ठेकेदार काम कर रहे हैं जिनके पास न तो तकनीकि अमला है और नही लेब मशीन आदि भी नही हैं इसके बाद भी इन्ही ठेकेदारों को बार-बार काम दिया जा रहा है। शासन की नियमों की अव्हेलना कर निर्माण कार्य फर्जी ठेकेदारों को मिलीभगत से दिए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2024-25 में जिले के नारायणगंज, घुघरी, बीजाडांडी, निवास, मोहगांव, बिछिया, नैनपुर और मंडला में करोड़ो रूपए के काम स्वीकृत कर दिए गए हैं इन निर्माण कार्यो के ठेकेदारों ने विभागीय सांठगांठ से अनेक कामों को हथिया लिया है। इन ठेकेदारों के पास न तो तकनीकी अमला है और न ही लैब है और न ही मशीनरी संसाधन इसके बाद भी बिना जांच पड़ता के निर्माण शाखा के मिलीभगत से एक ही ठेकेदार को अनेक निर्माण कार्य के आदेश जारी करते हुए भारी कमीशनखोरी की गई है।

महिलाओं को किया जागरूक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वित्तीय साक्षरता केंद्र सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी कृष्णकांत अवस्थी द्वारा विकासखंड मवई के ग्राम घुटास में स्व-सहायता समूहों की सीएलएफ बैठक के दौरान वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आजीविका मिशन के ब्लॉक प्रबंधक राकेश जंघेला, आरसेटीआई के डायरेक्टर राजेश राय तथा फैकल्टी राजीव शर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अवस्थी ने समूह की महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के सफल संचालन बैंकों से प्राप्त कैश क्रेडिट लिमिट के उपयोग एवं समय पर ऋण अदायगी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

आईटीआई में गुरु पूर्णिमा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गुरु संदीपनी एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना की गई। इस अवसर पर संस्थान परिसर में पौधारोपण भी किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रशिक्षण अधिकारी हितेन्द्र कुमार तुमराम को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

बैठक सह प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मप्र शासन द्वारा चयनित नवांकुर संस्थाओं परामर्शदाताओं एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय बैठक सह प्रशिक्षण कार्यशाला जनपद पंचायत के सभागार में आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन अर्चन के साथ किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनू भलावी, विशिष्ट अतिथि स्वदेशी जागरण मंच के प्रांतीय प्रमुख विनायक राव तांबे, जिला समंवयक सुशील बर्मन स्वागत विकासखण्ड समंवयक संतोष कुमार झारिया एवं प्रस्फुटन समिति के सदस्यों द्वारा पौंधा देकर किया गया।

हाऊसिंग बोर्ड की बैठक सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने कलेक्टर कार्यालय में हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों की आवश्यक बैठक ली बैठक में जेल भवन को नगर से बाहर शिफ्ट किए जाने संबंधी रिवाइज्ड डीपीआर को दो दिवस के भीतर वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि जेल परिसर के समग्र विकास के लिए भी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए इस दौरान परिसर में 1000 व्यक्तियों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम, पुस्तकालय सहित अन्य विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रोजेक्ट संकल्प की समीक्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना द्वारा शिक्षा विभाग के प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर प्राचार्य हायर सेकेंडरी स्कूल प्राचार्य हाईस्कूल संकुल प्राचार्यों एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों बीईओ की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में विद्यालयों की शिक्षा गुणवत्ता प्रोजेक्ट संकल्प मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान तथा सीएम हेल्पलाइन से संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी संस्थाओं में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों का नामांकन पात्र विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने तथा पाठ्यपुस्तकों के वितरण की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

सहयोग का अभिनव मॉडल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पॉक्सो अधिनियम 2012 के अंतर्गत पीड़ित बच्चों को त्वरित सहायता और समयबद्ध न्याय दिलाने के लिए मंडला ने सपोर्ट पर्सन्स के लिए एकीकृत केस मैनेजमेंट मॉडल विकसित किया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एनसीपीसीआर के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला पंचायत सभाकक्ष में नव इम्पैनल सपोर्ट पर्सन्स का इंडक्शन पूर्व इम्पैनल सपोर्ट पर्सन्स का रिफ्रेशर प्रशिक्षण और मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई प्रशिक्षण का शुभारंभ सहायक संचालक रोहित बड़कुल ने किया।

रोटरी क्लब मेकल का शपथ ग्रहण समारोह

मण्डला(स्वतंत्रमत)। रोटरी क्लब मेकल द्वारा 2009 से लगातार की जा रही मानव सेवा कार्यों की सराहना करते हुए मध्यप्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि शिक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में क्लब का योगदान प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि कई बड़े जिलों में रोटरी क्लब तो हैं लेकिन माताओं-बहनों का इनर व्हील क्लब नहीं है जबकि मंडला जैसे छोटे नगर में इनर व्हील की बहनें सामाजिक क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं यह गर्व की बात है मंत्री श्रीमती उइके रोटरी क्लब मंडला मेकल के समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि शासन का प्रयास है कि मंडला का विस्तार और विकास तेज गति से हो। इसके लिए प्रशासन ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत शहर की सड़कों का चौड़ीकरण, नया बस स्टैंड, मांस-मछली बाजार, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला जेल और कृषि उपज मंडी को शहर से बाहर शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नवीन मेडिकल कॉलेज का निर्माण अंतिम चरण में है कलेक्ट्रेट का नया भवन भी जल्द बनेगा। नए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए भूमि चिन्हित हो चुकी है। मां नर्मदा के सात घाटों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नर्मदा लोक भी प्रस्तावित है इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि उन्होंने एसडीएम के रूप में रोटरी के सेवा कार्यों को करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि शहर में बदलाव नागरिकों की जागरूकता और सहभागिता से ही संभव है। कलेक्टर ने रोटरी क्लब के सदस्यों से जिला प्रशासन के प्रोजेक्ट संकल्प और एनीमिया मुक्त मंडला अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की समारोह मे वर्ष 2026-27 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सचिव को पदभार ग्रहण कराया गया। साथ ही 2009-10 से 2025-26 तक क्लब के पूर्व अध्यक्षों को सम्मानित किया गया। जिले के मेधावी विद्यार्थियों को भी मंच से सम्मानित किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने बैठक में दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी द्वारा मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था अपराध नियंत्रण एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए बैठक में चोरी नकबजनी लूट एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि ऐसे प्रकरणों के शीघ्र खुलासे आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी चोरी गए माल की अधिकतम बरामदगी तथा प्रभावी विवेचना सुनिश्चित की जाए प्रत्येक थाना प्रभारी अपने थाना क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखते हुए अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्यवाही करें पुलिस अधीक्षक ने महिला एवं बाल अपराधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण में संवेदनशीलता गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभावी अपराध नियंत्रण का सबसे मजबूत माध्यम बेसिक पुलिसिंग है अपराध नियंत्रण का वास्तविक आधार फील्ड में सक्रिय पुलिसिंग, नियमित गश्त, बीट व्यवस्था, मुखबिर तंत्र, स्थानीय सूचना संकलन एवं क्षेत्र में पुलिस की सतत उपस्थिति है सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को ग्राउंड लेवल पर पुलिसिंग को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

पटवारियों की आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर प्रदेशभर के पटवारी 3 अगस्त से अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल पर जा रहे हैं। इस आंदोलन में जिले के सभी पटवारी भी शामिल होंगे। जिलाध्यक्ष गीतेन्द्र गीतू बैरागी ने बताया कि कई वर्षों बाद प्रदेश के अन्य विभागों के कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया गया लेकिन पटवारी वर्ग को इससे वंचित रखा गया जिससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है संघ की प्रमुख मांगों में कैडर रिव्यू लागू कर पदोन्नति समयमान वेतनमान नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा का आयोजन जज प्रोटेक्शन एक्ट में पटवारी वर्ग को शामिल करना लंबित वित्तीय भुगतान सहित अन्य समस्याओं का निराकरण शामिल है मध्यप्रदेश पटवारी संघ के निर्देश पर 8 जुलाई को मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया था इसके बाद भी मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं होने के कारण 15 से 19 जुलाई तक प्रदेशभर के पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहे। 20 जुलाई को कार्य पर लौटने के बाद सभी तहसीलों में तहसीलदारों को 3 अगस्त से अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल की सूचना देते हुए ज्ञापन सौंपा गया संघ के अनुसार 3 अगस्त को सभी पटवारी अपनी-अपनी तहसीलों में एकत्र होकर तहसील अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के नेतृत्व में अपने कार्यों का प्रभार संबंधित तहसीलदार अथवा केजीओ कार्यालय को सौंपेंगे इसके बाद 4 अगस्त से जिला मुख्यालय स्थित धरना स्थल पर मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा पटवारी संघ ने यह भी घोषणा की है कि आंदोलन के दौरान सभी पटवारी शासकीय व्हाट्सएप समूहों से अलग हो रहे हैं तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन सभी प्रकार के शासकीय कार्यों का बहिष्कार करेंगे।

वृक्षारोपण पखवाड़ा महाअभियान का समापन समाजसेवी राजेश पटैल का मनाया जन्मदिन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनकल्याण मंच द्वारा ग्राम लफरा स्थित पहाड़ी वाली खेरमाई माता मंदिर परिसर में चलाए गए 15 दिवसीय वृक्षारोपण पखवाड़ा महाअभियान का शनिवार को समापन हो गया अभियान की शुरुआत 18 जुलाई को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम द्वारा पौधारोपण से की गई थी इसके बाद लगातार 15 दिनों तक जिले के जनप्रतिनिधियों अधिकारियों समाजसेवी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मंदिर परिसर में छायादार फलदार एवं सजावटी पौधों का रोपण किया था अभियान के दौरान जनपद सदस्य पारुल पांडे, डॉ. विजय आनंद मरावी, बम्हनी थाना प्रभारी सतेन्द्र रघुवंशी, जिला भाजपा अध्यक्ष पं. प्रफुल्ल मिश्रा, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल लफरा प्राचार्य श्री खान, वरिष्ठ समाजसेवी सुधीर कांसकार, पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, समाजसेवी किशोर रजक, जिला पंचायत सदस्य रामप्यारी झारिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमति कौशल्या मरावी, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज पटैल, मंडल महामंत्री सोनल पटैल, सरपंच विमला मरावी, पूर्व सरपंच राधेलाल धनगर सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाया समापन अवसर पर समाजसेवी राजेश पटैल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उन्होंने खेरमाई मंदिर परिसर में 10 फलदार पौधे ट्री गार्ड सहित लगाकर जनकल्याण मंच को सौंपे। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए मंच के सदस्यों ने केक काटकर उनका जन्मदिन भी मनाया। उपस्थित लोगों ने जनकल्याण मंच की इस पर्यावरण संरक्षण मुहिम की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी दशरथ चंद्रौल, पूर्व सरपंच राधेलाल धनगर, पूर्व सरपंच तुलसीराम मरावी, उपसरपंच हरिश्चन्द्र चंद्रौल, सेवानिवृत्त शिक्षक शिवकुमार कार्तिकेय, जगदीश श्रीवास, संदीप मिश्रा, अम्मालाल हरदहा, भोला प्रसाद केवट, रवि झारिया, सुरेश केवट, कमलकांत हरदहा, रमेश हरदहा, संतोष उइके, राजेश नंदा, शिवप्रसाद केवट, मुकेश पटैल, अभिषेक पटैल, संजूलाल पुष्पकार, संजय तिवारी, शारदा श्रीवास, भागवत हरदहा, चंद्रेश्वर पटैल, राजेन्द्र हरदहा, प्रशांत तिवारी रहे।

शुचि का एनसीए कैंप में चयन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर शुचि उपाध्याय का चयन

राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के विशेष प्रशिक्षण शिविर के लिए हुआ है। यह कैंप 2 अगस्त से 27 अगस्त तक बेंगलुरु में आयोजित होगा। इस कैंप में शानदार प्रदर्शन करने पर शुचि के दोबारा भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन की संभावनाएं और मजबूत हो जाएंगी मंडला के मेकल क्रिकेट क्लब में अभ्यास करने वाली शुचि उपाध्याय ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने 9 मई को दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध अपना पहला वनडे अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलकर मंडला मध्यप्रदेश का नाम गौरवान्वित किया था।

भाजपा की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उईके, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ प्रदेश नेतृत्व द्वारा निर्धारित आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान मंडला बिछिया नैनपुर बम्हनी निवास नगर निकायों में मनोनीत पार्षदों का स्वागत हुआ। बैठक में भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश द्वारा संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे समरसता संकल्प अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार 9 अगस्त से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले तिरंगा यात्रा, हर घर तिरंगा अभियान तथा प्रत्येक घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सभी मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों तथा विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि इन कार्यक्रमों को प्रत्येक मंडल और प्रत्येक बूथ स्तर तक प्रभावी एवं जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जाए।

ओवरटेक के प्रयास में रेत से भरा ट्रैक्टर पलटा, चालक घायल

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

नैनपुर में अवैध रेत परिवहन का सिलसिला बरसात के बाद भी लगातार जारी है। इसी बीच एक लापरवाही भरी घटना सामने आई है, जिसमें ओवरटेक के दौरान एक ट्रैक्टर पलट गया और चालक घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, बिना नंबर के दो ट्रैक्टर, जो रेत की ढुलाई में लगे हुए थे, खाली होकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक ने दूसरे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की, जिससे संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में चालक के पैर में चोट आई है, जिसे तत्काल सिविल अस्पताल नैनपुर भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना के बाद कुछ समय के लिए मार्ग भी बाधित रहा, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह बिना नंबर के वाहन दिन-रात सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जो न केवल खुद के लिए बल्कि आम लोगों के लिए भी खतरा बन चुके हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में क्षेत्र में उठाईगिरी की घटना भी सामने आई थी, जिसके बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे में बिना नंबर के वाहनों की आवाजाही और अवैध रेत परिवहन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

फिलहाल घायल चालक का इलाज सिविल अस्पताल में जारी है, वहीं क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि प्रशासन इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

संपादकीय

इथेनॉल पर सवाल

हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान पेट्रोलियम पदार्थों के संकट को देखते हुए केंद्र सरकार ने पेट्रोल को लेकर आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये इसमें इथेनॉल मिलाने का विकल्प चुना। लेकिन आज इसके साइड इफेक्ट को लेकर देश में चिंता बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इससे वाहनों की माइलेज कम हुई है। कुछ की आशंका है कि गाड़ियों के रखरखाव की लागत बढ़ी है। दरअसल, इसकी वजह इथेनॉल के उपयोग को लेकर किसी प्रामाणिक अध्ययन का सामने न आना भी रहा है। ऐसे में अब जब केंद्र सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक ऐसा कोई आकलन नहीं किया है, जिससे पता चल सके कि देश में कितने वाहन ई-20 यानी अस्सी प्रतिशत पेट्रोल व बीस प्रतिशत इथेनॉल के अनुकूल हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है। इससे यह बात साबित होती है कि देश के हरित ऊर्जा के लक्ष्यों और जमीनी स्तर की तैयारियों के बीच कितना अंतर है। ऐसे में वाहनों की प्रामाणिक गिनती या सर्वे के बिना देशव्यापी बदलाव के सफल होने की उम्मीद कैसे की जा सकती है?

नि:संदेह ई-20 को बढ़ावा देने का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन घटाना और भारत की बायोफ्यूल वाली अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाना है। वहीं सरकार का कहना है कि बड़े पैमाने पर हुए अध्ययनों और फील्ड ट्रायल में यह वैकल्पिक ईंधन निर्धारित मानकों के तहत प्रयोग के लिये सुरक्षित पाया गया है। बेशक, नियंत्रित स्थिति में हुए वैज्ञानिक परीक्षणों के परिणाम सकारात्मक हो सकते हैं। लेकिन जब लाखों वाहन चालकों को प्रभावित करने वाली किसी नीति का क्रियान्वयन किया जाता है तो जनता का विश्वास हासिल करने के लिये प्रामाणिक डेटा की भी जरूरत होती है। बहरहाल, संसद में सरकार की स्वीकारोक्ति से इस नीति को लेकर विरोधाभास तो उजागर होता ही है। सरकार का दावा है कि पिछले कुछ सालों से 20 करोड़ दुपहिया वाहनों और 3 करोड़ से ज्यादा पेट्रोल से चलने वाली कारों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकारी दलील है कि इसके बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, सरकार की ओर से यह जानकारी नहीं दी गई है कि जिन वाहनों को लेकर वह दावा कर रही है, उसमें कितने वाहन ई-20 के लिये डिजाइन या प्रमाणित थे। ऐसी किसी बुनियादी जानकारी के बिना, सुरक्षा और परफॉर्मेंस के बारे में दिए गए भरोसे के शब्द शायद ही लोगों को विश्वास दिला पाएं कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उनके लिये लाभकारी है। हाल के दिनों में पूरे देश से इथेनॉल के मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रियाएं नजर आ रही हैं। मुद्दा सार्वजनिक विमर्श का विषय बना हुआ है। कुछ संगठन आंदोलन की चेतावनी भी दे रहे हैं। ट्रांसपोर्ट यूनियनों के विरोध, विपक्ष की इस मामले में पारदर्शिता की मांग और 'ई-20 जनता पार्टी' जैसे व्यंग्यात्मक ऑनलाइन कैंपेन लोगों की इस बाबत बढ़ती चिंता को ही दर्शाता है। ऐसे में सरकार को इस मुद्दे को समय रहते गंभीरता से लेने की जरूरत है। सही मायने में ग्राहकों को वारंटी सुरक्षा, लंबे समय तक रखरखाव के खर्च, इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की माइलेज और इंजन व अन्य उपकरण खराब होने की जिम्मेदारी के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलनी ही चाहिए। इस बाबत सरकार द्वारा दी गई केवल सफाई भरोसे का आधार नहीं बन सकती। इसके लिये प्रामाणिक तथ्यों की भी जरूरत है। वहीं सरकार के इस बाबत संकेत से कि ज्यादा इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल और फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिए प्रोडक्शन क्षमता बढ़ाई जा रही है,से यह पता जरूर चलता कि ई-20 आखिरी पड़ाव न हो। निश्चित रूप से इस तरह के किसी कदम के लिये जनता को विश्वास में लेने और डेटा आधारित पॉलिसी बनाने की जरूरत है।

राजेन्द्र शुक्लः सरलता, संवेदना, नैतिकता, प्रेम और सेवा के पर्याय

ताहिर अली

कुछ लोग पद प्राप्त करते हैं, कुछ लोग प्रतिष्ठा, किंतु विरले ही ऐसे होते हैं जो विश्वास अर्जित करते हैं। श्री राजेन्द्र शुक्ल ऐसे ही जननेता हैं, जिनकी पहचान केवल एक जनप्रतिनिधि या मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में स्थापित हुई है, जिसने राजनीति को सेवा, संवाद और संवेदना के साथ जोड़ा। रीवा की पावन धरती से आरम्भ हुई उनकी सार्वजनिक यात्रा आज मध्यप्रदेश के विकास विमर्श का एक महत्वपूर्ण अध्याय बन चुकी है। पाँच बार लगातार विधानसभा के लिए निर्वाचित होना मात्र राजनीतिक सफलता नहीं, बल्कि जनता द्वारा व्यक्त उस अटूट विश्वास का प्रमाण है, जो वर्षों की निरंतर उपलब्धता, पारदर्शिता और जनसरोकारों से अर्जित होता है।

सादगी में शक्ति, स्पष्टता में विश्वास

श्री राजेन्द्र शुक्ल का व्यक्तित्व आडंबर से दूर और व्यवहार से निकट है। वे अपनी बात को स्पष्ट शब्दों में रखने के लिए जाने जाते हैं। कठिन प्रशासनिक निर्णय हों या जनसरोकार के प्रश्न, वे संवाद से समाधान खोजने में विश्वास रखते हैं। कार्यकर्ताओं के लिए वे आत्मीय 'राजेन्द्र भैया' हैं और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए अनुशासन, पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व के पक्षधर मार्गदर्शक। यही कारण है कि उन्होंने राजनीति और प्रशासन के बीच विश्वास का एक स्वस्थ वातावरण निर्मित किया। श्री शुक्ल का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, सुशासन और राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण सदैव प्रेरणास्पद रहा है। सहज संवादशीलता श्री शुक्ल के व्यक्तित्व की विशिष्ट विशेषता है। वे लोगों की बातें सुनते हैं, समस्याओं को समझते हैं और समाधान खोजने की दिशा में सदैव सक्रिय रहते हैं। स्पष्टवादिता उनके स्वभाव का अभिन्न अंग है।

विकास की वह दृष्टि जिसमें परंपरा भी है और प्रगति भी

अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में उन्होंने ऊर्जा, पर्यावरण, वन, उद्योग, खनिज, आवास, जनसम्पर्क सहित अनेक विभागों की जिम्मेदारी संभाली। प्रत्येक दायित्व में उनकी सोच केवल तात्कालिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि दीर्घकालिक परिवर्तन पर केन्द्रित रही। ऊर्जा क्षेत्र में 'अटल ज्योति अभियान' के माध्यम से प्रदेश में निर्बाध विद्युत व्यवस्था की दिशा में किए गए प्रयास आज भी उल्लेखनीय माने जाते हैं। वहीं रीवा का विशाल सौर ऊर्जा परियोजना इस बात का उदाहरण है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चल सकते हैं। उन्होंने यह भी सिद्ध किया कि किसी क्षेत्र का विकास केवल भवनों और सड़कों से नहीं होता; उसके इतिहास, संस्कृति और जनभावनाओं को सम्मान देना भी उतना ही आवश्यक है। सफेद बाघ को उसके प्राकृतिक क्षेत्र से जोड़ने का प्रयास इसी संवेदनशील सोच का परिचायक रहा।

शिक्षा, संस्कृति और समाज के प्रति प्रतिबद्धता

श्री शुक्ल का मानना है कि किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसकी शिक्षा और संस्कृति में निहित होती है। संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, महाविद्यालयों और छात्रावासों के विकास तथा सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए उनके प्रयास इसी सोच को प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने युवाओं के लिए खेल अधोसंरचना विकसित करने, शहरी क्षेत्रों में हरित उद्यानों का विस्तार करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने वाले अनेक कार्यों को भी प्राथमिकता दी। गौ-सेवा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनका समर्पण उनकी संवेदनशीलता को और अधिक स्पष्ट करता है। उनकी सोच युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी है। वे अक्सर कहते हैं-
'जोश को होश से जोड़िए। अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझिए। विचारशील नागरिक ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करते हैं।' यह संदेश केवल भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके सार्वजनिक जीवन का व्यावहारिक दर्शन है।

नेतृत्व का अर्थ

श्री राजेन्द्र शुक्ल की कार्यशैली का सार यदि एक वाक्य में कहा जाए तो वह यह है कि समस्याओं को अवसर में बदलने की क्षमता ही नेतृत्व की वास्तविक पहचान है। वे अक्सर इस बात पर बल देते हैं कि किसी भी योजना की सफलता उसके अंतिम लाभार्थी के जीवन में आए परिवर्तन से मापी जानी चाहिए। यही सोच उन्हें योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत समीक्षा के लिए प्रेरित करती है। उनकी राजनीति टकराव से अधिक संवाद की

आज जन्मदिन पर विशेष

राजनीति है। वे प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु बनकर कार्य करने में विश्वास रखते हैं। यही कारण है कि उनके निर्णयों में तकनीकी दक्षता के साथ मानवीय दृष्टिकोण भी दिखाई देता है।

नैतिकता और संयम का पथ

आज जब सार्वजनिक जीवन में तीव्र प्रतिस्पर्धा और कटुता का वातावरण देखने को मिलता है, तब श्री शुक्ल ने सादगी, संयम और शालीनता को अपनी पहचान बनाया है। वे असहमति को संवाद में बदलने, आलोचना को सुधार के अवसर के रूप में देखने और जनहित को सर्वोपरि रखने के पक्षधर हैं। उनका विश्वास है कि जनहित सर्वोपरि होना चाहिए और राजनीति समाज को जोड़ने का माध्यम बने, विभाजित करने का नहीं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि पद क्षणिक हो सकता है, किंतु सिद्धांत स्थायी होते हैं। सेवा का भाव ही नेतृत्व को दीर्घकालिक सम्मान प्रदान करता है।

विंध्य क्षेत्र को देश के विकसित क्षेत्र के रूप में दिलाई पहचान

श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा सहित विंध्य क्षेत्र को देश के सबसे विकसित क्षेत्र के रूप में पहचान दिलाने के चौतरफा विकास के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। श्री शुक्ल का अब तक का सार्वजनिक जीवन जनसेवा और समर्पण का एक अद्भुत उदाहरण रहा है। विशेष रूप से, उपमुख्यमंत्री का दायित्व सँभालने के पश्चात जिस प्रकार उनके कुशल नेतृत्व और प्रयासों से विंध्य क्षेत्र का कायाकल्प हो रहा है, वह अत्यंत उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में आपकी दूरदर्शी सोच ने रीवा के साथ विंध्य को राष्ट्रीतहय एवं वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। प्रदेश की पहली नागरिक विमानन नीति के जारी होने के उपरांत प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुसार हवाई चप्पल से हवाई जहाज के सफर के सपने को साकार किया है। रीवा से दिल्ली, इंदौर, रायपुर सीधे हवाई मार्ग के माध्यम से जुड़ चुके हैं। इसके अतिरिक्त भोपाल एवं कोलकाता के लिए भी हवाई सेवाएं जल्दी शुरू हो जाएंगी। रीवा में एयरपोर्ट सुविधा के लिए उनके प्रयास फलीभूत हुए हैं विंध्य की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी बेहतर हुई, विंध्य के रेल और हवाई मार्ग से महानगरों से जुड़ना तथा फ्लाईओवर, सड़कों के विकास से उद्योग, पर्यटन, शिक्षा, पेयजल, सौंदर्यीकरण एवं स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में गति मिलना श्री शुक्ल के प्रयासों का जीता-जागता उदाहरण है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी विशेष अभिरुचि रही है। जगह-जगह वृक्षारोपण और नगर वन वन का निर्माण करवाया है। राजकपूर आडिटोरियम की स्थापना से विंध्य के कलाकारों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला है। युवाओं के खेलकूद के लिए उन्होंने विश्व स्तरीय मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया। बीहर नदी में रिवर फ्रंट का निर्माण भी उनके प्रयासों का परिणाम है। श्री शुक्ल के प्रयासों से संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। शिक्षा और संस्कृति के प्रति यह उनका समर्पण प्रदर्शित करता है। श्री राजेंद्र शुक्ल गौ-सेवा के कार्यों के लिए सदैव प्रयासरत रहे हैं। उनके द्वारा गौ-सेवा में जनमानस की सहभागिता एवं प्रयासों को आर्थिक रूप से लाभकारी बनाने की दिशा में प्रयास किए गये हैं। बसामन मामा गौ अभयारण्य गायों की देखभाल और संरक्षण के उत्कृष्ट प्रयासों का मूर्त मॉडल है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में नया विश्वास

वर्तमान कार्यकाल में उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के रूप में श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनस्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक आधुनिक महत्वपूर्ण पहलें प्रारम्भ की हैं। उनका स्पष्ट दृष्टिकोण रहा है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा प्रत्येक नागरिक तक पहुँचना शासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

- प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार को गति मिली तथा विभिन्न शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस सीटों में वृद्धि के प्रयास हुए।
- जिला अस्पतालों के उन्नयन, नई स्वास्थ्य सुविधाओं और आवश्यक पदों की स्वीकृति पर विशेष बल दिया गया।
- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य हुआ।
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान और बेहतर उपचार व्यवस्था पर निरंतर ध्यान दिया गया।
- नवजात शिशुओं के उपचार हेतु विशेष इकाइयों के सुदृढ़ीकरण और स्वास्थ्य संस्थानों की गुणवत्ता सुधार की दिशा में प्रयास किए गए।
- चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता बढ़ाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन के अधिक निकट पहुँचाने के लिए सतत पहल की गई।
- जनस्वास्थ्य संबंधी योजनाओं में पारदर्शिता, समयबद्धता और परिणामोन्मुख कार्य संस्कृति पर विशेष बल दिया गया।
- श्री शुक्ल अक्सर कहते हैं कि स्वास्थ्य सेवा केवल एक विभागीय दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय करुणा का विस्तार है। यही भावना उनके निर्णयों में दिखाई देती है।

चिकित्सा शिक्षा का विस्तार

मध्यप्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को नई गति मिली है। विभिन्न शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस सीटों की वृद्धि, नवीन चिकित्सा संस्थानों का विकास तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया है। गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान और समय पर उपचार की व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार समीक्षा की जा रही है।

(लेखक जनसंपर्क के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

निरंतर बढ़ते प्लास्टिक कूड़े के निपटान की चुनौती

दीपिका अरोरा

धरती पर निरंतर बढ़ता प्लास्टिक कचरा एक प्रमुख पर्यावरणीय समस्या बनकर उभर रहा है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 94 लाख टन से लेकर 1.02 करोड़ टन तक प्लास्टिक वेस्ट पैदा होता है। धरती, समुद्र, पहाड़, नदियां -शायद ही कोई कोना प्लास्टिक कचरे की घुसपैठ से बचा हो! सड़कों, गलियों, नालियों में यत्र-तत्र फैंके गए प्लास्टिक के लिफ़ाफ़े अक्सर भूखे जानवरों के गले में फंसकर उनकी मौत तक को न्योता दे सकते हैं। गत दिनों प्रकाशित एक ख़बर के अनुसार, हरियाणा में क़रीब चार फुट लंबे कोबरा के पेट में काली पॉलीथिन फंसने से उसकी जान पर बन आई। हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के चिकित्सकों ने क़रीब एक घंटे की सर्जरी करके इंसानी लापरवाही के शिकार निरीह जीव को 'प्लास्टिक आफ़त' से निजात दिलाई!

देश में 1 जुलाई, 2022 से लागू सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर प्रतिबंध, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत प्लास्टिक के कटलरी-स्ट्रॉ, पतले प्लास्टिक सजावटी सामान तथा गुणवत्ता रहित प्लास्टिक लिफ़ाफ़े प्रतिबंधित होने के बाबजूद ये आम प्रचलन में हैं। विशेषकर, घटिया मेटिरियल से निर्मित प्लास्टिक के लिफ़ाफ़े आज भी देश के अधिकतर हिस्सों में देखे जा सकते हैं। सामान डालने के लिए समुचित व सर्वसुलभ विकल्प उपलब्धता न

करा पाना इसमें मुख्य कारण है, जिसके चलते जुर्माने जैसी दंडात्मक कार्रवाई की कोशिश भी खटाई में पड़ती देखी गई। विकास तथा आधुनिकीकरण ने यदि वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक के निर्माण तथा उपभोग में भारी वृद्धि की, तो इसमें मुख्य वज़ह इसकी बहुउपयोगिता, टिकाऊपन तथा अपेक्षाकृत कम लागत होना है। हालांकि, अविश्वसनीय रूप से लंबे समय तक बने रहने की यही विशेषता पर्यावरण की सेहत के लिहाज़ से हानिप्रद साबित होती है। प्लास्टिक के न सड़ने तथा वर्षों तक ज़मीन के अंदर कायम रहने से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है। प्लास्टिक बैग नालियां, सीवेज सिस्टम आदि ब्लॉक करके अस्वच्छता बढ़ाने के साथ बीमारियां फैलाने की वजह बनते हैं। माइक्रोप्लास्टिक के सूक्ष्म कण वायु, जल तथा भोजन के ज़रिए शरीर में प्रविष्ट होकर, मानव व अन्य जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाते हैं। प्लास्टिक से निकलने वाले रसायनों से हार्मोन असंतुलन, कैंसर जैसी समस्याएं पनप सकती हैं। इसे जलाने से उत्पन्न विषैली गैसें सांस संबंधी गंभीर बीमारियां उत्पन्न करती हैं। प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख टन प्लास्टिक कचरे का दुनिया के समुद्रों तथा महासागरों में पहुंचना, समुद्री जीवन के लिए प्रतिकूलताएं लेकर आता है। आर्थिक गतिविधियों पर बोझ डालने वाला प्लास्टिक कचरा जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण बनता है। दरअसल,पर्यावरण व जैव विविधता के लिए गंभीर ख़तरा बन चुका प्लास्टिक कूड़ा वैज्ञानिक चमत्कार के बजाय पारिस्थितिक अभिशाप माना जाने लगा है।

प्लास्टिक कचरे का समुचित निस्तारण न हो पाना प्रमुख चुनौती है। देश में रोज़ाना निकलने वाले लगभग 26,000 टन प्लास्टिक कचरे में से क़रीब 60 प्रतिशत कचरे का ही पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) हो पाता है, शेष हिस्सा पर्यावरण अथवा लैंडफिल में बना रहता है। इसका अनुचित निपटान पर्यावरण प्रदूषण, जैव विविधता की हानि तथा पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण का व्यापक कारण बनता है। भस्मीकरण, लैंडफिलिंग जैसी उपलब्ध प्रक्रियाएं अस्थिर, महंगी व पर्यावरण के प्रतिकूल हैं। इसीलिए, अब जैव-अपघटनीय प्लास्टिक तथा वैकल्पिक निपटान विधियों जैसे विकल्पों पर बल दिया जा रहा है, विशेषकर, सूक्ष्म जीवों द्वारा कृत्रिम प्लास्टिक को बिना किसी हानिकारक प्रभाव के विघटित करने की क्षमता पर। नवीकरणीय संसाधनों से बने तथा जैव-अपघटनीय (बायोडिग्रेडेबल) बायोप्लास्टिक का उपयोग प्लास्टिक प्रदूषण घटाकर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने के साथ पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा दे सकता है, किंतु भारी प्रगति के बावजूद स्केलेबिलिटी, लागत प्रतिस्पर्धात्मकता तथा जीवनचक्र के अंत प्रबंधन जैसी कठिनाइयां कायम हैं, जिनके लिए अतिरिक्त अनुसंधान तथा नवाचार की जरूरत है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर बायोप्लास्टिक विकल्पों के विकास और कार्यान्वयन के लिए शिक्षाविदों, व्यवसायियों एवं सरकारों के बीच सहयोग अनिवार्य है। प्लास्टिक उत्पादकों को जवाबदेह ठहराने के लिए मज़बूत नीतियां बनाने तथा लागू करने से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, वस्तुस्थिति का जायज़ा लेते हुए वैकल्पिक प्रबंधन के उपाय ढूंढ़ना। इनके बग़ैर प्लास्टिक के उत्पादन व बिक्री पर पूर्णत: रोक लगाना संभव नहीं। पृथ्वी हमारा घर है और इसे प्रदूषित होने से रोकना हम पृथ्वीवासियों की सर्वोपरि ज़िम्मेदारी। प्लास्टिक प्रदूषण कम करने का सर्वोत्तम उपाय है, 'तीन आर सिद्धांत' (रिड्यूस, रीयूज़, रीसाइकल) का अनुपालन। कम्पोस्टेबल प्लास्टिक का उपयोग जैविक कचरे के साथ खाद बनाने के लिए कर सकते हैं। आदर्श समाधान है, प्लास्टिक का प्रयोग घटाना। क्यों न अगली बार बाज़ार जाते समय कपड़े या जूट का बैग अपने साथ ले जाएं? पानी के लिए प्लास्टिक की बोतल की जगह धातु या कांच की बोतल का इस्तेमाल करें। व्यक्तिगत छोटे-छोटे सद्प्रयास ही सामूहिक स्तर पर अप्रत्याशित सफलता दिलाते हैं, इसमें कोई दो राय नहीं।

सरकारी सुस्ती और प्राइवेट रॉकेट की चुस्ती

सरकारी रॉकेट और प्राइवेट रॉकेट के चाल-चलन में बड़ा फर्क होता है। सरकारी रॉकेट लॉन्च होने से पहले सात कमेटियां बैठती हैं, ग्यारह फाइलें घूमती हैं, और लॉन्च की तारीख इतनी बार टलती है कि पड़ोसी पूछने लगते हैं भाई रॉकेट है कि सरकारी शादी, बार-बार मुहूर्त बदल रहा है।

प्राइवेट रॉकेट में मामला सीधा है, फंडिंग आई, टेस्टिंग हुई, उड़ान भर दी। सरकारी रॉकेट का प्रेस नोट होता है वैज्ञानिक शब्दावली से भरा, समझ में कम आता है। प्राइवेट रॉकेट का प्रेस नोट होता है मार्केटिंग कॉपी जैसा, ऑन-डिमांड, रैपिड, गेम-चेंजिंग टाइप जुमलों से भरा हुआ। और सबसे बड़ा फर्क यह कि सरकारी रॉकेट फेल हो तो जांच कमेटी बैठती है, प्राइवेट रॉकेट फेल हो तो अगला फंडिंग राउंड आ जाता है, नाम बदलकर वर्जन टू लॉन्च हो जाता है, फेलियर को लर्निंग कहा जाता है, यही स्टार्टअप कल्चर की असली ताकत है, हारने को भी रणनीति में बदल देना।

नेताओं ने बधाई देनी शुरू कर दी, हर कोई हैशटैग लगाकर बता रहा है कि यह उपलब्धि किस तरह उनकी सोच का विस्तार है, जबकि रॉकेट बनाने में उनका योगदान बस इतना रहा कि उन्होंने रास्ता नहीं रोका। इधर आम आदमी सोच रहा है कि गांव का रास्ता सड़क अभी गड्ढों वाला है, पर चलो शुक्र है, कम से कम स्पेस की तरफ जाने का रास्ता सही है। ट्रंप ने पाक जनरल आसिम मुनीर से कहा-जिस अमेरिका-ईरान समझौते के लिए तू नोबेल शांति अवॉर्ड मांग रहा था, वह चार हफ्ते नहीं चला।

मुनीर- सर मैं तो चाइनीज आइटमों में डील करता हूं, ये चलते कहां हैं। सर शांति डील चाइनीज था, गारंटी नहीं थी, सिर्फ पैकिंग अच्छी थी।

इधर विक्रम-1 की कामयाबी पर सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ आ गई। हर कोई अपनी प्रोफाइल फोटो के आगे तिरंगा लगाकर लिख रहा है कि आज गर्व का दिन है, जबकि उसका योगदान बस इतना रहा कि उसने लाइव स्ट्रीम के दौरान मोबाइल का डेटा खर्च किया। कुछ लोग तो ऐसे भी थे जो कल तक रॉकेट और सॉकेट सैलरी फर्क नहीं जानते थे, आज एक्सपर्ट बनकर थ्रस्ट और ऑर्बिट पर ज्ञान दे रहे हैं।

- आलोक पुराणिक

आंदोलन ने दिया मीडिया को आत्ममंथन का मौका

विश्वनाथ सचदेव
वरिष्ठ पत्रकार

राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विद्यार्थियों-युवाओं का आंदोलन शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के साथ भले ही समाप्त हो गया हो, पर उसकी गूंज एक लम्बे अर्से तक सुनाई देगी। इन तीस-पैंतीस दिनों के आंदोलन के दौरान बहुत कुछ ऐसा हुआ है जो अर्से तक याद रखा जायेगा। इस बहुत कुछ में युवाओं द्वारा 'गोदी मीडिया' के विरुद्ध लगाये गये नारे भी हैं जिन पर स्वयं मीडिया वालों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। जिस तरह मुख्यधारा के कुछ समाचार चैनलों के खिलाफ प्रदर्शनकारी आवाज़ उठा रहे थे वह अपने आप में मीडिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ मीडिया कर्मियों पर जिस तरह के हमले हुए, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता। युवाओं को पूरा हक है कि वे मीडिया के प्रति अपने असंतोष का इज़हार करें, उनका गुस्सा भी जायज हो सकता है, पर पत्रकारों पर शारीरिक हमले का समर्थन नहीं किया जा सकता।

यह सब कहने के बाद एक सवाल जो पूरी गंभीरता के साथ उठता है वह मीडिया की छवि का है। 'गोदी मीडिया' के नाम से मीडिया के जिस वर्ग को आज देश में जाना जा रहा है, वह कुल मिलाकर सरकार-समर्थक वर्ग ही है। सरकार की कमियों और अच्छाइयों दोनों को सामने लाना पत्रकारिता का काम है। जनतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका बहुत स्पष्ट है- यह भूमिका ईमानदार पहरेदारी की है। जनतंत्र का चौथा स्तंभ है यह पहरेदार और इस स्तंभ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विश्वसनीयता है। समाज पत्रकार से यह अपेक्षा करता है कि वह जो देख-समझ रहा है उसे ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ समाज के सामने रखेगा। यही उसकी निष्पक्षता का मानदण्ड है। था एक ज़माना जब अखबार में लिखे शब्द पर पाठक लगभग अंधविश्वास करता था। यह अंधविश्वास भी ठीक नहीं कहा जा सकता, पर इतना तो कहना पड़ेगा कि यह विश्वास पत्रकारिता की सबसे कीमती पूंजी और सबसे बड़ी ताकत है। यह ताकत कमज़ोर पड़ती दिखने लगी है! आवश्यकता यह समझने की है कि यह स्थिति कैसे आयी? आज़ादी प्राप्त करने से पहले तक हमारे देश की पत्रकारिता का इतिहास कुल मिला कर समाज-सेवा का ही था। विशेषकर भाषाई पत्रकारिता का इतिहास। देश के पहले हिंदी अखबार का तो ध्येय वाक्य ही 'हिंदी जन के हेत' यानी 'हिंदुस्तानियों के हित के लिए' था। एक मिशन थी पत्रकारिता। यह स्थिति एक अर्से तक बनी रही, पर धीरे-धीरे सेवा की जगह सत्ता हमारी पत्रकारिता पर हावी होती

गयी। जंतर-मंतर पर युवा प्रदर्शनकारियों ने जिस पत्रकारिता पर हमला किया था वह सत्ता वाली पत्रकारिता ही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आज देश की पत्रकारिता के एक बड़े वर्ग पर 'आंख मूंद कर सरकार-परस्ती' का आरोप लग रहा है। खुलेआम कहा जा रहा है कि देश के मीडिया का एक बड़ा वर्ग जैसे सरकार की गोद में जाकर बैठ गया है। इसी पक्षधरता का एक उदाहरण यह है कि युवाओं के इस आंदोलन के शुरुआती दौर में कई दिन तक हमारे समाचार चैनलों में कॉकरोच जनता पार्टी की गतिविधियां रहस्यमय ढंग से गायब ही रही थीं। अखबारों में भी इससे सम्बंधित समाचार मुख्यतः भीतर के पन्नों पर ही जगह पाते थे। बाद के दिनों में जब युवाओं का यह आंदोलन लगातार व्यापक होने लगा तो किसी के लिए इसकी अनदेखी करना संभव नहीं रह गया था। तब शायद पहली बार मुख्यधारा के समाचार चैनलों के प्रतिनिधि 'कॉकरोच-आंदोलन' की ज़मीनी रिपोर्टिंग के लिए पहुंचे थेङ्क और तब शायद पहली बार 'गोदी मीडिया' पर युवाओं का गुस्सा इतना प्रखर होकर सामने आया था। हमेशा से पत्रकारिता की इज्जत रही है समाज में। मीडियाकर्मियों को अधिकांशतः आदर की दृष्टि से ही देखा जाता रहा है। आज जबकि पत्रकारिता मिशन की जगह व्यवसाय मात्र बन कर रह गयी है, अखबार को साबुन की टिकिया की तरह बेचा जा रहा है और देश का सबसे बड़ा 'मीडिया घराना' खुलेआम यह कहता दिखता है कि 'हम विज्ञापन का व्यापार करते हैं' तो समाज से यह अपेक्षा करना कि वह मीडिया की भूमिका को अतिरिक्त आदर के भाव से देखेगा, स्थिति को न समझने का उदाहरण ही माना जायेगा। और यदि पत्रकारिता एक विशिष्ट पेशा है तो मीडिया से यह आशा करना गलत नहीं होगा कि वह अपनी विशिष्टता की रक्षा के प्रति सावधान रहे। दुर्भाग्य से ऐसा होता दिख नहीं रहा। इसका ही परिणाम है कि आज हमारा मीडिया विश्वसनीयता के एक गहरे संकट से गुज़र रहा है। इस संकट के तीन बड़े कारण हैं व्यावसायिक दबाव, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सनसनीपरकता। इसके साथ ही 'सबसे पहले और सबसे आगे' का लालच भी मीडिया की विश्वसनीयता को कम कर रहा है। घटती विश्वसनीयता का यह संकट लगातार गहराता जा रहा है। इसके कारण कुछ भी रहे हों, पर यह स्पष्ट है कि मीडिया से जनता का भरोसा लगातार कम होता जा रहा है। पता लगायेंगे तो आपको ऐसे बहुत से पाठक और बहुत से दर्शक मिल जायेंगे जिन्होंने अखबार पढ़ना छोड़ दिया है अथवा टी.वी. पर समाचार देखना बंद कर दिया है। 'राइटर्स इंस्टीट्यूट डिजिटल न्यूज़ रिपोर्ट' के वैश्विक सर्वेक्षण के अनुसार पिछले एक दशक में अखबारों, रेडियो और टेलिविजन समाचारों को पढ़ने-देखने में दो अंकों की गिरावट आयी है। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि यह केवल नये लोगों द्वारा मीडियम न अपनाने के कारण नहीं है, बल्कि पुराने पाठक-दर्शक भी अब परम्परागत मीडिया से दूर होते जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण विश्वसनीयता का घटना है। ऐसा नहीं है कि जनता की समाचारों में रुचि नहीं रही। जानना चाहते हैं लोग, पर अब उन्हें यह भी समझ आ रहा है कि मुख्यधारा का मीडिया अब अपने पाठकों-दर्शकों के बजाए अपने मालिकों के हितों के प्रति ज़्यादा उदार है। ये मालिक सत्ता के पक्ष में खड़े रहने में अपना अधिक लाभ देखते हैं। आज सरकारें मीडिया को जितना लाभ दे रही हैं, वह हैरान कर देने वाला है। टी.वी. चैनलों पर सरकारी विज्ञापनों की भरमार देखकर यह बात सहज ही समझ आ जाती है कि हमारा मीडिया क्यों सरकारों से डरा-डरा रहता है। कल्पना की जा सकती है कि एक महीने में सरकार से करोड़ों रुपये पाने वाला समाचार चैनल क्यों सरकार को नाराज करना चाहेगा?

भारत का जितना डिफेंस बजट, उतनी अमेरिका के 14 समुद्री दैत्यों की कीमत

नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन और ईरान जंग ने ग्लोबल लेवल पर डिफेंस सेक्टर की तस्वीर बदलकर रख दी है। दुनिया के तमाम देश सेना के तीनों अंगों को एडवांस टेक्नोलॉजी और कटिंग एज वेपन सिस्टम से लैस करने में जुटे हैं। फिर चाहे वो अमेरिका हो या फिर भारत। अमेरिका ने हाल के दिनों में दो ऐसे कदम उठाए हैं, जिससे ग्लोबल डिफेंस सेक्टर में खलबली मची हुई है। दो-तीन दिन पहले अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने एक डिफेंस कंपनी को तकरीबन 59 अरब डॉलर (5 लाख करोड़ रुपया) का ठेका दिया है, जिसके तहत पैट्रियट मिसाइलों का उत्पादन किया जाना है। इससे पहले अमेरिका ने 76.6 अरब डॉलर (730691 करोड़) की लागत से 14 सबमरीन खरीदने के प्रसताव को हरी झंडी दी थी। बता दें कि पिछले वित्त वर्ष में भारत का कुल डिफेंस बजट 85 अरब डॉलर (810819) था।

इसका मतलब यह हुआ कि अमेरिका तकरीबन भारत के सालाना डिफेंस बजट के जितना की राशि पनयह निवेश भारत के मौजूदा वार्षिक रक्षा बजट, जो लगभग 85 अरडुब्बी पर खर्च करने जा रहा है। यहां यह जानना दिलचस्प है कि अमेरिका का सबमरीन फ्लीट पुराना हो चुका है, जिसे रिप्लेस करना जरूरी हो गया है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और चीन की तेजी से बढ़ रही समुद्री सैन्य शक्ति के बीच अमेरिका ने अपने पनडुब्बी बेड़े को मजबूत करने के लिए 76.6 अरब डॉलर (करीब 6.4 लाख करोड़ रुपये) के विशाल निवेश का फैसला किया है। इस राशि से अमेरिकी नौसेना 14 नई पनडुब्बियां खरीदेगी। यह कदम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री वर्चस्व बनाए रखने की अमेरिकी रणनीति का अहम हिस्सा है। अमेरिकी नेवी ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत जनरल डायनेमिक्स इलेक्ट्रिक बोट और हंटिंगटन इंगल्स इंडस्ट्रीज को बड़े डिफेंस कॉन्ट्रैक्ट दिए हैं। इनमें लगभग 42 अरब डॉलर की लागत से 9 वर्जीनिया क्लास न्यूक्लियर अटैक पनडुब्बियां तथा 29.5 अरब डॉलर की लागत से 5 कोलंबिया क्लास बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियां बनाई जाएंगी। इसके

अतिरिक्त करीब 5 अरब डॉलर जहाज निर्माण उद्योग की क्षमता बढ़ाने, कुशल मानव संसाधन विकसित करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर खर्च किए जाएंगे। कोलंबिया क्लास पनडुब्बियां अमेरिका की पुरानी ओहायो क्लास परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों का स्थान लेंगी। ओहायो क्लास की 18 पनडुब्बियां वर्ष 1981 से 1997 के बीच अमेरिकी नौसेना में शामिल की गई थीं। नई योजना के तहत कुल 12 कोलंबिया क्लास पनडुब्बियां तैयार की जाएंगी, जो अमेरिका की समुद्र आधारित परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को 2080 के दशक तक बनाए रखेंगी। इन पनडुब्बियों में ट्राइडेंट-2 डी5 परमाणु बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात होंगी। ये अमेरिका के परमाणु त्रिकोण यानी न्यूक्लियर ट्रायड के समुद्री हिस्से की रीढ़ मानी जाती हैं और किसी भी परमाणु हमले की स्थिति में विश्वसनीय सेकेंड स्ट्राइक क्षमता सुनिश्चित करती हैं। दूसरी ओर, वर्जीनिया क्लास अटैक पनडुब्बियां अमेरिकी नेवी की पारंपरिक और रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करेंगी। इनका उपयोग लंबी दूरी तक सटीक हमले, खुफिया जानकारी जुटाने, विशेष अभियान संचालित करने और दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने तथा उन्हें नष्ट करने के लिए किया जाएगा। इनका नवीनतम ब्लॉक-वी वेरिएंट वर्जीनिया पेलोड मॉड्यूल से लैस होगा, जिससे इन पनडुब्बियों में अतिरिक्त क्रूज मिसाइलें ले जाने की क्षमता विकसित होगी। इससे अमेरिका की लंबी दूरी की समुद्री आक्रामक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

भारतीय नौसेना के सामने चुनौती

भारतीय नौसेना के पास वर्तमान में 16 पारंपरिक डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां हैं, जो कलवरी, सिंधुघोष और शिशुमार श्रेणियों में विभाजित हैं। सिंधुघोष श्रेणी की चार पनडुब्बियां सेवा से हटाई जा चुकी हैं, जबकि शिशुमार श्रेणी का जीवनकाल बढ़ाने के लिए उनका आधुनिकीकरण किया गया है। फ्रांसीसी स्कॉर्पीन डिजाइन पर आधारित कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों में स्वदेशी एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन प्रणाली लगाने की योजना है। ये पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के भीतर रह सकेंगी और दुश्मन की निगरानी से बचने की उनकी क्षमता बढ़ेगी। इंडियन नेवी की बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट-75आई योजना अभी भी लंबित है। वर्ष 1999 में तैयार 30 वर्षीय पनडुब्बी निर्माण योजना के तहत 6 से 9 अत्याधुनिक एआईपी युक्त पनडुब्बियां शामिल करने का लक्ष्य रखा गया था। लगातार हो रही देरी के कारण भारत का लक्ष्य 2030 तक 24 पारंपरिक पनडुब्बियों का बेड़ा तैयार करने का फिलहाल अधूरा दिखाई दे रहा है।

मायावती ने आकाश आनंद के ससुर से छीना 4 राज्यों का प्रभार

लखनऊ। 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बहुजन समाज पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों को लेकर बड़ी फेरबदल की है। इस बदलाव के तहत अशोक सिद्धार्थ को 4 राज्यों के प्रभारी पद से हटा दिया गया है। अशोक सिद्धार्थ केरल, कर्नाटक, गुजरात और दिल्ली के प्रभारी पद से हटाए गए हैं। इसके अलावा अशोक सिद्धार्थ के करीबी नितिन सिंह को भी पदों से हटाया गया है। सूत्रों के मुताबिक यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अशोक सिद्धार्थ को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। यूपी में प्रयागराज, मिर्जापुर, सोनभद्र मंडल की जिम्मेदारी अशोक सिद्धार्थ को मिल सकती है। बता दें कि बीएसपी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद के ससुर हैं अशोक सिद्धार्थ। नेशनल कोऑर्डिनेटर और मध्य प्रदेश के प्रभारी राजाराम को केरल गुजरात और कर्नाटक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा नेशनल कोऑर्डिनेटर राम जी गौतम को दिल्ली का संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। रामजी गौतम को पंजाब के प्रभारी पद से हटाकर रणधीर सिंह बेनीवाल को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने लगभग 25 सीटों पर उम्मीदवार तय कर लिए हैं। चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने वर्ष 2007 में अपने दम पर बसपा की बहुमत की सरकार बनाई। 2012 से पार्टी का प्रदर्शन लगातार गिरा है और 2022 के चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट पर सिमट गई थी। उप्र विधानसभा की 403 सीटें हैं। अपने आधिकारिक एक्स पर एक पोस्ट में मायावती ने कहा कि चुनाव की तैयारी के लिए लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में राज्य स्तरीय कई बैठकें की जा चुकी हैं और आगे भी होंगी। इन बैठकों में प्रदेश और मंडल स्तरीय पदाधिकारियों को उम्मीदवार चयन के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

ईरान पर होगा भीषण अटैक

डोनाल्ड ट्रंप के प्लान से चौकन्ना हुए सऊदी प्रिंस

वाशिंगटन

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की है। इस दौरान उन्होंने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना की बड़े पैमाने पर नए हमले करने के प्लान पर चिंता जताई है। दो अमेरिकी अधिकारियों और इस फोन कॉल की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने इस बातचीत की पुष्टि की है। सूत्र ने बताया, सऊदी अरब ने अमेरिका की इस प्लानिंग पर गंभीर चिंता जताई है और पूरे प्लान पर सफाई मांगी है।

दरअसल, जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर हुए ईरानी मिसाइल हमले और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही में हो रही रुकावटों के जवाब में ट्रंप बेहद सख्त रुख अपना रहे हैं। वो आने वाले दिनों में ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर जोरदार हमले करने के बारे में सोच रहे हैं। बातचीत की जानकारी रखने वाले दूसरे सूत्र ने बताया कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से हमलों को रोकने की अपील की है। हालांकि व्हाइट हाउस और वॉशिंगटन स्थित सऊदी दूतावास ने इस मामले में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले, बुधवार को ट्रंप ने सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान से मुलाकात की थी।

सूत्रों के मुताबिक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ हुई बैठक में सऊदी रक्षा मंत्री ने बताया था कि उनका देश ईरान के साथ मामले को सुलझाने और तनाव घटाने के पक्ष में है। दूसरी तरफ, ईरान ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका हमला करता है, तो वो इजरायल और खाड़ी देशों के ऊर्जा और बुनियादी ठिकानों पर पलटवार करेगा। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को सऊदी अरब और तुर्की के विदेश मंत्रियों

से बात की। अपने टेलीग्राम चैनल पर जारी बयान के मुताबिक अराघची ने सऊदी विदेश मंत्री से कहा, अमेरिका या इजरायल की किसी भी कार्रवाई या उसमें क्षेत्रीय देशों की भागीदारी का ईरान के सशस्त्र बल करारा और बराबर का जवाब देंगे। बता दें कि मिडिल-ईस्ट की जंग रोकने के लिए सऊदी अरब के साथ-साथ कतर, यूएई, तुर्की और पाकिस्तान जैसे देश भी अमेरिका और ईरान पर दबाव बना रहे हैं। शनिवार को कतर ने ईरानी विदेश मंत्री, व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ और ओमान के अधिकारियों से अलग-अलग बातचीत की, ताकि होर्मुज को फिर से खोलने पर सहमति बन सके।

शॉपिंग माल के रेस्टोरेंट में भीषण गोलीबारी, 3 की मौत

इडाहो। अमेरिका में एक बार फिर से मास शूटिंग की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इडाहो राज्य के ट्विन फॉल्स शहर स्थित एक व्यस्त शॉपिंग मॉल में शनिवार को एक सिरफिरे ने अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। इस भीषण गोलीबारी में 2 मासूम नागरिकों की मौत हो गई जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जवाबी मुठभेड़ में हमलावर को भी मौके पर ही ढेर कर दिया है। इस मौके पर ट्विन फॉल्स पुलिस चीफ मैथ्यू हिक्स ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि फायरिंग मॉल के अंदर स्थित इन-एन-आउट बर्गर रेस्टोरेंट के पास हुई। भारतीय समयानुसार शनिवार दोपहर करीब 2.30 बजे हमलावर अपने साथ एआर-स्टाइल की राइफल लेकर आया था। उसने रेस्टोरेंट के पार्किंग लॉट में खड़े और घूम रहे बेकसूर लोगों पर अचानक गोलियां बरसानी शुरू कर दीं जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर हमलावर को घेर लिया। पुलिस ने उसे हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन हमलावर ने पुलिस पर भी फायरिंग जारी रखी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस स्नाइपर्स ने हमलावर को गोली मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। करीब एक घंटे के भीतर स्थिति पर काबू पा लिया गया। फिलहाल हमलावर की पहचान और इस हमले के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है।

हिजबुल-लश्कर के ठिकाने का भंडाफोड़

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने शनिवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में एक आतंकी ठिकाने से हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर ए तैयबा के पोस्टर, दवाएं व अन्य साजो सामान बरामद करने का दावा किया है। बाद में सुरक्षाबलों ने आतंकी ठिकाने को नष्ट कर दिया। उल्लेखनीय है कि केलम, कुलगाम में गत शुक्रवार को आतंकियों द्वारा दो श्रमिकों की हत्या किए जाने के बाद पूरे इलाके में सुरक्षाबलों ने अपने आतंकरोधी अभियान तेज कर रखे हैं। यहां मिली जानकारी के अनुसार, सेना की 34 आरआर के जवानों ने शनिवार को एक विशेष सूचना के आधार पर कुलगाम के नरवनी-हट्टिपोरा इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इसी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने एक जगह विशेष पर बने एक आतंकी ठिकाने का पता लगाया और वहां से हिजबुल मुजाहिदीन व लश्कर-ए-तैयबा के पोस्टर, कुछ दवाएं, बर्तन, राशन व अन्य साजो सामान बरामद करने का दावा किया है।

सिद्धिविनायक मंदिर से हर साल 18 करोड़ रुपये का दान होता है चोरी

मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दावा किया है कि मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर में हर साल 18 करोड़ रुपये का चंदा हड़प लिया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अयोध्या के राम मंदिर में 1,400 करोड़ रुपये की चोरी हुई है। ठाकरे ने कहा कि आजकल मंदिर भी सुरक्षित नहीं हैं और उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर बात करें। एमएनएस प्रमुख शनिवार को अपनी पार्टी की छात्र शाखा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि निराश युवा मंदिरों में जाते हैं लेकिन मंदिर भी भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं हैं। ठाकरे ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को आठ ट्रस्टियों द्वारा लिखे गए एक पत्र को पढ़कर सुनाते हुए कहा कि सिद्धि विनायक मंदिर के दान

पेटी से पैसे चुराने वाले कुछ कर्मचारियों को ट्रस्टियों की सतर्कता के कारण पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि चोरी पकड़े जाने से पहले मंदिर की दान से होने वाली साप्ताहिक कमाई 50 लाख रुपये से कम थी और उसके बाद यह कलेक्शन बढ़कर 1.5 करोड़ रुपये हो गया। ठाकरे ने आरोप लगाया कि हर साल 18 करोड़ रुपये की चोरी हो रही थी।

ट्रस्ट के चेयरमैन ने कहा- सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता सदा सरवणकर ने कहा कि इस मामले में नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। जहां भी जरूरत पड़ी, हमने मामले दर्ज किये हैं। सरवणकर ने कहा कि दान में बढ़ोतरी ट्रस्ट की कोशिशों की वजह से हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर की आय दो साल पहले के 114 करोड़ रुपये से बढ़कर 182 करोड़ रुपये हो गई है। खास बात यह है कि पुलिस ने राम मंदिर में दान की कथित चोरी के मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच चल रही है।

'मुझे दूसरी जिंदगी मिल गई, पीएम मोदी ने माफ कर दिया'

नई दिल्ली

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली 15 साल की लड़की का एक और नया वीडियो सामने आया है। इस नए वीडियो में वह कहती सुनाई दे रही है कि मैं बहुत खुश हूं कि पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। वीडियो में लड़की आगे कहती है कि एक तरह से यह मुझे दूसरी जिंदगी मिली है। मैंने इतनी बड़ी गलती की थी कि मैंने बिल्कुल भी नहीं सोचा था कि मुझे माफ कर दिया

जाएगा। एक बार को मुझे लगा था कि मेरा सबकुछ खत्म हो गया है। लेकिन पीएम मोदी ने मुझे तुरंत माफ कर दिया। उसने बताया कि जिस इंसान के बारे में मैंने इतने बुरे अपशब्द कहे थे, उसी ने मुझे माफ कर दिया। उसने यह भी कहा कि मैंने बहुत बुरे शब्द कहे थे, मुझे माफ कर देना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

इससे पहले भी लड़की ने एक वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में वह पूरे देश के लोगों से माफी मांगती नजर आ रही थी। उसने इस वीडियो में कहा था कि मैं बहुत शर्मिंदा हूं, मैं अपनी नजरें भी नहीं उठा पा रही हूं। साथ ही उसने अपनी उम्र का जिक्र करते हुए कहा था कि मैं सिर्फ 15 साल की हूं, क्योंकि नोएडा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में उसकी उम्र 25 साल बताई गई थी। खास बात यह है कि लड़की को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने पूरे देश के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी है। नोएडा पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए लड़की के खिलाफ बीएनएस की धारा 352, 353 (1) और 356 (1) में मामला दर्ज किया है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

'सावन के झूलों ने...' 37 सालों से बना हुआ है कल्ट क्लासिक गीत

सावन का महीना शुरू हो गया है और अब बागों में मौजूद पेड़ों पर झूले पड़ने शुरू हो गए। आज की जेनरेशन जेन-जी ... बेशक इन सब ... चीजों पर ... अधिक ध्यान न दें, लेकिन ... अगर आप 90 ... के दशक में या ... उससे पहले ... पैदा हुए हैं ... त ...

यकीनन तौर पर सावन और झूलों का मेल समझ सकते हैं। इसी आधार पर अभिनेता सनी देओल का एक ऐसा ... गीत भी मौजूद है, ... जो सावन के ... महीने में ... झूला झूलने ... का मजा ... दोगुना कर ... देता है। ... पिछले 37 ... सालों से इस ... गाने को ... सावन के ... महीने में खूब ... सुना जाता है। हिंदी ... सिनेमा की तरफ से हर ... मौसम और उत्सव ... को मद्देनजर रखते हुए कई शानदार गानों का निर्माण किया गया है। इसी तर्ज पर सावन के महीने के लिए भी कई सारे गीत मौजूद हैं, जिनमें सनी देओल का एक सॉन्ग सबसे फेवरेट माना जाता है। उस गीत का नाम है- सावन के झूलों ने...। साल 1989 में रिलीज होने वाली सनी देओल और अभिनेत्री श्रीदेवी स्टारर फिल्म निगाहें से नाता रखने वाला ये गीत आज भी सावन के महीने में झूला झूलते वक्त धड़ल्ले से सुना जाता है। सावन के झूलों ने... सॉन्ग को सनी देओल और श्रीदेवी पर फिल्माया गया है, जो आज भी फैंस का पसंदीदा माना जाता है। सावन के झूलों ने... को दिग्गज गायक रहे मोहम्मद अजीज ने अपनी मधुर आवाज में गाकर अमर किया था। इसके अलावा संगीतकार लक्ष्मीकांत और प्यारेलाल की जोड़ी ने इसका शानदार संगीत तैयार किया, जबकि महान गीतकार रहे आनंद बक्शी ने इसके लिरिक्स को अपनी कलम से लिखा था। इस तरह से सनी देओल का ये गाना कल्ट क्लासिक बना। फिल्म नगीना के सीक्वल के तौर पर निगाहें को सफलता बेशक मिली, लेकिन आज भी इस मूवी की लोकप्रियता सनी देओल पर फिल्माए गए गीत सावन के झूलों ने... की वजह से ही मानी जाती है।

गट्टा कुश्ती 2 ने 350 करोड़ कमाने वाली फिल्म से छीना ताज

नेटफ्लिक्स पर साउथ सिनेमा की एक नई फिल्म को रिलीज किया गया है, जिसने थिएटर्स में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। यह एक पुरानी फिल्म का सीक्वल है, जिसका पहला पार्ट करीब 4 साल पहले सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। पहले भाग की अपार सफलता के बाद कुछ महीने पहले इसका दूसरा पार्ट आया, जिसने थिएटर्स से लेकर बॉक्स ऑफिस तक कामयाबी के झंडे गाड़े हैं और अब ये ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर भी नंबर-1 बन गई है। दरअसल फिल्म का नाम है- गट्टा कुश्ती 2। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विष्णु विशाल और ऐश्वर्या लक्ष्मी स्टारर गट्टा कुश्ती 2 एक स्पोर्ट्स ड्रामा एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जो साल 2022 में आई गट्टा कुश्ती का आधिकारिक सीक्वल है।

ओटीटी पर कब्जा जमाने आ रही लेनिन

साउथ सिनेमा के वेटरन एक्टर नागार्जुन के बेटे और एक्टर अखिल अक्कीनेनी ने हाल ही में फिल्म लेनिन के जरिए सिनेमाघरों में जोरदार वापसी की थी। माइथोलॉजिकल और एक्शन टच वाली लेनिन ने बड़े पर्दे पर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अब मेकर्स की तरफ से इसकी ओटीटी रिलीज का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि अखिल अक्कीनेनी स्टारर लेनिन को ओटीटी पर कब और कहां स्ट्रीम किया जाएगा। अक्सर देखा जाता है कि सिनेमाघरों में रिलीज के करीब महीनेभर साउथ फिल्मों को ओटीटी पर ऑनलाइन स्ट्रीम कर दिया जाता है। क्योंकि इन मूवीज के डिजिटल राइट्स की डील थिएटर्स रिलीज से पहले कर दी जाती है। इस आधार पर अखिल अक्कीनेनी की लेनिन के मामले भी इसकी ओटीटी रिलीज का सौदा मेकर्स ने बड़े पर्दे पर आने से पहले ही कर दिया था, जिसकी डील ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 के साथ हुई है। मेकर्स की तरफ से अब ये साफ कर दिया है कि आने वाले 7 अगस्त 2026 को अखिल अक्कीनेनी की लेनिन को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर ऑनलाइन स्ट्रीम कर दिया जाएगा। इसकी जानकारी खुद जी5 ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर लेटेस्ट ट्वीट शेयर कर दी है। हालांकि, अभी ये साफ नहीं हुआ है कि जी5 पर आपको ये साउथ फिल्म हिंदी भाषा में देखने को मिलेगी या नहीं। लेकिन इतना तय किया गया है कि तेलुगु भाषा में 7 अगस्त को जी5 पर लेनिन का एक्सक्लूसिव प्रीमियर होगा। 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली लेनिन ने सही मायनों में अपनी शानदार कहानी से हर किसी को प्रभावित किया है, अब देखना ये होगा कि ओटीटी पर ये क्या कमाल दिखाती है। गौर किया जाए लेनिन की कमर्शियल परफॉर्मेंस की तरफ तो इस मूवी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर लगभग 50 करोड़ का कारोबार किया है, जबकि वर्ल्डवाइड इस फिल्म का कलेक्शन 70 करोड़ रहा है।

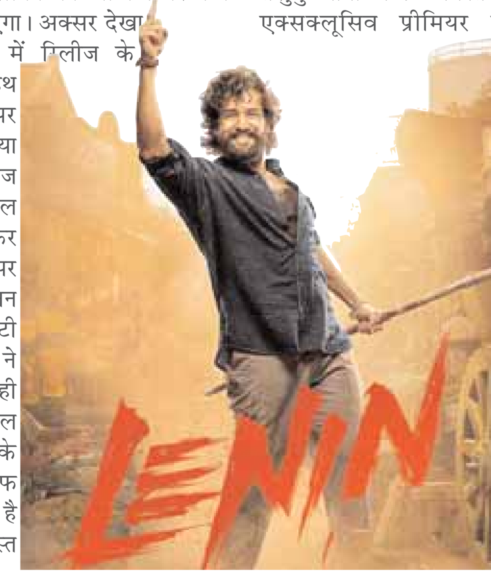

जिला अस्पताल को मिली डायलिसिस मशीन

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने किया शुभारंभ

स्व. अजय नारायण मुशरान के व्यक्तित्व और जनसेवा को किया नमन

जनसेवा से बड़ा कोई कार्य नहीं : राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। जिला अस्पताल नरसिंहपुर में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में रविवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ी, जब पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग के मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने नई डायलिसिस मशीन का लोकार्पण कर मरीजों के लिए उपचार सुविधा का शुभारंभ किया। विदित है कि राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा की सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से 21 लाख रुपये की लागत से स्थापित दो नई हीमोडायलिसिस मशीन प्रदान की गई है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जिला अस्पताल में डायलिसिस मशीन शुरू होने से अब किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को उपचार के लिए अन्य शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। इससे उनका समय और धन बचेगा तथा उन्हें स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और विशेषज्ञ सेवाओं के माध्यम से जिला अस्पतालों को निरंतर सशक्त बनाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को समय पर बेहतर उपचार मिल सके।कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री पटेल ने स्वर्गीय श्री अजय

नारायण मुशरान के व्यक्तित्व और सार्वजनिक जीवन से जुड़े संस्मरण भी साझा किए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति की पहचान केवल उसके पद से नहीं, बल्कि उसके संस्कार, सादगी, व्यवहार और रिश्तों को निभाने की क्षमता से होती है।

उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अजय नारायण मुशरान राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय मूल्यों को जीने वाले व्यक्तित्व थे। वे अध्ययनशीलता, सादगी और आत्मीय व्यवहार के प्रतीक थे। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि जब वे पहली बार सांसद बनकर संसद में पहुंचे तब स्व. अजय नारायण मुशरान ने निरंतर अध्ययन करने और संसदीय कार्यवाही पढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने सिखाया कि जनप्रतिनिधि के लिए भाषा नहीं, बल्कि विषय का ज्ञान, तैयारी और गंभीरता सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि स्वर्गीय श्री मुशरान ने हमेशा सादगीपूर्ण जीवन जिया और आम लोगों के बीच सहज रूप से रहे। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को भी जनता से जुड़े रहकर सेवा और विनम्रता की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए। नरसिंहपुर की राजनीतिक संस्कृति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यहां मतभेदों के बावजूद आपसी सम्मान और आत्मीयता की स्वस्थ परंपरा रही है, जिसे आगे भी बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। राज्यसभा सांसद श्री विवेक तन्खा ने कहा कि नरसिंहपुर आना उनके लिए अपने परिवार के बीच आने जैसा है।

उन्होंने कहा कि मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से उनका वर्षों पुराना पारिवारिक रिश्ता है और जनसेवा के अनेक अवसरों पर दोनों ने साथ मिलकर कार्य किया है। श्री तन्खा ने जबलपुर में आए भूकंप के समय को याद करते हुए कहा कि उस कठिन दौर में वे रोटरी क्लब के माध्यम से राहत एवं सेवा कार्यों में जुटे हुए थे। उस समय श्री प्रहलाद सिंह पटेल भी स्वयं मौके पर मौजूद रहकर प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने और उनकी हरसंभव सहायता करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में लोगों के बीच रहकर सेवा करना ही सच्चा जनप्रतिनिधि होने का परिचायक है। उन्होंने कहा कि आज जिला अस्पताल को दो डायलिसिस मशीनों की सौगात मिली है, जो जिले के मरीजों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जीवन बचाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ना सबसे बड़ा मानवीय कार्य है और ऐसे प्रयासों में वे हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे। श्री तन्खा ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की आधुनिक डायलिसिस मशीनें छोटे-छोटे शहरों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि गंभीर मरीजों को उपचार के लिए बड़े शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने बताया कि वे जबलपुर में एक अत्याधुनिक डायलिसिस सेंटर स्थापित करने की दिशा में भी प्रयासरत हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि रहली में डायलिसिस मशीन की स्थापना के लिए 10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार की पहल से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनेंगी तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सकेगा। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, पूर्व विधायक श्रीमती सुनीता पटेल, रामसनेही पाठक, श्री महंत प्रीतम पुरी गोस्वामी, मैथिलीशरण तिवारी, रुद्रेश तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, सीएमएचओ, सिविल सर्जन, गणमान्य नागरिक और जिला अस्पताल का स्टाफ मौजूद था।

पूर्वजों की स्मृति में पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणादायी पहल : मंत्री प्रहलाद पटेल

रोटरी क्लब के तत्वावधान में आयोजित यादों की छाँव अभियान में हुए शामिल

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

रोटरी क्लब ऑफ नरसिंहपुर सिटी के तत्वाधान में आयोजित यादों की छाँव वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत रविवार को श्याम सुंदर नारायण मुशरान पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनका संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण करना नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भाव विकसित करना है। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता हमेशा यह रही है कि लगाए गए पौधे सुरक्षित रहें और सूखने न पाएं। वृक्षारोपण तभी सार्थक माना जाएगा, जब लगाए गए पौधे बड़े वृक्ष बनकर आने वाली पीढ़ियों को छाया, स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर जीवन प्रदान करें। मंत्री श्री पटेल ने रोटरी क्लब की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने केवल पौधे लगाने तक अपने दायित्व को

सीमित नहीं रखा, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण का उत्तरदायित्व भी पूरी निष्ठा से निभाया है।

यह समाज के लिए अनुकरणीय पहल है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री विवेक तन्खा ने कहा कि जनसेवा से बड़ा कोई कार्य नहीं है। उन्होंने रोटरी क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समाज की भागीदारी से ऐसे अभियान व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप ग्रहण करते हैं।

यादों की छाँव अभियान के माध्यम से पूर्वजों और प्रियजनों की स्मृति में पौधे लगाने का यह प्रयास अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायी है। इससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियां भी अपने पूर्वजों की स्मृतियों से जुड़ी रहेंगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वर्गीय श्री श्याम सुंदर नारायण मुशरान के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री एनपी प्रजापति, पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, पूर्व विधायकद्वय श्री संजय शर्मा एवं श्रीमती सुनीता पटेल, महंत प्रीतम पुरी गोस्वामी, श्री रामसनेही पाठक, श्री राम क़िलेदार, रूद्रेश तिवारी, श्री मयंक मनोहर साहू सहित रोटरी क्लब के पदाधिकारी, समाजसेवी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

उर्वरक वितरण के लिए हाईब्रिड मोड व्यवस्था

किसानों को टोल-फ्री नंबर और डबल लॉक केंद्रों के माध्यम से मिलेगा टोकन, एसएमएस से दी जाएगी जानकारी

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। खरीफ सीजन में किसानों को उर्वरक वितरण की व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और सुगम बनाने के उद्देश्य से हाईब्रिड मोड से उर्वरक वितरण व्यवस्था लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए टोकन प्रणाली अपनाई जाएगी तथा वितरण की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संचालित किया जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत किसान टोल-फ्री नंबर 07792-181 पर कॉल कर अपना नाम, मोबाइल नंबर, समग्र आईडी, खसरा नंबर, ग्राम, तहसील तथा निकटतम खाद वितरण केंद्र की जानकारी देकर उर्वरक के लिए टोकन बुक करा सकेंगे। उपलब्ध स्टॉक के अनुसार किसानों के पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से टोकन जारी किया जाएगा, जिसमें वितरण केंद्र, तिथि और समय का उल्लेख रहेगा। निर्धारित समय पर किसान संबंधित केंद्र से उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त जिले के डबल लॉक केंद्रों पर भी किसान प्रतिदिन (रविवार को छोड़कर) दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक ऑफलाइन टोकन प्राप्त कर सकेंगे। जारी किए गए टोकन तीन दिनों तक वैध रहेंगे।

किसान कॉल सेंटर के माध्यम से अथवा सीधे डबल लॉक केंद्र पहुंचकर भी ऑफलाइन टोकन बुक करा सकेंगे। सभी शासकीय संस्थाएं, विपणन संघ, मार्केटिंग फेडरेशन, एम.पी. एग्रो तथा निजी उर्वरक विक्रेता निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही किसानों को उर्वरक वितरित करें। साथ ही विक्रय की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करना तथा निर्धारित अभिलेखों का संधारण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे।

प्रमुख केन्द्रों पर प्रतिदिन जारी होंगे 100 टोकन

जिले के नरसिंहपुर, करेली, करकबेल, गोटेगांव, सालीचौका एवं गाडरवारा स्थित विपणन संघ के डबल लॉक केन्द्रों, मार्केटिंग फेडरेशन केन्द्रों तथा एमपी एग्रो केन्द्र (नरसिंहपुर) पर यह व्यवस्था लागू की गई है। प्रत्येक केन्द्र से प्रतिदिन 100 टोकन जारी किए जाएंगे तथा किसानों को अनुशंसित मात्रा के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा।

किसान रविवार को छोड़कर प्रतिदिन दोपहर 12 से 2 बजे तक जिले के डबल लॉक केन्द्रों पर ऑफलाइन टोकन भी प्राप्त कर सकेंगे। जारी किया गया टोकन अगले दिन से तीन दिनों तक वैध रहेगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में उर्वरक वितरण व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को समय पर आवश्यक उर्वरक उपलब्ध हो सके और खरीफ फसल की बुआई प्रभावित न हो।

वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। राइजिंग विंग्स फाउंडेशन एवं विशाल जनकल्याण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम महादेव पिपरिया में वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरण, अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करना तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक सुनील जायसवाल , जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कंछेदी पटेल, जिला अध्यक्ष सेवादल अतुल चौरसिया , विधानसभा प्रभारी सेवादल अंकुर बटरी , ग्राम घाट पिपरिया के सरपंच तेजबल सिंह पटेल , ग्राम बमोरी के सरपंच सुरेन्द्र सिंह गुमास्ता, शिव मंदिर के पुजारी गुलाब गिरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। राइजिंग विंग्स फाउंडेशन की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी रूपेश कुमार बरसैंया , सचिव अमर सिंह सिलावट तथा अध्यक्ष रामजी बरसैंया , मिथलेश सिलावट ने सहभागिता की।

अटल टिंकरिंग लैब के लोकार्पण से विद्यार्थियों को मिलेगी नवाचार की नई दिशा : पटेल

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रविवार को शासकीय एम.एल.बी. स्कूल, नरसिंहपुर में लगभग 16.30 लाख रुपये की लागत से स्थापित अटल टिंकरिंग लैब का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ नवाचार और वैज्ञानिक सोच का विकास समय की आवश्यकता है। अटल टिंकरिंग लैब विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को नई दिशा देगी और उन्हें विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी। मंत्री श्री पटेल ने सभी को श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पवित्र माह साधना, सेवा और आत्मचिंतन का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय से संबंधित जिन आवश्यकताओं की मांग की गई है, उन्हें प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जीवन में सुख और दुख

दोनों आते हैं। किसी का जीवन केवल कष्टों या केवल सुखों से नहीं गुजरता। इसलिए परिस्थितियों से घबराने के बजाय स्वयं को हर चुनौती के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करना चाहिए। कठिनाइयों को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास का अवसर मानने वाले ही जीवन में आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि और सकारात्मक सोच व्यक्ति को हर परिस्थिति में मजबूत बनाती है। यदि मन दृढ़ हो तो वही परिस्थितियां, जो किसी के लिए दंड जैसी प्रतीत होती हैं, साधना का माध्यम बन जाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, संयम और आत्मबल को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए मंत्री श्री पटेल ने बताया कि नियमित खेल, व्यायाम, अखाड़े की दिनचर्या और निरंतर अध्ययन ने उन्हें कठिन परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति दी। उन्होंने कहा कि अनुशासित जीवन व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है तथा चुनौतियां उसकी दिनचर्या का सामान्य हिस्सा बन जाती हैं।मंत्री श्री पटेल ने छात्राओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि आज बेटियां शिक्षा, खेल और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और समाज का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बेहतर शिक्षा, खेल और नवाचार की सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना समाज और शासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित और सशक्त समाज का निर्माण केवल कानून से नहीं, बल्कि आत्मानुशासन, शारीरिक क्षमता और सामाजिक एकजुटता से होता है। घर और विद्यालय ऐसे संस्कारों की पहली पाठशाला हैं, जहां से मजबूत और जिम्मेदार नागरिक तैयार होते हैं।

समाज में संस्कार, शुचिता और मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाने में मातृशक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।उन्होंने अटल टिंकरिंग लैब का अवलोकन भी किया था परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

सात साल सिर्फ इलाज नहीं, लाखों दुआओं का सफर

141 मरीजों का हुआ निशुल्क उपचार। निशुल्क मिली दवाइयां

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । साई धामं मंदिर समिति कान्हरगाव के युवाओं द्वारा भगवान सत्य साई बाबा के बताये हुए मार्ग मानव सेवा ही माधव सेवा है।को चरितार्थ करते हुये। माह के प्रथम रविवार को साई सेवा केन्द्र साई धाम मंदिर (कान्हरगाव) में निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन हर माह के पहले रविबार को किया जाता है।जिसमें इस रविबार 84 वें

कैम्प का आयोजन किया गया।जिसमें शहरों एंव अनेक गावों के लगभग 141 मरीजों ने अपना उपचार करवाया।साथ ही युवाओं द्वारा निशुल्क दवाईयों का वितरण भी किया गया। वही मेडीकल केंप को पालिथिन मुक्त रहां सभी मरीजों को कागज के पाकिट एंव कपड़े के थेले में दवाईयां वितरित कि गयी।मेडीकल कैम्प में डाक्टर स्वाती कुरचानिया, डाक्टर संजय मोदी, मनीष महोबिया डाक्टर अरूण दोहरे,डाक्टर राघवेन्द्र पुरी, सहयोगी,राहुल गिरी गोस्वामी, प्रशांत सोनी,बबलू भाई सहित साई धाम मंदिर समिति के युवाओं ने अपनी सेवायें प्रदान कि। मेडीकल कैम्प में जबलपुर, सोहागपुर, पिपरिया,इटारसी,नरसिंहपुर, गाडरवारा, बरेली, थलबाड़ा, सुजवारा,नारगी,ईमलिया,भूतखेड़ा, चीचली,ढाना,कठौतिया,मगरमुहा,ि छद्बाड़ा,बाबई, महलबाड़ा, महगवा, कान्हरगांव सहित अनेक गावों के मरीज उपस्थित रहे।

जिला जेल उमरिया में जिला आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जेल में परिरुद्ध बंदियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं शारीरिक सुधार को दृष्टिगत रखते हुए गुरुवार 30 जुलाई को जिला आयुष विभाग, जिला उमरिया के द्वारा जेल परिसर में एक विशेष आयुष स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान जिला आयुष अधिकारी डॉ. विनोद सिंह एवं डॉ. दिनेश उइके द्वारा बंदियों के स्वास्थ्य का गहन परीक्षण व उपचार किया गया। इस शिविर में कुल 36 बंदियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं औषधियां वितरित की गई।

विकासखण्ड स्तर पर भी होगी प्रभावी जनसुनवाई : कलेक्टर

सिंगरौली । आम नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी गौरव बैनल द्वारा एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। जिला स्तरीय जनसुनवाई में दूर-दराज के ग्रामीणों की बढ़ती उपस्थिति को देखते हुए प्रशासन ने विकासखण्ड स्तर पर जनसुनवाई को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया है, ताकि आवेदकों को जिला मुख्यालय न आना पड़े।

?इस आदेश के तहत अब प्रत्येक मंगलवार को प्रातः 11ः00 बजे से दोपहर 01ः00 बजे तक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय चितरंगी सभागार, मंगल भवन जनपद कार्यालय देवसर तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय सभागार माड़ा में जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। इस जनसुनवाई की अध्यक्षता संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) करेंगे और इसमें विकासखण्ड स्तर के सभी विभागों के अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। माड़ा सभागार में राजस्व अधिकारियों के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के ॅछश्वह/क्ष्ह भी मौजूद रहेंगे। जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई होने के कारण विकासखण्ड सिंगरौली के लिए पृथक से आयोजन नहीं होगा। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य आवेदकों को त्वरित समाधान देना है और समय लगने वाले मामलों में आवेदकों को सही व यथोचित जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

दक्ष इंटरनेशनल स्कूल ने निभाई जिम्मेदार नागरिक संस्था की भूमिका

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर के प्रतिष्ठित दक्ष इंटरनेशनल स्कूल के संस्थापक एवं प्राचार्य ने नगर पालिका अध्यक्ष महोदय से शिष्टाचार भेंट कर नगर के विकास एवं जनहित के कार्यों पर सकारात्मक चर्चा की। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जिसमें स्कूल प्रबंधन ने नगर पालिका के साथ सहयोगात्मक कार्य करने तथा नियमानुसार देय कर (टैक्स) जमा कराने पर सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने कहा कि जब नगर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं, तो इससे अन्य संस्थाओं को भी प्रेरणा मिलती है और नगर के विकास कार्यों को गति मिलती है।दक्ष इंटरनेशनल स्कूल प्रबंधन ने भी विश्वास दिलाया कि शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाना उनकी प्राथमिकता है।

वे भविष्य में भी नगर के विकास एवं जनहित के कार्यों में नगर पालिका का पूरा सहयोग करेंगे।नगरवासियों ने स्कूल प्रबंधन की इस सकारात्मक पहल की सराहना करते हुए इसे जिम्मेदार एवं आदर्श संस्थान की पहचान बताया।

श्रावण के प्रथम सोमवार को निकलेगी विशाल कांवड़ यात्रा

उमरिया (स्वतंत्रमत)। श्रावण के प्रथम सोमवार 3 जुलाई को नगर मे हम राम जी के, राम जी हमारे हैं प्रभात संकीर्तन मंडल के तत्वावधान मे प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी विशाल कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार यात्रा मे चंदिया नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या मे श्रद्धालु शामिल होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत करीब चार किलोमीटर दूर उमरिया रोड पर स्थित कथली गंगा उद्गम स्थल के पास बरमबाबा मंदिर के पीछे से होगी। कांवड यात्रा का बिरसा मुंडा चौक पर स्वागत किया जाएगा।

उच्च माध्यमिक शिक्षकों ने पदोन्नति एवं द्वितीय क्रमोन्नति के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

गत दिवस उच्च माध्यमिक शिक्षकों ने सेवा सदन पहुँचकर स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह को पदोन्नति एवं द्वितीय कृमोन्नति के लिए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शिक्षको ने उल्लेखित किया है कि मप्र में वर्षों से लंबित पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ हो सकी है। इसी क्रम में शिक्षा विभाग में नियमित शिक्षकों की भांति शैक्षणिक संवर्ग की पदोन्नति प्रक्रिया प्रचलन में है। केवल उच्च माध्यमिक शिक्षकों को इस प्रक्रिया से वंचित रखा जा रहा है। शिक्षकों

ने बताया कि उच्च माध्यमिक शिक्षक वर्ष 1998 से ही व्याख्याता पद के विरुद्ध नियुक्त होकर 28 वर्षों से शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अनुभव के साथ 5400/-ग्रेड पे लेकर हायर सेकंडरी प्राचार्य की भी पद की दक्षता रखते हैं।हमारे शैक्षणिक संवर्ग के साथी प्राथमिक शिक्षकों एवं माध्यमिक शिक्षकों को समय-समय पर वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति का लाभ मिलता रहा है। केवल उच्च माध्यमिक शिक्षक आज तक पदोन्नति से वंचित रहे हैं। उच्च माध्यमिक शिक्षक आज भी पदोन्नति के इंतज़ार में हैं।

ज्ञापन में यह भी उल्लेखित किया गया है कि वरिष्ठ विभागीय अधिकारी वर्ष 2018 राजपत्र में प्रकाशित (उच्च माध्यमिक शिक्षक की पदोन्नति हेतु विभागीय परीक्षा के माध्यम से किया जाने) का उल्लेख होने के कारण पदोन्नति नहीं कर पा रहे हैं। शिक्षा विभाग में कार्यरत समस्त कर्मचारियों में यह नियम केवल और केवल उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए ही वर्णित किया गया है। पदोन्नति हेतु इस नियम में संशोधन की आवश्यकता है।

बेहतर अधोसंरचना से सशक्त होगा शहर और आसान होगा आवागमन

लगभग 38 लाख रुपये की लागत से तीन सीसी सड़क निर्माण कार्यों का हुआ भूमिपूजन

कटनी (स्वतंत्र मत)।

नगर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महापौर द्वारा विकास कार्यों का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी क्रम में लगभग 38 लाख रुपये की कुल लागत से तीन सी.सी. सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद सुमित्रा रावत एवं अर्चना विनीत जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ।

महापौर एवं क्षेत्रीय पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ शुभारंभ

तीन स्थानों पर होंगे सी.सी. सड़क निर्माण कार्य

भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 35 की मूंगाबाई कॉलोनी में लगभग 16 लाख 53 हजार रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सी.सी. सड़क का भूमिपूजन किया गया। वहीं वंशस्वरूप वार्ड क्रमांक 29 में लगभग 21 लाख रुपये की लागत से तपसुन के घर से गुड्डा भदौरिया के घर तक तथा चंदई दफाई में दुर्गा मंदिर के बाजू से रतन के घर तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दौरान होने वाली समस्याओं से भी राहत प्राप्त होगी।

सशक्त अधोसंरचना से साकार होगा विकसित शहर का सपना: महापौर

इस अवसर पर महापौर ने कहा कि नगर निगम प्रत्येक वार्ड में जनआवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ स्वीकृत कर समयबद्ध रूप से पूर्ण करा रहा है।

उन्होंने कहा कि सड़क, नाली एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार नगर के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विकास कार्यों से दूर होगी वर्षों पुरानी समस्या: क्षेत्रीय पार्षद

क्षेत्रीय पार्षद सुमित्रा रावत एवं अर्चना विनीत जायसवाल ने क्षेत्रवासियों की ओर से स्वीकृत विकास कार्यों के लिए महापौर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन सड़कों के निर्माण से लंबे समय से चली आ रही आवागमन संबंधी समस्याओं का समाधान होगा तथा क्षेत्र का विकास नई गति प्राप्त करेगा।

नागरिकों से सहयोग की अपील

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर ने क्षेत्रवासियों से विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा निर्माण कार्यों के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य जनसहयोग से ही सफलतापूर्वक पूर्ण हो सकते हैं। नागरिकों से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने, सार्वजनिक संपत्तियों का संरक्षण करने तथा विकास कार्यों के प्रति सकारात्मक सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष मनीष पाठक मेयर-इन-काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी एवं सुभाष साहू, पार्षद वंदना राजकिशोर यादव, प्रभा गुप्ता, सरला मिश्रा, र ाजू शर्मा सहित अन्य समाजसेवी एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

भगवान श्री झूलेलाल चालिहा महोत्सव पर कटायेघाट के तट पर दिखा सिंधु नदी का नजारा

भजनों की स्वर लहरियों में झूमे श्रद्धालु, वरुण देव के गूंजे जयकारे

कटनी (स्वतंत्र मत)।

झूलेलाल चालिहा महोत्सव समिति द्वारा गुरुनानक वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर में मनाये जा रहे झूलेलाल चालिहा महोत्सव की श्रृंखला में 2 अगस्त रविवार को विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह 9 बजे से कटनी नदी के कटाईघाट पर जल देवता की पूजा अर्चना, भजन कीर्तन अखों पल्लव, आरती व दीपदान का आयोजन किया गया। इस मौके पर गायक नरेश चंदानी, हरीश बहलानी द्वारा प्रसिद्ध सिंधी गीत मुहिंजी बेड़ी अथाई विच सीर ते पल्लव पाया थी माँ जिंदह पीर ते यादि गीत प्रस्तुत किए गए। जिसमे श्रद्धालु झूम उठे कार्यक्रम में उपस्थित भारी जनसमूह के बीच धर्ममय अद्भुत नजारा दिखा।

समाजसेवी संजय खूबचंदानी ने बताया कि इस मौके पर नदी के पावन तट में जमकर भजनों की लहरियां व भगवान वरुण देव के जयकारे गूंजे व सबको सिंधु नदी का नज़ारा दिखा। बड़ी संख्या में सिंधी समाज सहित अन्य समाज के लोगों की उपस्थिति रही। समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। अंत में स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इनकी रही उपस्थिति। इस अवसर, पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष चंदू लाल जादवानी, मोहनलाल बत्रा, महेश बहलानी, अशोक बेसानी, अमर चेतवानी, नेवंदराम खूबचंदानी, पा अवकाश जयसवाल, पा गोविंद चावला, हरीश बहलानी, सुरेश गांधी, बालचंद चेतवानी, राजकुमार चेलानी, हेमंत सखानी, बसंत थारवानी, मनोहरलाल बजाज, संजय खूबचंदानी, सुरेश बजाज, अजित केसवानी, वीरेंद्र लालवानी, मदन सेवलानी, राजेश खूबचंदानी, नारायण वलेचा, अक्षत नागवानी, प्रेम बत्रा, कालू तनवानी, टेकचंद साहनी, भेजू जेसवानी, रूपेश खूबचंदानी, अमर पुरुसवानी, अशोक आहुजा, रवि मोटवानी, राजकुमार खीयानी, राजा केलवानी, राजेश रोहरा, राजेश बनवारी, सुरेश रोचलानी, सुशील जसूजा, महेश रोचलानी, गोप मोटवानी, गौतम गैलानी, मेघराज खूबचंदानी, अमृत तनवानी, जेरामदास गुरनानी, अमित मंगलानी, सुभाष गलानी, सुनील बजाज, जगदीश आहुजा, बलराम हासानी, अशोक टोपनानी एवं सिंधी भवरण ग्रुप, सुहिंडा सिंधी ग्रुप एवं सुपर ग्रुप के सभी सदस्य व गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित रहे।

पांच वर्षों की अनाधिकृत अनुपस्थिति पर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्र मत)। शासकीय सेवाओं में अनुशासन, जवाबदेही और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने की दिशा में बहोरीबंद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग पांच वर्षों से लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रही पटवारी प्रीति तिवारी को शासकीय सेवा से पदच्युत (सेवा से पृथक) कर दिया है। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 तथा मध्यप्रदेश पेंशन नियम, 1976 के प्रावधानों के तहत की गई है। कार्यालयीन अभिलेखों के अनुसार प्रीति तिवारी 16 सितंबर 2021 से बिना पूर्व अनुमति एवं बिना किसी सक्षम आदेश के अपने पद से लगातार अनुपस्थित रहीं।

उनकी अनुपस्थिति को लेकर अप्रैल 2022 में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं हुआ। इसके बाद प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को भेजा गया, जहां से भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जनवरी 2023 में संबंधित पटवारी ने डाक के माध्यम से स्वास्थ्य एवं पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए चिकित्सा प्रमाण-पत्र भेजा तथा (नो वर्क-नो पे) के आधार पर असाधारण अवकाश का अनुरोध किया। इसके बाद उन्होंने न तो ड्यूटी जॉइन की और न ही अपनी अनुपस्थिति के संबंध में कोई अन्य आवेदन या दस्तावेज प्रस्तुत किया। प्रशासन ने उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि लगभग पांच वर्षों तक लगातार अनाधिकृत अनुपस्थित रहना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि संबंधित कर्मचारी शासकीय सेवा के प्रति गंभीर नहीं हैं और अपने दायित्वों के निर्वहन में रुचि नहीं रखती हैं।

आदेश में अनाधिकृत अनुपस्थिति की अवधि को मध्यप्रदेश पेंशन नियम, 1976 के नियम-27 एवं मूलभूत नियम 17-ए के तहत सेवा में व्यवधान माना गया है। साथ ही मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के अंतर्गत प्रीति तिवारी को शासकीय सेवा से पदच्युत सेवा से पृथक कर दिया गया है।

डीपीएस कटनी में आयोजित हुआ नव-निर्वाचित छात्र परिषद प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह

कटनी (स्वतंत्र मत)।

गत दिवस दिल्ली पब्लिक स्कूल में नव-निर्वाचित छात्र परिषद प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शाखा निदेशक अनुराग जैन, प्रबंध निदेशिका जूही जैन, सह-निदेशक अनुज जैन, विद्यालय की प्राचार्या सीमा दुबे, उपप्राचार्या शबनम अख्तर, नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों के अभिभावक तथा कक्षा पाँचवीं से बारहवीं तक के छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात शाखा निदेशक अनुराग जैन एवं प्रबंध निदेशिका जूही जैन को स्मृति-चिह्न एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। तदोपरांत शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ हुआ। विद्यालय की प्राचार्या सीमा दुबे ने छात्र परिषद के सभी नव-निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। वरिष्ठ छात्र परिषद के अंतर्गत निम्न प्रतिनिधियों ने शपथ ग्रहण की- प्रेसिडेंट- विदुषी पोद्दार, वाइस प्रेसिडेंट- भविष्य जादवानी, प्राइम मिनिस्टर- वैष्णव गंभीर, डिप्टी प्राइम मिनिस्टर- याशिका गर्ग, रेड हाउस कैप्टन- रेहान खान, ग्रीन हाउस कैप्टन- वर्तिका द्विवेदी, ब्लू हाउस कैप्टन- अंबर गुप्ता, येलो हाउस कैप्टन- यश साहू, स्पोर्ट्स मिनिस्टर- हर्षित लोधी एवं भावेश विश्वकर्मा, कनिष्ठ छात्र परिषद के अंतर्गत- हेड बॉय- दर्शील सिंह, डिप्टी हेड बॉय- अद्विक रंजन, हेड गर्ल- आर्ना शुक्ला, डिप्टी हेड गर्ल- ध्वनि खरे विद्यालय के प्रणेता उत्तमचंद जैन कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, किंतु उन्होंने अपना शुभाशीष संदेश प्रेषित कर सभी नव-निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों को शुभकामनाएँ दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि छात्र परिषद के सभी प्रतिनिधियों के अभिभावकों को भी समारोह का साक्षी बनने हेतु आमंत्रित किया गया था। अभिभावकों ने अपने बच्चों को नेतृत्व की जिम्मेदारी ग्रहण करते हुए देखकर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की तथा तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय की छात्र परिषद अध्यक्ष विदुषी पोद्दार ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वह पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करेंगी तथा अपने समस्त छात्र परिषद सदस्यों के सहयोग से विद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का सतत प्रयास करेंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में नेहा गंभीर, इमरोज़ सर, नेहा श्रीवास्तव, राकेश सर शहज़ादा खान सर, रजत सर, स्तुति मैम, प्रिंसी खरे, नंदिता मैम, दिशा मैम, शबीना मैम, उदय सर, सिद्धार्थ सर, हर्षित सर एवं रिचा झा मैम सहित समस्त शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार का विशेष योगदान रहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

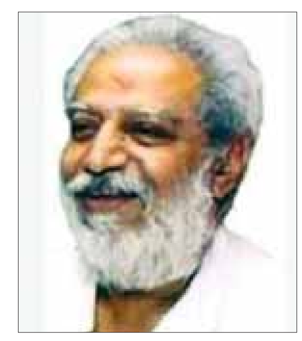

सांसद संजय सिंह की जनसभा

कटनी (स्वतंत्र मत)।

लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के संरक्षक रघु ठाकुर एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह का आगमन 2 अगस्त रविवार को कटनी में हुआ। जिसमें एक सभा का आयोजन घंटाघर रामलीला मैदान में दोपहर 12 बजे आयोजित हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से संवैधानिक संस्थाओं पर बढता अविश्वास एवं निजीकरण विषय पर सभा आयोजित हुई। जिसमें स्थानीय मुद्दों में बुजबुजा डोकरिया की तानाशाही पूर्वक बलात छीनी गई भूमि, कटनी में पीपीपी मॉडल पर बनाया जा रहा मेडिकल कॉलेज पहाड़ और नदियों का अवैध दोहन व वर्तमान राजनीति पर चर्चा की गयी।

इस सभा में जिले के तमाम बुद्धिजीवियों श्रमिकों व्यापारियों किसानो नौजवानों एवं सभी वर्ग के लोगों का सभा में पहुंचे। सभा में बिंदेश्वरी पटेल, प्रभात पांडे, सचिन शर्मा, राजय रजक, विष्णु बाजपेई, डॉक्टर सचिन कुशवाहा, सरवन सोनी, शुभम राय, बाल्मिक विश्वकर्मा, शिव प्रसाद पटेल, तीरथ राय, विजयेन्द्र पटेल, भागवत राम पटेल, सन्तु जुहली, भोली पटेल, जयकरण पटेल, कमलेश साहू, कमलेश नायक, विजय पटेल, रोहित नायक, हृदय शंकर शर्मा, प्रशांत असाटी, वृंदावन सरपंच, संजीव पटेल सहित सभी साथियों ने सभा को सफल बनाया।

भवन निर्माण अनुमतियों की प्रक्रिया हुई सरल अनावश्यक एनओसी की बाध्यता समाप्त

ऑनलाइन प्रणाली, जीआईएस आधारित सत्यापन और समयबद्ध अनुमोदन से मिलेगी नागरिकों एवं निवेशकों को बड़ी राहत

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने भवन निर्माण एवं विकास अनुज्ञा प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं। अपर मुख्य सचिव संजय दुबे द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अब भवन निर्माण अनुज्ञा प्रकरणों में विभिन्न विभागों से अनावश्यक रूप से मांगे जाने वाले अनेक अनापत्ति प्रमाण-पत्रों की बाध्यता समाप्त अथवा तर्कसंगत कर दी गई है। इस निर्णय से नागरिकों, निवेशकों, डेवलपर्स एवं निर्माण एजेंसियों को प्रक्रियागत विलंब से राहत मिलेगी तथा प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और मजबूती मिलेगी। नई व्यवस्था के तहत भवन अनुज्ञा की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से संचालित होगी। आवेदन, नक्शे एवं अन्य दस्तावेजों की केवल डिजिटल प्रतियां ही स्वीकार की जाएंगी तथा किसी भी स्थिति में हार्ड कॉपी प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। भूमि स्वामी द्वारा स्वयं आवेदन करने पर ऑनलाइन शपथ-पत्र लिया जाएगा, जबकि अधिकृत कंसल्टेंट के माध्यम से आवेदन किए जाने पर भूमि स्वामी द्वारा हस्ताक्षरित शपथ-पत्र अपलोड करना होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण तथा विरासत क्षेत्रों से संबंधित अनापत्तियों की आवश्यकता अब केवल उन्हीं मामलों में होगी, जहां ऑनलाइन भवन अनुज्ञा प्रणाली में जीआईएस आधारित सत्यापन के माध्यम से संबंधित भूखंड प्रभावित अथवा प्रतिबंधित क्षेत्र में स्थित पाया जाएगा। अन्य सभी मामलों में इन अनापत्तियों की आवश्यकता नहीं होगी। सहकारिता विभाग एवं गृह निर्माण सहकारी समितियों, विद्युत तथा नजूल विभाग से मांगी जाने वाली कई प्रकार की अनापत्तियों की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी गई है। इससे भवन अनुज्ञा प्रक्रिया अधिक सरल, तेज और नागरिक हितैषी बनेगी। रक्षा प्रतिष्ठानों, मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल तथा विकास प्राधिकरणों से संबंधित मामलों में अब आवेदकों को स्वयं एनओसी प्रस्तुत करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। आवश्यकता होने पर सक्षम प्राधिकारी आवेदन प्राप्त होने के सात दिवस के भीतर संबंधित विभाग को प्रकरण भेजेगा तथा विभाग को 21 दिवस के भीतर अपनी अनापत्ति अथवा आपत्ति प्रस्तुत करनी होगी। निर्धारित अवधि में उत्तर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में प्रकरण पर आगे की कार्यवाही की जा सकेगी। निर्देशों में पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी प्रावधानों को भी तर्कसंगत बनाया गया है। निर्धारित क्षेत्रफल से अधिक के भवनों एवं परियोजनाओं में ही पर्यावरणीय अनापत्ति आवश्यक होगी। इसी प्रकार वृक्ष कटाई की अनुमति भी केवल उन्हीं मामलों में आवश्यक होगी, जहां वास्तविक रूप से वृक्षों की कटाई प्रस्तावित हो। अग्निशमन अनापत्ति के संबंध में भी राष्ट्रीय भवन संहिता के प्रावधानों के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

नई व्यवस्था से भवन निर्माण अनुज्ञा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, समयबद्ध एवं उत्तरदायी बनेगी, जिससे शहरी क्षेत्रों में विकास कार्यों, निर्माण गतिविधियों और निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन को गति मिलेगी तथा नागरिकों को त्वरित एवं सहज सेवाएं प्राप्त होंगी।

छात्रावास के बच्चों को मिला स्टेशनरी का सहयोग

कटनी (स्वतंत्र मत)।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी एम. फार. सेवा छात्रावास में, बच्चों को कॉपियां, पेन-पेंसिल, रबर, शॉपनर, कंपास बॉक्स एवं बिस्किट का वितरण अकेला विजय, अकेला शैलजा, कुमारी अकेला श्रेया एवं अनिल नेमा के द्वारा किया गया। बच्चों से आगे की पढ़ाई के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए विजय ने मेडिकल की पढ़ाई एवं इंजीनियर की पढ़ाई की तैयारी कैसे की जाती है उसके बारे में भी बताया एवं खेल-कूद के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। जी. के. लालवानी के द्वारा एक वाटर कूलर भी बच्चों के लिए प्रदान किया गया।

31 वर्षों की शिक्षकीय सेवा को सम्मानपूर्ण विदाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला बरगवां में सेवा सम्मान समारोह के उपलक्ष्य में सरोज जाटव सहायक शिक्षक की सेवानिवृत्त कार्यक्रम आयोजन किया गया।

सेवानिवृत्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज गौतम विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक और अध्यक्ष डॉ. कृष्णा गुप्ता प्रधान अध्यापक द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में मनोज गौतम ने अपने उद्बोधन में बताया कि सरोज जाटव अपनी 31 वर्ष की सेवा करने के पश्चात 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो गईं। उन्होंने बताया कि शाला में एक अलमारी 36 इंच एवं दस कुर्सी को प्रदान किया। शाला परिवार की तरफ, विकास खण्ड शिक्षा कार्यालय सेवरिष्ठ लेखा पाल मनीष चौबेद्वारा सेवा निवृत कार्यक्रम उपस्थिति रही।

9,000 नाईट्राबेट टैबलेट के साथ 02 आरोपी गिरफ्तार

नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर रंगनाथनगर पुलिस का कड़ा प्रहार

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पुलिस मुख्यालय द्वारा नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत कटनी जिले को नशा मुक्त बनाने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं अवैध नशे के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से श्रीमान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अति पुलिस अधीक्षक कमल मोर्य, उप पुलिस अधीक्षक अजाक शिवा पाठक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रंगनाथनगर उप निरी अरूणपाल सिंह द्वारा लगातार पेट्रोलिंग एंव संदिग्ध व्यक्तियो को चेक किया जा रहा है, 01 अगस्त को पेट्रोलिंग दौरान आर्डनेस फैक्ट्री ग्राउंड के पीछे दो व्यक्ति संदिग्ध हालत में एक प्लास्टिक की बोरी लिये दिखाई दिये जो दोनो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किये जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकडा, नाम पता पूछने पर अपना नाम पंकज उर्फ देवा मिश्रा एंव देवा कोल बताये जो संदेस्पद स्थिति को देखते हुये उसके हाथ मे लिये एक सफेद रंग की प्लाटिक की बोरी को खोलकर देखने पर नशे मे लिए उपयोग की जाने वाली 30 पैकेट अवैध मादक पदार्थ नाईट्राबेट की 9,000 गोलिया रखना पाया गया संदेहियो द्वारा बताया गया कि इन गोलियो का उपयोग नशे के लिये किया जाता है एवं प्रत्येक गोली की कीमत 25 रूपये होना बताया जिसकी बाजारू कीमत लगभग 2,25,000/- रूपये होना बताये जो मौके पर मादक पदार्थ नाईट्राबेट की गोलियो को आरोपियो के कब्जे से जप्त कर वैधानिक कार्यवाही करते हुये अपराध क्र. 331/2026 धारा 8/21, 22 एनडीपीएस एक्ट, 5/13 म.प्र. ड्रग कंट्रोल अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपीगणो को जेल भेजा गया।

गोल्ड मेडलिस्ट जैस्मिन लैंबोरिया होंगी भारत की ध्वजवाहक

ग्लासगो, (वार्ता)।

ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं की 57 किग्रा बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली जैस्मिन लैंबोरिया को आज रात होने वाले समापन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक चुना गया है।

इस समारोह में अहमदाबाद को आधिकारिक तौर पर मेजबानी सौंपने की प्रक्रिया भी होगी, जो 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा। भारत अभी कुल 39 पदक -13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य - के साथ मेडल स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर काबिज है। इस गेम्स में खेलों की संख्या कम होने के बावजूद यह एक बड़ी उपलब्धि है। मुकाबले खत्म होने के बाद ग्लासगो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स आधिकारिक तौर पर समापन समारोह के साथ समाप्त होंगे, जो 3 अगस्त को तड़के 1:30 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू होगा।

कांस्य पदक मुकाबले में हारीं इशरूप नारंग

भारतीय एथलीट इशरूप नारंग ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की महिला 78 किग्रा जूडो स्पर्धा के कांस्य पदक मुकाबले में कनाडा की कोराली गोडबाउट से यूको से हार गईं और बहुत कम अंतर से मेडल जीतने से चूक गईं। वहीं पुरुषों के 100 किग्रा राउंड ऑफ 16 में अवतार सिंह, साइप्रस के एरिस्टोस माइकल से इप्पोन हार गए। यश घंघास पुरुषों के 100किग्रा राउंड ऑफ 16 में वेल्स के जोशुआ व्हाइटहाउस से युको से हार गए।

17 साल की तन्वी शर्मा ने रचा इतिहास

गुयेन थुई लिन्ह को हराकर जीता अपना पहला सुपर 300 खिताब

ताइपे (वार्ता)। 17 साल की तन्वी शर्मा ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी सीड खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-16, 21-16 से हराकर ताइपे ओपन 2026 का खिताब अपने नाम किया। यह तन्वी का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 खिताब है और ताइपे ओपन जीतने वाली किसी भी कैटेगरी की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है।दूसरी भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बन गईआज यहां मिली इस ऐतिहासिक जीत के साथ तन्वी, साइना नेहवाल (2008) के बाद ताइपे ओपन जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बन गई। इस जीत ने इस प्रतियोगिता में भारत के 17 साल के खिताबी सूखे को खत्म कर दिया। यह टूर्नामेंट के ग्रां प्री गोल्ड दौर (2009) में ज्वाला गुट्टा और वी. दिजू की मिश्रित युगल जोड़ी की जीत के बाद देश की कुल तीसरी जीत है।

तन्वी ने तेजी से अपना दबदबा बनाया-शुरुआती गेम में तन्वी ने तेजी से अपना दबदबा बनाया और 10-2 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि गुयेन ने अंतर को कम करके 10-8 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी कभी पीछे नहीं रहीं और आसानी से पहला गेम 21-16 से जीत लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में तन्वी 0-3 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने जल्द ही वापसी करते हुए बढ़त बना ली और अपनी बढ़त को सात अंकों तक पहुंचा दिया। आक्रामक रणनीति अपनाते हुए, उन्होंने बेहतरीन क्रॉस-कोर्ट शॉट्स और सटीक प्लेसमेंट का इस्तेमाल किया और अपनी प्रतिद्वंद्वी को हावी नहीं होने दिया। उन्होंने अपनी लय बनाए रखी और गेम 21-16 से जीत लिया। उन्होंने शानदार क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट के साथ आखिरी पॉइंट हासिल किया और सिर्फ 36 मिनट में फाइनल मुकाबला अपने नाम कर लिया।

खिताब जीतकर बहुत खुश हूं

खिताब जीतने के बाद तन्वी ने कहा, मैं यह खिताब जीतकर बहुत खुश हूं। एक-एक कदम और एक-एक मैच आगे बढ़ते हुए, मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती थी और मुझे लगा कि मैंने पूरे टूर्नामेंट में बहुत अच्छा खेला। मैं काफी नर्वस थी, लेकिन मैंने खुद से कहा कि मुझे अपना 100 प्रतिशत देना है और अपने खेल पर ध्यान देना है।

एक खास क्लब में शामिल हो गई

इस जीत के साथ, तन्वी सुपर 300 या उससे ऊंचे स्तर का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय महिला एकल शटलर बन गई हैं और साइना नेहवाल, पीवी सिंधु और देविका सिहाग के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गई हैं। वह बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 इवेंट जीतने वाली दुनिया की तीसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बन गई हैं।

गुलवीर ने चार मिलीसेकंड के अंतर से जीता अपना दूसरा राष्ट्रमंडल पदक

ग्लासगो (वार्ता)। भारत के लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पुरुषों की 5,000 मीटर दौड़ में जबरदस्त फिनिश के साथ कांस्य पदक जीता। वे पोडियम में जगह बनाने से बस कुछ ही मिलीसेकंड दूर रह गए थे। इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग के अनुसार, गुलवीर ने 13:24.95 मिनट में फिनिश लाइन पार की। उन्होंने केन्या के कॉर्नेलियस केमबोई को 0.004 सेकंड के मामूली अंतर से पीछे छोड़ा, जिसके लिए उन्हें आखिरी कुछ मीटर में अपनी पूरी ताकत झोंकनी पड़ी। केन्या के मैथ्यू किपचुम्बा ने 13:23.61 मिनट में स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 13:24.70 मिनट समय के साथ रजत पदक हासिल किया। दौड़ का ज्यादातर हिस्सा रणनीतिक गति से चला और शुरुआती किलोमीटर में आगे रहने वाले धावक एक साथ बने रहे। गुलवीर पूरी दौड़ के दौरान मुकाबले में बने रहे; 3,000 मीटर के बाद वे शीर्ष पांच में थे और 4,000 मीटर के निशान पर चौथे स्थान पर आ गए। फैसले वाले पल को भांपते हुए, भारतीय धावक ने आखिरी लैप में जबरदस्त तेजी दिखाई और चौथे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए, जब धावक होम स्ट्रेट में पहुंचे। हालांकि रॉबिन्सन उनसे आगे निकल गए, लेकिन गुलवीर ने कांस्य पदक की लड़ाई में हार नहीं मानी और फिनिश लाइन तक के कड़े मुकाबले में केमबोई को पीछे रखा। आधिकारिक टाइमिंग से बहुत कम अंतर का पता चलने के बाद ही पदक पक्का हुआ। एथलेटिक्स प्रतियोगिता के सबसे करीबी फिनिश में से एक में गुलवीर ने सिर्फ चार मिलीसेकंड के अंतर से जीत हासिल की। इस कांस्य पदक के साथ 27 वर्षीय गुलवीर का कॉमनवेल्थ गेम्स का यादगार सफर पूरा हुआ।

घुटने की चोट के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हुए बुमराह

नयी दिल्ली (वार्ता)

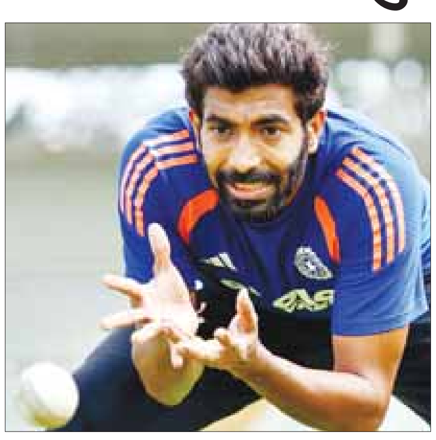

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह श्रीलंका दौरे पर होने वाली टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। क्रिकइंफो को पता चला है कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को वापसी के लिए जल्दबाजी ना करने की सलाह दी है क्योंकि उन्हें अपने घुटने की चोट से पूरी तरह उबरने में और भी समय लग सकता है। बुमराह को यह चोट टी20 विश्व कप के दौरान लगी थी, हालांकि उन्होंने उसके बाद आईपीएल के 14 में से 13 मैच खेले थे। फिलहाल उनके विकल्प की घोषणा नहीं हुई है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 16 जुलाई को हुए दूसरे वनडे के बाद गेंदबाजी नहीं की है। उन्हें फील्डिंग के दौरान इस मैच में चोट लगी थी और वह लॉर्ड्स में होने वाले आखिरी वनडे से बाहर हो गए थे। क्रिकइंफो को पता चला है कि बुमराह ने इसके बाद बीसीसीआई की मेडिकल टीम के प्लान के अनुसार एक इंजेक्शन लिया था। यह प्लान बुमराह को लंबे समय तक फिट रखने की बीसीसीआई की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है।

इस सप्ताह बुमराह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) गए और तब मेडिकल टीम को लगा कि अगर बुमराह मैदान पर लौटने में जल्दबाजी करेंगे, तो इससे उनके घुटने पर और दबाव पड़ेगा और फिर यह चोट और भी गंभीर हो सकता है। भारत पहले से ही हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी के बिना है जो हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स की चोट के चलते बाहर हैं। वॉशिंगटन सुंदर भी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं तो वहीं बैक इंजरी के कारण आकाश दीप भी लंबे समय से बाहर ही चल रहे हैं। गॉल में पहले टेस्ट की शुरुआत 15 अगस्त से होगी तो वहीं दूसरा टेस्ट कोलंबो में 23 अगस्त से खेला जाएगा।

एलेक्जेंड्रा एला ने नाओमी ओसाका को चौंकाया

वॉशिंगटन (वार्ता)। मुबाडाला डीसी ओपन में एलेक्जेंड्रा एला ने सेमीफाइनल में जापानी टेनिस स्टार नाओमी ओसाका को हराकर महिला सिंगल्स का खिताब जीतने के अपने इरादे साफ कर दिए। अमेरिका में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहीं फिलीपींस की इस स्टार खिलाड़ी ने वॉशिंगटन डी.सी. में शानदार टेनिस का प्रदर्शन किया और शनिवार को वर्ल्ड नंबर 13 खिलाड़ी को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हरा दिया। उनकी बढ़त सर्विस के आंकड़ों में साफ दिखी 21 साल की एला ने पहले-सर्व पॉइंट का 71 प्रतिशत और दूसरे-सर्व पॉइंट का 79 प्रतिशत हिस्सा जीता, जबकि पूरे मैच में उन्होंने सिर्फ एक डबल फॉल्ट किया।

ओसाका पहले सेट में एला की सर्विस सिर्फ एक बार ही तोड़ पाई और स्कोर 2-2 से बराबर किया, लेकिन इसके बाद एला ने 5-4 पर ओसाका की सर्विस तोड़ी और अपनी सर्विस पर सेट जीत लिया। तब तक फिलीपींस की स्टार खिलाड़ी का पलड़ा भारी हो चुका था; उन्होंने दूसरे सेट में ओसाका की सर्विस दो बार तोड़ी और मैच अपने नाम कर लिया। महिला सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने के बाद रविवार को उनका मुकाबला अमेरिका की वर्ल्ड नंबर 3 जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला ने डायना श्नाइडर को 7-5, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

श्रीलंका ने पाक को छह विकेट से हराया और सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

दांबुला (वार्ता)। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद संजना कविंदी (46) और कप्तान चामरी अटापट्टू (40) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने रविवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 14 गेंदें शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की महिला टीम ने 17.4 ओवरों में चार विकेट पर 178 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से अपना नाम कर लिया। श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज इमेशा दुलानी (पांच) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद संजना कविंदी और चामरी अटापट्टू की जोड़ी ने तेजी के साथ रन बनाते हुए पारी को संभालने का प्रयास किया। इसी

दौरान छठें ओवर में कप्तान चामरी अटापट्टू 15 गेंदों में (40) को उम्प-ए-हानी ने आउट कर पवेलियन भेज दिया। 11वें ओवर में आयशा जफर ने संजना कविंदी 24 गेंदों में (46) रन का शिकार कर लिया।

विश्मी गुणारत्ने (31) रन बनाकर आउट हुई। हर्षिता समरविक्रमा ने 22 गेंदों में (नाबाद 37) रन बनाये। कविशा दिलहारी ने आठ गेंदों में (नाबाद 14) रनों की पारी खेली। हर्षिता ने विजयी चौका लगाया। श्रीलंका ने 12 साल बाद पाकिस्तान के खिलाफ कोई द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीती है। इससे पहले आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 175 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। कप्तान मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने पाकिस्तान को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी की।

आरबीआई के बयान पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई, (वार्ता) बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही जबरदस्त तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में वैश्विक कारकों के साथ निवेशकों की नजर घरेलू स्तर पर रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बयान और विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र के पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। आने वाले सप्ताह में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिन की बैठक में रेपो तथा अन्य नीतिगत दरों पर फैसला किया जायेगा। बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में इस फैसले की घोषणा के अलावा आर्थिक वृद्धि दर और महंगाई के अनुमान भी जारी किये जायेंगे। इसके साथ ही सोमवार को विनिर्माण क्षेत्र के और बुधवार को सेवा क्षेत्र के पीएमआई के आंकड़े जारी होने हैं। इन सबका असर भी बाजार पर दखेगा। निवेशक की नजर वैश्विक कारकों पर भी होगा, विशेषकर पश्चिम एशिया संकट पर।

बीते सप्ताह मंगलवार को छोड़कर अन्य चार दिन बाजार में तेजी रही। बीएसई का सेंसेक्स 2,034.87 अंक (2.68 प्रतिशत) चढ़कर 78,094.64 अंक पर बंद हुआ। एक सप्ताह पहले सूचकांक में रही 2,091 अंक की गिरावट की लगभग पूरी भरपाई हो गयी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 616.15 अंक यानी 2.59

प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में 24,383.60 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.24 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.46 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 में साप्ताहिक तेजी रही। अच्छे तिमाही परिणाम के बाद बजाज फाइनेंस का शेयर एक सप्ताह में 12.74 प्रतिशत और उसकी प्रवर्तक कंपनी बजाज फिनसर्व का 8.12 प्रतिशत उछल गया।

इंफोसिस में 8.55 प्रतिशत, इटरनल में 7.98, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 7.45, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 5.97, मारुति सुजुकी में 5.88 और टेक महिंद्रा में 5.85 प्रतिशत की तेजी रही। टीसीएस का शेयर 4.96 फीसदी, एशियन पेंट्स का 4.18, टाइटन का 4.14, एलएंडटी का 4.05, ट्रेंट का 3.92, टाटा स्टील का 3.89, भारती एयरटेल का 3.79 और इंडिगो का 3.73, सन फार्मा का 2.49 और रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.28 प्रतिशत चढ़ा।

कॉटन कारपोरेशन का 56वां स्थापना दिवस

छत्रपति संभाजीनगर (वार्ता)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने यहां सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारतीय कपास निगम लि. (सीसीआई) के 56वां स्थापना दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह में कपास किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध जताते हुए उन तक सूचनाएं पहुंचाने के लिए कपास दर्शन बुलेटिन का शुभारंभ किया।

श्री सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कहा कि कपास भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भरता और कृषि समृद्धि का आधार है तथा सरकार कपास किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को 18,150 करोड़ का नुकसान

नयी दिल्ली (वार्ता) पश्चिम एशिया संकट के कारण सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एकल आधार पर 18,150 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ। पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के साथ हुई थी। हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने के कारण कच्चे तेल की कीमत अचानक बढ़ गयी। इससे तेल विपणन कंपनियों की कच्चे माल की लागत बढ़ गयी। देश की तीनों सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को इस कारण पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) के दौरान भारी नुकसान उठाना पड़ा।

इंडियन ऑयल का नुकसान 2,661 करोड़ रुपये, भारत पेट्रोलियम का 3,962 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का 11,526 करोड़ रुपये रहा। इस प्रकार कुल 18,150 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ है। वहीं, इस संकट के बीच बाजार में इन कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले पेट्रोलियम उत्पादों जैसे पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, पीएनजी आदि के दाम भी बढ़े। इससे इन कंपनियों के सम्मिलित परिचालन राजस्व में 24 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। तिमाही के दौरान इंडियन ऑयल का परिचालन राजस्व 2,75,972 करोड़ रुपये, भारत पेट्रोलियम का 1,59,479 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का 1,44,531 करोड़ रुपये रहा।

एफपीआई का निवेश जुलाई में 40 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ा

मुंबई (वार्ता)।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जुलाई में भारतीय पूंजी बाजार में 40,031 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया जो 22 महीने का उच्चतम स्तर है। शुद्ध निवेश का मतलब है कि उनका निवेश इतना बढ़ा है। यह उनके द्वारा बाजार में लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर होता है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में निवेश बढ़ाया है। जून में उनका शुद्ध निवेश 4,669 करोड़ रुपये रहा था। साथ ही सितंबर 2024 के बाद पहली बार एफपीआई ने 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लिवाली की है।

खास बात यह रही कि एफपीआई ने हर सिग्मेंट में पैसा लगाया है जो भारतीय बाजार के प्रति उनके विश्वास के दिखाता है। इक्विटी में उनका निवेश 20,200 करोड़ रुपये बढ़ा। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 18,660 करोड़ रुपये और हाइब्रिड उपकरणों में 166 करोड़ रुपये लगाये। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 1,001 करोड़ रुपये रहा। मौजूदा कैलेंडर वर्ष के सात में से तीन महीने एफपीआई ने बाजार में पैसा लगाया है। पश्चिम एशिया संकट के बाद मार्च, अप्रैल और मई में एफपीआई का निवेश कुल मिलाकर 2.26 करोड़ रुपये कम हुआ था। इस कैलेंडर वर्ष में अब तक एफपीआई ने 1,72,842 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 2,54,073 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है।

तेल और गैस के लिए सरकार करेगी समुद्र मंथन

60 कुओं की होगी खुदाई, 84 हजार करोड़ रुपये की योजना मंजूर

नई दिल्ली। दूसरे देशों से महंगे कच्चे तेल और गैस को खरीदने की हमारी मजबूरी को कम करने के लिए अब सरकार खुद समंदर में तेल के कुएं खोदने जा रही है। इसके लिए भारत सरकार समुद्र के भीतर जोखिम भरे इलाकों में तेल और गैस के नए कुओं की खोज के लिए सरकारी बजट से सीधा पैसा देगा, ताकि गहरे समंदर में छिपे तेल के विशाल भंडारों को ढूंढा जा सके।

सरकारी बजट से पहली बार वित्तीय मदद

न्यूज एजेंसी के मुताबिक केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 84,084 करोड़ रुपये की समुद्र मंथन राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना को मंजूरी दी है। इस योजना के तहत सरकार गहरे और अत्यधिक गहरे समुद्र में तेल के नए कुएं खोदने के लिए आने वाली लागत का आधा हिस्सा (या अधिकतम 650 करोड़ रुपये) खुद देगी। एक अधिकारी ने बताया कि दुनिया में शायद यह पहली बार है जब कोई सरकार नए कुएं खोजने के इस बड़े जोखिम के लिए, अपने बजट से सीधा पैसा दे रही है।

अगले 5 वर्षों में खोदे जाएंगे 60 कुएं

सरकार अगले पांच सालों में समंदर के भीतर ऐसे 60 कुएं खोदने में आर्थिक मदद करेगी। कुओं की खुदाई के साथ-साथ सरकार वहां जरूरी बुनियादी ढांचा (जैसे पाइपलाइन और प्लेटफॉर्म) तैयार करने में भी मदद करेगी, ताकि कई कंपनियां मिलकर इसका फायदा उठा सकें। दरअसल, निजी कंपनियां समंदर में तेल खोजने के इस जोखिम भरे काम से बचती रही हैं। क्योंकि अगर खुदाई के बाद तेल नहीं निकला, तो उनका पूरा पैसा डूब जाता है। अधिकारी के मुताबिक, कंपनियां केवल उन्हीं कुओं पर पैसा लगा रही थीं जहां पहले से तेल मिल चुका है, जबकि नए कुएं खोजने के जोखिम वाले काम में कोई पैसा नहीं लगा रहा था।

साल 2031 तक का मास्टर प्लान

रेटिंग एजेंसी इक्रा लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने कहा कि गहरे समुद्र में खुदाई करना बेहद खर्चीला और जोखिम भरा काम है, और भारतीय कंपनियों के पास इसका अनुभव भी कम है, इसलिए सरकारी मदद बहुत जरूरी है। इस पूरी योजना के 84,084 करोड़ रुपये में से आधे से ज्यादा हिस्सा (43,200 करोड़ रुपये) साल 2031 तक सिर्फ गहरे समंदर में कुएं खोदने के लिए रखा गया है।

सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण क्षेत्र में शिक्षा के नए युग की शुरुआत : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने भोपाल बैरसिया मार्ग को फोरलेन बनाने की घोषणा की

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बैरसिया में सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण केवल नए विद्यालय भवन का शुभारंभ नहीं, बल्कि क्षेत्र में शिक्षा के नए युग और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है। यह विद्यालय विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगा और उन्हें ज्ञान, संस्कार, आत्मविश्वास और कौशल से संपन्न बनाकर जीवन में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बैरसिया में सांदीपनि विद्यालय के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को नवीन सर्वसुविधायुक्त विद्यालय की शुभकामनाएं दीं। करीब 35 एकड़ क्षेत्र में निर्मित शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की लागत 50 करोड़ 74 लाख है। मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में पौध-रोपण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता-पिता बच्चों को जीवन देते हैं, लेकिन विद्यालय और गुरु उनके व्यक्तित्व को सही आकार देकर जीवन को सार्थक बनाते हैं। जिस प्रकार पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है, उसी प्रकार अच्छे विद्यालय और योग्य शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारकर उन्हें समाज और राष्ट्र की अमूल्य संपदा बनाते हैं। विद्यालय केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के चरित्र निर्माण, अनुशासन, संस्कार और जीवन-दृष्टि के विकास का प्रमुख केंद्र होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की पहचान सदियों से ज्ञान, शिक्षा और गुरु-शिष्य परंपरा से रही है। हमारी शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाना है। भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा ने पूरी दुनिया को आकर्षित किया है। इसी गौरवशाली परंपरा को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। पढ़-लिखकर अच्छा डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, पत्रकार और प्रशासनिक अधिकारी बनने के साथ आधुनिक किसान, सफल उद्यमी, कुशल व्यापारी तथा जिम्मेदार नागरिक भी बना जा सकता है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप क्षेत्र चुनकर उसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने का संकल्प लेना चाहिए। वे जिस भी क्षेत्र में जाएं, पूरी लगन, ईमानदारी और परिश्रम के साथ कार्य करते हुए श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करें।

विद्यालय में अर्जित ज्ञान जीवन की सबसे बड़ी पूंजी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यालय में अर्जित ज्ञान जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। भौतिक संपदा समाप्त हो सकती है, लेकिन ज्ञान, विवेक और बुद्धि की संपदा को कोई छीन नहीं सकता। शिक्षा से प्राप्त विवेक ही व्यक्ति को चुनौतियों का सामना करने, सही निर्णय लेने और निरंतर प्रगति करने की शक्ति देता है। विद्यार्थी अपने विद्यालयीन समय का सदुपयोग करें तथा ज्ञान के साथ अच्छे संस्कार भी ग्रहण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालयों का नाम भगवान श्रीकृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि की गौरवशाली परंपरा से जुड़ा है। भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि के आश्रम में रहकर 64 कलाओं और 14 विद्याओं का ज्ञान प्राप्त किया।

विद्यार्थी अपने मित्रों का कठिन समय में सहयोग करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण देते हुए कहा कि विद्यालय में बनने वाली सच्ची मित्रता जीवनभर साथ रहती है। विद्यार्थी अपने मित्रों का कठिन समय में सहयोग करें तथा संवेदनशीलता, उदारता और परस्पर सम्मान की भावना को जीवन में अपनाएं। शिक्षा हमें केवल सफल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा भी देती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए शिक्षित, संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिकों की आवश्यकता है।

अपने परिश्रम और प्रतिभा से उत्कृष्ट प्रदर्शन करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय के विशाल और सर्वसुविधायुक्त परिसर को देखकर प्रसन्नता होती है। यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, पत्रकार, उद्यमी, किसान, जनप्रतिनिधि अथवा किसी भी क्षेत्र में जाएं, वे अपने परिश्रम और प्रतिभा से उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। यह विद्यालय आने वाले वर्षों में बैरसिया क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रमुख केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैरसिया क्षेत्र के समग्र विकास के लिए भोपाल-बैरसिया मार्ग को फोरलेन बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि फोरलेन मार्ग के निर्माण से बैरसिया की राजधानी भोपाल से कनेक्टिविटी और अधिक सुदृढ़ होगी। नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलने के साथ ही क्षेत्र के आर्थिक, व्यावसायिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सांदीपनि विद्यालय के बैरसिया निवासी मेधावी विद्यार्थियों आकाश साहू, सुश्री चंचल कुशवाहा, संयम जैन, भावना प्रजापति, रूपाली रजक और सीए अवंतिका साहू का ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र देकर सम्मान किया।

राष्ट्रसेवा, आत्मसम्मान, साहस और समर्पण की प्रेरणा लेने का आह्वान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी और नेताजी सुभाषचंद्र बोस के जीवन का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्रसेवा, आत्मसम्मान, साहस और समर्पण की प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय देश के लिए जीने, देश को आगे बढ़ाने और अपनी प्रतिभा से भारत का मान बढ़ाने का है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज, प्रदेश और राष्ट्र की प्रगति के लिए करे।

भारत को नशा-मुक्त बनाने में सभी का सहयोग अपेक्षित : राज्यपाल

अभियान स्वस्थ, संस्कारवान एवं विकसित भारत निर्माण का जन आंदोलन

भोपाल (स्वतंत्र मत)।। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान शुभारंभ के वर्चुअल कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने रविवार को भोपाल में सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ सुख शांति भवन रिट्रीट सेंटर में किया गया था। कार्यक्रम, ब्रह्माकुमारी दीदी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत ब्रह्माकुमारी राजयोग भवन भोपाल द्वारा किया गया था। स्थानीय कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने के लिए हर व्यक्ति, परिवार, समुदाय और वर्ग का सहयोग अपेक्षित है। हर व्यक्ति नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा को 365 दिन याद रखें। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ व्यक्ति यदि एक परिवार को नशा मुक्त करेंगे तो देश की 50 करोड़ आबादी नशा मुक्त हो जाएगी। देश में बड़ा बदलाव आ जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा-मुक्त, स्वस्थ, संस्कारवान एवं विकसित भारत के निर्माण के ऐतिहासिक जन आंदोलन का शुभारंभ देश के लिए अत्यंत प्रेरणादायी और महत्वपूर्ण अवसर है। इस प्रसंग में बच्चों का बचपन नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना तथा प्रत्येक परिवार को अपने घर को नशा-मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने मिशन स्पंदन को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए नशा-मुक्त भारत अभियान का व्यापक संकल्प लिया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि अभियान की वास्तविक सफलता तभी होगी, जब वह जन-व्यवहार, जीवनशैली और सामाजिक चेतना का स्थायी संस्कार बने। उन्होंने अभियान से जुड़े सभी लोगों से आग्रह किया कि वे समाज के वंचित वर्गों, पिछड़े क्षेत्रों और दूरस्थ अंचलों तक पहुँचकर यह संदेश दें कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र की प्रगति को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की पावन स्मृति में प्रधानमंत्री के जन-आंदोलन से जुड़ने के लिए ब्रह्माकुमारी परिवार की सराहना की और आग्रह किया कि वे सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से युवाओं में मूल्य-आधारित शिक्षा, स्वस्थ जीवनशैली और आध्यात्मिक चेतना के प्रसार का मार्गदर्शन एवं नेतृत्व करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अभियान विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने की दिशा में एक प्रभावी, व्यापक और क्रांतिकारी जन-आंदोलन सिद्ध होगा।

आज श्रावण मास के प्रथम सोमवार को नर्मदा जल एवं बांदकपुर स्थित इमरती कुंड के जल से होगा रुद्राभिषेक

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्रावण मास के पवित्र अवसर पर स्थानीय श्रीदेव नंदीश्वर महादेव नंदीवन मंदिर परिसर में रुद्री निर्माण एवं रुद्राभिषेक का आयोजन चल रहा है इस अवसर पर श्रद्धालुओं को शास्त्रसम्मत पूजा पद्धति का पालन करने का संदेश देते हुए आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने कहा कि पार्थिव शिवलिंग का निर्माण करते समय उसमें नेत्र, नासिका, कान, मुख अथवा मानवाकृति बनाना शास्त्रसम्मत नहीं है शिवलिंग स्वयं भगवान सदाशिव के निराकार, अनादि, अनन्त एवं अखण्ड ब्रह्मस्वरूप का प्रतीक है।

दमोह-पन्ना मार्ग पर बड़ा हादसा टला, गिट्टी से भरा डंपर पलटा

दमोह, हटा (स्वतंत्र मत)

दमोह-पन्ना स्टेट हाईवे पर हटा थाना क्षेत्र के लुहारी गांव के पास शनिवार शाम गिट्टी से भरा एक डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद डंपर में चालक फंस गया जिसे स्थानीय ग्रामीणों ने साहस और तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर क्रमांक एमपी17एच4997 हटा से दमोह की ओर गिट्टी लेकर जा रहा था। बंजारी माता मंदिर के समीप सड़क निर्माण कार्य के लिए गिट्टी उतारने के दौरान वाहन अचानक असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में चालक को मामूली चोटें आईं जबकि डंपर में भरी गिट्टी सड़क किनारे फैल गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। डंपर को हटाने के लिए दमोह से क्रेन बुलाई गई है जिसके बाद मार्ग को पूरी तरह सामान्य किया जाएगा। स्थानीय ग्रामीणों की सूझबूझ और त्वरित मदद से चालक की जान बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तेवरईया में संपन्न किया गुरु पूजन कार्यक्रम

हटा (स्वतंत्र मत)। समीपस्थ ग्राम तेवरईया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खंड हटा अंतर्गत पिपरिया मंडल द्वारा ग्राम तेवरईया के गायत्री माता मंदिर में शाखा लगाकर जगदीश पटेल के मुख्य आतिथ्य में गुरु पूजन कार्यक्रम श्रद्धा अनुशासन एवं राष्ट्र भावना के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में उपखंड व्यवस्था प्रमुख सपनेश पटेल ने संघ प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे सभी से दोहरवाई एवं उपखंड के कार्यवाह शिवम पटेल द्वारा अमृत वचन कहे गए। स्वयंसेवकों एवं ग्रामवासियों ने भगवा ध्वज के समक्ष श्री गुरु पूजन कर राष्ट्र, समाज और संस्कृति की सेवा के लिए स्वयं को समर्पित रखने का संकल्प लिया।

दमोह-जबलपुर मार्ग पर गड्ढों के भराव का कार्य शुरू

जबेरा (स्वतंत्र मत)

लंबे समय से जर्जर हालत और जगह.जगह बने गहरे गड्ढों के कारण चर्चा में रहे दमोह-जबलपुर मुख्य मार्ग पर आखिरकार गड्ढों के भराव का कार्य प्रारंभ हो गया है। सड़क मरम्मत का कार्य शुरू होने से इस मार्ग से प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों वाहन चालकों, यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों ने राहत की सांस ली है। बरसात के मौसम में सड़क पर बने गड्ढों के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई स्थानों पर दुर्घटनाएं भी हो चुकी थीं जिससे लोगों में आक्रोश था। क्षेत्रवासियों द्वारा लगातार सड़क की मरम्मत और गड्ढों के भराव की मांग की जा रही थी। अब संबंधित विभाग द्वारा सड़क के गड्ढों को भरने का कार्य शुरू कर दिया गया है। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि समय रहते मरम्मत कार्य शुरू होने से दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी और आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुरक्षित एवं सुगम हो सकेगा। नागरिकों ने यह भी मांग की है कि केवल गड्ढों का अस्थायी भराव ही नहीं बल्कि पूरे दमोह-जबलपुर मार्ग का स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण कराया जाए ताकि हर वर्ष बरसात में सड़क की यही स्थिति दोबारा न बने। लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखने की भी मांग की है।

तीन साल पहले बनी डामर सड़कें गड्ढों में तब्दील

हटा (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास फेज-1 के तहत नगर के प्रमुख मार्गों पर सीसी सड़क के ऊपर नगर पालिका द्वारा कराए गए डामरीकरण कार्य की गुणवत्ता पर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। करीब तीन वर्ष पहले लाखों रुपये की लागत से बनी छह सड़कें जगह-जगह उखड़कर गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। हैरानी की बात यह है कि सड़कें अभी भी गारंटी अवधि में हैं, इसके बावजूद पिछले एक वर्ष से ठेकेदार द्वारा मरम्मत कार्य नहीं कराया गया। निर्माण कार्य के दौरान ही स्थानीय लोगों ने गुणवत्ता को लेकर आपत्ति जताई थी लेकिन विभागीय उपयंत्री ने इस ओर गंभीरता नहीं दिखाई। परिणामस्वरूप पहली ही बारिश में कई स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके बाद पाइपलाइन लीकेज और खुदाई को नुकसान का कारण बताया गया।

विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत हटा में हुआ प्रधानमंत्री के वर्चुअल संवाद एवं शपथ कार्यक्रम

हटा (स्वतंत्र मत)। नशा मुक्त युवा : विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत रविवार को सीएम राइज विद्यालय हटा में माननीय प्रधानमंत्री के वर्चुअल संवाद एवं नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रिचा चौबे के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं युवाओं ने प्रधानमंत्री के वर्चुअल संबोधन को गंभीरता से सुना तथा नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में सतेंद्र सिंह राजपूत, पीएम खेमारिया, नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक अजीत विश्वकर्मा, पृथ्वी सिंह राजपूत, फाल्गुन सोनी, शांतनु खटीक, निहाल सेन एवं अजय यादव सहित विद्यालय परिवार तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, उन्हें स्वस्थ एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **SUMITRA BALMIKI** I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS **SUMITRA BALMIK** W/O GURUCHARAN BALMIK RESIDENT OF 318, MAIN ROAD RANJHI BAZAR, AMBEDKAR WARD, RANJHI, MONE-GAON, JABALPUR, 482005, MADHYA PRADESH.

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार बलराम पटेल, आत्मज स्व. महेन्द्र सिंह पटेल, निवासी-बखरी मोहल्ला, वार्ड नं.-9. शहपुरा भिटौनी, जबलपुर (म.प्र.) की ओर से आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार के द्वारा मौजा करमेता, न.बं.-497, प.ह.नं.-78, रा. नि.मं. माढ़ोताल, तहसील-आधारताल, जिला-जबलपुर स्थित भूमि खसरा नं.-385/1 में से 6500 वर्गफुट भूमि श्री मनीष त्रिपाठी, आत्मज श्री राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी निवासी-म.नं.-224/2, पाटन रोड, बजरंग नगर, लमती, करमेता, जबलपुर से क्रय किया जा रहा है। यदि उक्त संपत्ति के क्रय-विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति है तो वह व्यक्ति मेरे कार्यालय में आम सूचना प्रकाशित होने के 03 दिवस के अंदर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है एवं 03 दिवस के पश्चात मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का विक्रय पत्र अपने पक्ष में निष्पादित करा लेगा एवं उसके पश्चात की गई आपत्ति अमान्य मानी जावेगी।

(अशोक गुप्ता) अधिवक्ता
आफिस : 2050, टैगोर नगर, गौरीघाट रोड, जबलपुर (म.प्र.)
मो.नं. 9826344345

प्रदेश का एक गाँव ऐसा जो बना खेती का 'मिनी हॉलैंड'

पॉलीहाउस में खिल रहे विदेशी फूल और बदल रही किसानों की तकदीर

भोपाल (स्वतंत्र मत)

कभी पारंपरिक खेती और मौसम की अनिश्चितता से जूझने वाले धार जिले के बदनावर विकासखंड के ग्राम रूपाखेड़ा अब मिनी हॉलैंड के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। ग्राम रूपाखेड़ा में किसान पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस में गुलाब, जरबेरा, लिलियम, जिप्सोफिला, ब्लू डेजी, व्हाइट डेजी जैसे उच्च गुणवत्ता वाले फूलों एवं सब्जियों का उत्पादन कर देशभर में आज आधुनिक उद्यानिकी और संरक्षित खेती की सफलता की मिसाल बनकर उभरा है। लगभग 1930 की आबादी और 391 परिवारों वाले रूपाखेड़ा में एक दशक पहले अधिकांश किसान गेहूं, चना, मक्का और सोयाबीन जैसी पारंपरिक फसलों पर निर्भर थे। मौसम की मार, सीमित आय और बढ़ती खेती लागत के कारण किसानों के सामने आर्थिक चुनौतियां थीं। ऐसे समय में उद्यानिकी विभाग ने किसानों को संरक्षित खेती की तकनीक से परिचित कराया। पॉलीहाउस और शेडनेट हाउस के माध्यम से खेती, तकनीकी मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं की जानकारी ने किसानों को परंपरागत खेती से आगे बढ़ने का अवसर दिया। रूपाखेड़ा में करीब 1,44,407 वर्गमीटर क्षेत्र में 44 पॉलीहाउस संचालित हैं। यहां उच्च गुणवत्ता वाले फूलों की व्यावसायिक खेती की जा रही है। इसके साथ ही लगभग 42,000 वर्गमीटर क्षेत्र में 13 शेडनेट हाउस निर्मित हैं, जहां उन्नत किस्मों की सब्जियों का उत्पादन हो रहा है। नियंत्रित वातावरण में फसलों की गुणवत्ता बेहतर होने के साथ किसानों को बाजार में अच्छा मूल्य भी मिल रहा है। रूपाखेड़ा की इस सफलता में भारत सरकार की मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर योजना का भी महत्वपूर्ण योगदान है। योजना के तहत पॉलीहाउस निर्माण पर प्रति इकाई 19 लाख रुपये तक और शेडनेट हाउस निर्माण पर 14.20 लाख रुपये तक अनुदान का प्रावधान किसानों के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने में मददगार बना है।

संरक्षित खेती ने केवल उत्पादन ही नहीं बढ़ाया, बल्कि पानी की बचत, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, कीट एवं रोग नियंत्रण और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को भी बढ़ावा दिया है। आधुनिक पैकिंग और बेहतर विपणन व्यवस्था से किसानों को अपने उत्पाद का अधिक लाभकारी मूल्य मिल रहा है। रूपाखेड़ा आज इस बात का जीवंत उदाहरण है कि किसान यदि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का समुचित उपयोग करें, तो खेती केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि समृद्धि और रोजगार का माध्यम भी बन सकती है। किसानों की मेहनत और उद्यानिकी विभाग के सतत प्रयासों से बदनावर का यह छोटा-सा गांव अब प्रदेश के किसानों के लिए प्रेरणा बन गया है और अपनी आधुनिक फूलों की खेती के कारण 'मध्यप्रदेश का मिनी हॉलैंड' कहलाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

▶▶ धनवंतरी नगर क्षेत्र की वारदात, जांच में जुटी पुलिस

युवक पर चाकू से हमला कर मोबाइल लूटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । शहर के धनवंतरीनगर क्षेत्र में वारदात सामने आई है, जहाँ खाना मांगने वाले एक व्यक्ति को पैसे देने से मना करने और टिफिन से खाना खाने की पेशकश करने पर युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। आरोपी ने युवक के चेहरे और गले पर वार कर उसे लहूलुहान कर दिया और उसका मोबाइल छीनकर मौके से फरार हो गया। घायल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है घटना 1 अगस्त की सुबह लगभग 11 बजे की है।

▶▶ सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री ने मरीजों से किया संवाद

नशामुक्त होकर राष्ट्र का नवनिर्माण करें युवा

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । आज युवाओं को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से सेवा भारती प्रान्त संगठन मंत्री आत्माराम का शांतम प्रज्ञा आश्रम, नशा मुक्ति, मनोआरोग्य एवं दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में आगमन हुआ। उन्होंने आश्रम में उपचाररत नशा पीड़ित एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ मरीजों से संवाद किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए वहाँ की युवा पीढ़ी का शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना अत्यंत आवश्यक है। युवा ही राष्ट्र का भविष्य होते हैं तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

साइबर फ्रॉड की मामूली संदिग्ध राशि के लिए पूरा बैंक खाता फ्रीज करना गलत

हाईकोर्ट ने जारी किए 23 दिशा निर्देश

केवल संदिग्ध रकम पर ही लगे लियन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

साइबर फ्रॉड की शिकायतों के बाद बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि यदि किसी खाते में संदिग्ध राशि सीमित और स्पष्ट रूप से चिन्हित है, तो पूरे बैंक खाते को फ्रीज करना सामान्य प्रक्रिया नहीं हो सकती। न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने अर्चना बनाम मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य (रिट याचिका क्रमांक 29117/2026) की सुनवाई के दौरान यह निर्णय देते हुए साइबर अपराध से जुड़े मामलों में बैंक खाते फ्रीज करने की प्रक्रिया को पारदर्शी, संतुलित और समयबद्ध बनाने के लिए 23 विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। साथ ही राज्य सरकार को आदेश दिया है कि इन दिशा-निर्देशों की प्रति प्रदेश के सभी बैंकों, पुलिस थानों, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशनों और जांच एजेंसियों को भेजी जाए, ताकि इनका समान रूप से पालन सुनिश्चित हो सके। अदालत के समक्ष दायर याचिका में बैंक खाते पर लगाई गई रोक को चुनौती देते हुए शिकायत निवारण प्रक्रिया, बैंकों की भूमिका और जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए थे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि यह समस्या केवल एक याचिकाकर्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में बड़ी संख्या में खाताधारक ऐसे मामलों का सामना कर रहे हैं, जहां साइबर फ्रॉड की शिकायत के बाद पूरे बैंक खाते को फ्रीज कर दिया जाता है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी स्थिति में नागरिकों के व्यापार करने के अधिकार, संपत्ति के अधिकार और जांच एजेंसियों की वैधानिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

कथित संदिग्ध राशि की करें पहचान

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जांच एजेंसी को सबसे पहले कथित संदिग्ध राशि की पहचान करनी चाहिए और जहां तक संभव हो केवल उसी राशि पर लियन अथवा डेबिट फ्रीज लगाया जाना चाहिए। पूरे बैंक खाते को फ्रीज करना केवल असाधारण परिस्थितियों में ही उचित होगा। यदि जांच अधिकारी ऐसा आवश्यक समझता है तो उसे इसके स्पष्ट और ठोस कारण लिखित रूप में दर्ज करने होंगे। अदालत ने कहा कि पूरे खाते को फ्रीज करने से खाताधारक के वैध वित्तीय लेन-देन, व्यवसाय और व्यक्तिगत गतिविधियां प्रभावित होती हैं, इसलिए इस शक्ति का प्रयोग विवेकपूर्ण और अनुपातिक तरीके से किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने शिकायतों के निस्तारण के लिए समयबद्ध व्यवस्था भी निर्धारित की है। आदेश के अनुसार खाताधारक आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित बैंक शाखा में शिकायत प्रस्तुत करेगा। शिकायत प्राप्त होने के बाद बैंक ग्राहक के दस्तावेजों का सत्यापन करेगा और सात दिनों के भीतर उसे सीएफ सीएफआर एमएस पोर्टल पर अपलोड करेगा। इसके बाद जांच अधिकारी को 15 दिनों के भीतर शिकायत का परीक्षण कर कारणयुक्त निर्णय देना होगा। यदि शिकायत स्वीकार की जाती है तो बैंक को यथासंभव 48 घंटे के भीतर खाते पर लगी रोक हटानी होगी और इसकी जानकारी पोर्टल पर दर्ज करनी होगी।

केवल संदेह के आधार पर नहीं कर सकते खाता फ्रीज

अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जांच अधिकारी यथासंभव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम अथवा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सत्यापन करेगा और सामान्य परिस्थितियों में खाताधारक को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

व्यक्तिगत उपस्थिति केवल उन्हीं मामलों में आवश्यक होगी, जहां प्राथमिकी दर्ज हो चुकी हो, जांच के लिए उपस्थिति अनिवार्य हो और उसके कारण लिखित रूप में दर्ज किए गए हों। जांच अधिकारी को धनराशि के स्रोत, व्यवसाय की प्रकृति, बैंकिंग लेन-देन के स्वरूप तथा विवादित राशि और कथित अपराध के बीच संबंध का भी परीक्षण करना होगा।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल संदेह के आधार पर किसी बैंक खाते को अनिश्चितकाल तक फ्रीज नहीं रखा जा सकता। यदि रोक जारी रखना आवश्यक हो तो जांच अधिकारी को समय-समय पर इसकी समीक्षा करनी होगी कि यह कार्रवाई अब भी आवश्यक और अनुपातिक है या नहीं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जहां कम प्रतिबंधात्मक उपायों से जांच का उद्देश्य पूरा हो सकता है, वहां वैध व्यावसायिक गतिविधियों को अनावश्यक रूप से बाधित न किया जाए।

साइबर अपराध पर हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर। मध्यप्रदेश में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराधों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि ऐसे मामलों में न्यायालय मूकदर्शक नहीं बना रह सकता। कोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकार को नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने के लिए प्रभावी एवं ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति हिमान्शु जोशी की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, हर साइबर अपराध के पीछे एक पीड़ित की कहानी होती है। छोटे व्यापारी और मजदूर अपनी वर्षों की गाढ़ी कमाई कुछ ही मिनटों में गंवा देते हैं। ऐसे पीड़ितों को न्याय के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। यह टिप्पणी जबलपुर निवासी 72 वर्षीय चैताली मित्रा की याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। याचिका में बताया गया कि वर्ष 2025 में साइबर ठगों ने उनके साथ 6.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी की। विभिन्न विभागों में शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली। मामले की अगली सुनवाई 6 अगस्त 2026 को निर्धारित की गई है।

जर्जर सड़क और बदहाल व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का हल्ला बोल

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने किया प्रदर्शन

सड़क पर लगाए बेशर्म के पौधे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रांझी-खमरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने रांझी-गोकलपुर मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और नगर निगम व स्थानीय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पनेहरा व्हीकल मोड़ से रांझी व्हीकल मोड़ तक का मुख्य मार्ग अत्यंत जर्जर हो चुका है। हाल ही में अमृत-2 जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई थी, जिसे ठेकेदार और निगम प्रशासन की लापरवाही के कारण बिना ठीक किए ऐसे ही छोड़ दिया गया। स्थानीय नेताओं ने कहा कि सड़क की दयनीय स्थिति के कारण आए दिन निर्दोष बच्चे, राहगीर और वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। हाल ही में सड़क के गड्ढों में एक बस फंस गई थी, जिससे घंटों यातायात बाधित रहा। राहगीरों और क्षेत्रवासियों का निकलना मुश्किल हो चुका है। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध का अनोखा तरीका अपनाया। उन्होंने सड़क पर खोदे गए गड्ढों और बदहाल रास्तों पर बेशरम के पौधे रोपे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि प्रशासन, महापौर और स्थानीय विधायक की उपेक्षा को दर्शाने के लिए यह सांकेतिक विरोध दर्ज कराया गया है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

कांग्रेस नेताओं ने प्रशासन को चेताया कि आगामी 10 तारीख को इसी मार्ग से विशाल कांवड़ यात्रा निकलने वाली है, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो श्रद्धालुओं और आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन को 2 से 3 दिन का अल्टीमेटम देते हुए मांग की है कि तुरंत सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया जाए।

चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो कांग्रेस कार्यकर्ता उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष आशुतोष वत्स पूर्व पार्षद राजेश यादव , नेम सिंग, अनिल शर्मा, जिला महासचिव रविंद कुशवाहा , निर्मल चंद जैन ,आलोक भट्ट ,संजू ठाकुर , गोविंद दास अहिरवार, जम्मन,राजू कनौजिया , देवेंद्र लखेरा बृजेंद्र तिवारी ,मनीष बेन सौरभ यादव, अंकित पटेल ,गोविंद चौधरी, मुखर्जी दादा राजा राने ,राजेश श्रीवास के साथ ही क्षेत्र के अनेक कांग्रेसजन, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शराब के लिए रुपए नहीं देने पर दुकानदार पर कैंची से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तिलवारा थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए मांगने से इनकार करने पर एक दुकानदार पर कैंची से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार रमनगरा तिलवारा निवासी 69 वर्षीय गोपाल श्रीवास संविधान चौक के पास वैष्णवी मेंस पार्लर नाम से दुकान संचालित करते हैं। 1 अगस्त की सुबह वह अपनी दुकान पर काम कर रहे थे। सुबह करीब 9 बजे रमनगरा निवासी सचिन तिवारी उनकी दुकान पर पहुंचा और शराब पीने के लिए रुपए मांगने लगा। गोपाल श्रीवास द्वारा रुपए देने से इनकार करने पर आरोपी ने दुकान बंद करवाने की धमकी देते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उसने काउंटर में रखी कैंची से हमला कर गोपाल श्रीवास के हाथ में चोट पहुंचाई।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर एमपी ट्रांसको में हुआ सामूहिक पौधारोपण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 400 केवी सबस्टेशन ताजपुर उज्जैन में सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन एवं प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर परिसर में लगभग 100 पौधे रोपे गए तथा उनकी नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी सभी कार्मिकों द्वारा लिया गया।

ई-रिक्शा पर घूम-घूम कर करते थे वारदातें

विजय नगर में हुई लूट के तीन आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विजय नगर स्थित बचपन स्कूल के पास गौरव ठाकुर नामक युवक पर हमला कर लूट करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट के रुपयों में 450 रुपए जब्त किए है। पुलिस अब शहर में हुई अन्य लूट की वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार गौरव ठाकुर उम्र 29 वर्ष निवासी सप्तऋषि कॉलोनी लमती गढ़ाफाटक स्थित कपड़े की दुकान में काम करता है पिछले दिनों दुकान मालिक से 3900 रूपए लेकर अपने दोस्त अंशुल के साथ बाइक पर घड़ी चौक तक आया, यहां से वह पैदल अपने घर के लिए चल दिया। जब वह बचपन स्कूल के सामने से गुजर रहा था, इस दौरान लाल रंग का ई-रिक्शा से तीन युवक आए और रोककर चाकू अड़ा दिया। गौरव कुछ समझ पाता इससे पहले तीनों ने मारपीट करते हुए जेब से पर्स निकाल लिया, जिसमें रुपए व आधार कार्ड रखा था। गौरव ने तीनों बदमाशों को रोकने की कोशिश की लेकिन वह ई-रिक्शा से भाग निकले। पुलिस ने गौरव की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी। इस दौरान पुलिस ने राजीवगॉधी नगर में दबिश देते हुए नंदू उर्फ शिवकुमार पिता मोहन नायक उम्र 30 वर्ष निवासी गली नम्बर 2, तारा उर्फ तनुज पिता नवल किशोर नायक उम्र 23 वर्ष व संजू केवट पिता कमलेश केवट उम्र 22 वर्ष निवासी बजरंग नगर करमेता माढ़ोताल को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो तीनों ने लूट की वारदात को अंजाम देना स्वीकार लिया।

जबलपुर स्टेशन पर मिला शाजापुर से भटका नाबालिग

जबलपुर। शाजापुर निवासी 12 वर्षीय बालक घर वालों को बिना बताये किसी ट्रेन में बैठकर जबलरपुर स्टेशन पहुंच गया। जहां पर जीआरपी स्टाफ को अकेले में मिला, जिस पर जीआरपी ने संवेदनशीलता व बालक की सुरक्षा को सर्वोपरि करते हुए उससे पूछताछ की और उसके परिजनों को बालक के संबंध में जानकारी दी। थाना जीआरपी जबलपुर स्टाफ को एक बालक अभिराज सिंह जादौन (उम्र 12 वर्ष), निवासी गणेश कॉलोनी, थाना सुजालपुर, जिला शाजापुर रेलवे स्टेशन जबलपुर में अकेले मिला जिस को सुरक्षित संरक्षण में लेकर थाना जीआरपी जबलपुर लाया गया। बालक घर से बिना बताए भटककर जबलपुर पहुंच गया था। थाने में बालक से सहानुभूतिपूर्वक पूछताछ कर उसके परिजनों की जानकारी प्राप्त की गई तथा मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क कर उन्हें थाना बुलाया गया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर बालक को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया।

टीकाराम बने ओबीसी कांग्रेस संगठन सिवनी जिला प्रभारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अभा कांग्रेस कमेटी (ओबीसी विभाग) राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जय हिंद यादव के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मन्शा अनुरूप (ओबीसी विभाग) के प्रदेश प्रभारी रमेश कुमार मौर्य प्रदेश सह प्रभारी अजय गजराज हटेवार द्वारा प्रदेश कांग्रेस (ओबीसी विभाग) प्रदेश उपाध्यक्ष टीकाराम कोष्टा को (ओबीसी कांग्रेस) सिवनी जिला संगठन प्रभारी नियुक्त किया। उनकी नियुक्ति पर पूर्व मंत्री तरुण भनोट, विनय सक्सेना, संजय यादव, कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, दिनेश यादव, रमेश चौधरी आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

शहर में नहीं थम रहीं चोरी की वारदातें

मंदिर समेत तीन सूने मकानों के ताले टूटे, लाखों का माल पार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ रही हैं, सूने घरों को चोर निशाना बना रहे हैं, पिछले 24 घंटे के दौरान धनवंतरी नगर, गोराबाजार, अधारताल और कुण्डम थानाक्षेत्र में चोरी की वारदातें सामने आई हैं। चोरों ने मंदिर समेत सूने घरों का ताला तोड़कर नगदी जेवर व अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पहला मामला धनवंतरी नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत देखा गया। जहां धनवंतरी नगर स्थित स्वयं सिद्ध श्री लाल बाबा मंदिर परिसर में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर दो दान पेटियों का ताला तोड़ दिया और उसमें रखी करीब 2 से 2.5 लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मंदिर के पुजारी राहुल चौबे के मुताबिक अज्ञात चोरों ने मंदिर परिसर में स्थित शनि मंदिर और शंकर जी के मंदिर के बाहर रखी दोनों दान पेटियों के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। अनुमान के अनुसार दोनों दान पेटियों में मिलाकर लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये की राशि जमा थी। पुलिस ने जब मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, तो देर रात लगभग 3:30 बजे 3 संदिग्ध युवक दान पेटी तोड़ते और चोरी करते नजर आए हैं।

बेटी से मिलने गई मां, चोरों ने घर किया साफ

गोराबाजार थाना क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। वारदात के दौरान मकान मालिक के कमरे से भी नकदी चोरी होने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार गोराबाजार के चैतन्य सिटी फेस-2, तिलवरी निवासी 58 वर्षीय वंदना पाटिल 25 जुलाई की शाम अपनी बेटी ज्योति शर्मा से मिलने गाजियाबाद (दिल्ली) गई थीं। 29 जुलाई की सुबह जब वह वापस जबलपुर लौटीं तो घर के मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो आलमारी का ताला भी टूटा हुआ था और घर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर आलमारी में रखे 50 हजार रुपये नकद, सोने की चेन, दो टूटी अंगूठियां और चांदी के सिक्के गायब मिले। वंदना पाटिल ने घटना की जानकारी मकान मालिक राहुल रघुवंशी को दी। राहुल ने बताया कि उनके कमरे से भी 20 हजार रुपये नकद चोरी हो गए हैं। स्वास्थ्य खराब होने के कारण पीड़िता तत्काल रिपोर्ट दर्ज नहीं करा सकीं।

सूने मकान का तोड़ा ताला

ऐसे ही अधारताल थाना क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने करीब 85 हजार रुपये मूल्य का सामान चोरी कर लिया। पुलिस के अनुसार केशर विहार कॉलोनी निवासी 30 वर्षीय मृगेन्द्र सिंह बैस ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके मकान में पिछले कुछ महीनों से ताला लगा हुआ था। 31 जुलाई की रात अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और 42 इंच का टीवी, चांदी का गिलास तथा टाइमेक्स कंपनी की दो कलाई घड़ियां चोरी कर ले गए।

स्कूल वैन चालक के घर दिनदहाड़े वारदात

वहीं कुण्डम थाना क्षेत्र के बघराजी में अज्ञात चोरों ने स्कूल वैन चालक के घर का ताला तोड़कर करीब 1 लाख रुपये के जेवर और नकदी चोरी कर ली। पीड़ित अनिल कुमार कोल ने बताया कि 23 जुलाई की दोपहर परिवार खेत पर था और वह स्कूल वैन चलाने गया था। इसी दौरान चोर घर के ताले तोड़कर चांदी के आभूषण, मंगलसूत्र, अंगूठियां और नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दो युवक घायल

जबलपुर। कुण्डम थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही एक मोटरसाइकिल की टक्कर से दो युवक घायल हो गए। दोनों घायलों को उपचार के लिए जबलपुर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार मंडला जिले के बीजाडांडी थाना क्षेत्र के ग्राम मेढ़ी मनेरी निवासी 24 वर्षीय अरविंद श्रीवास्तव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 1 अगस्त की रात वह अपने बड़े भाई सुनील श्रीवास्तव, नंदकिशोर विश्वकर्मा और आशाराम विश्वकर्मा के साथ कुण्डम में एक जन्मदिन पार्टी में शामिल होने आए थे। पार्टी के बाद चारों दो मोटरसाइकिलों से वापस मनेरी लौट रहे थे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**